ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-113

जिम्मेदार पदों पर बैठे कांग्रेसियों को जिम्मेदारी से बोलना चाहिए: विजयेंद्र @नम्मा बेंगलूरु

इजराइली खुफिया एजेंसी 'मोसाद' की छानबीन से खुलासा

भारत-इजराइल रिश्ते में जहर डाल रहे थे राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके सलाहकार सैम पित्रोदा अमेरिकी षडयंत्रकारियों के साथ मिल कर न केवल भारत सरकार को अस्थिर करने में लगे थे बल्कि वे भारत और इजराइल के संबंधों में भी जहर डालने का काम कर रहे थे। अडाणी तो केवल एक कंधा था, जिसके जरिए निशाना कहीं और साधा जा रहा था। षडयंत्रकारियों के साथ मिल कर राहुल गांधी भारत की मदद से इजराइल में चल रही कुछ खास परियोजनाओं को ध्वस्त करने में लगे थे ताकि भारत के साथ इजराइल के रिश्ते खराब हो जाएं। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने लंबे अर्से तक छानबीन के बाद इस षडयंत्र का पता लगाया। राहुल गांधी की भारत विरोधी गतिविधियों की छानबीन जारी ही थी कि रूस के एक मीडिया प्रतिष्ठान स्पुतनिक ने इस खबर को प्रकाशित कर राहुल गांधी चौकड़ी को चौकन्ना कर दिया। इस चौकड़ी में जॉर्ज सोरोस, सैम पित्रोदा, डोनाल्ड लू समेत कई नाम हैं। इस षडयंत्र के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के इशारे पर यूएसएड द्वारा भी भारी फंडिंग हो रही थी, जिसे डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही बंद कर दिया।

मोसाद की पड़ताल में आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि हुई कि गौतम अडाणी के खिलाफ जारी हुई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट उसी षडयंत्र का हिस्सा थी। हिंडनबर्ग की मदद जॉर्ज सोरोस, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, कई एनजीओ, मीडिया संस्थान, पत्रकार, वकील और अन्य लोग कर रहे थे। इस साजिशी हमले का असर इजराइल में चल रही कई परियोजनाओं पर पड़ने लगा। आखिरकार इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुफिया एजेंसी मोसाद को इसका पता लगाने को कहा। मोसाद की छानबीन के बाद ही हिंडनबर्ग का पूरा सच सामने आया और अडाणी समूह वापस उबर कर बाजार में खड़ा हो पाया। इतना ही नहीं, हिंडनबर्ग रिसर्च पर ताला भी जड़ गया। यह सारी बातें हाल ही में सामने आई रिपोर्ट्स से उजागर

अडाणी तो बहाना था, मोदी और नेतन्याहू पर निशाना था

साजिश में शामिल था सैम पित्रोदा और अमेरिकी डीप-स्टेट

हुईं। इनमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सैम पित्रोदा का नाम प्रमुख रूप से शामिल है।

मोसाद की छानबीन में यह सामने आया कि जिस समय भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी इजराइल के हाइफा बंदरगाह का संचालन अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रहे थे उसी दरम्यान (जनवरी 2023 में) हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी के खिलाफ आरोपों से भरी रिपोर्ट प्रकाशित की थी। हिंडनबर्ग करतूत के प्रकाशित होने के एक सप्ताह बाद ही 31 जनवरी 2023 को अडाणी समूह ने इजराइल के हाइफा पोर्ट का संचालन हासिल किया। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से इजराइल सरकार परेशान और चिंतित हुई। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गौतम अडाणी एस इस बारे में पूछा। अडाणी ने उन्हें यह भरोसा दिया कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट झूठी है और इससे उनके व्यापार को कोई खतरा नहीं है। हाइफा बंदरगाह की डील इजराइल के लिए काफी महत्वपूर्ण थी और यह भारत के लिए भी उतना ही अहम था। अडाणी ने हाइफा बंदरगाह का संचालन कई हजार करोड़ लगाकर हासिल किया था। तब नेतन्याहू ने कहा था, हां, हम जानते हैं कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट फर्जी है। लेकिन अगर इसका असर इस महत्वपूर्ण व्यापारिक डील पर पड़ता है तो हमें इसकी चिंता होनी चाहिए। क्योंकि यह डील को कमजोर करता है, तो यह न केवल इस पोर्ट डील को बल्कि भारत के साथ मिलकर हमने जो कुछ भी अब तक हासिल किया है, उसे नुकसान पहुंच सकता है। इसके बाद ही इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के निर्देश पर खुफिया एजेंसी मोसाद ने ऑपरेशन प्रारंभ किया। यह ऑपरेशन मोसाद की जोमेत और केशेत नाम की दो यूनिट ने शुरू किया। मोसाद ने अमेरिका से लेकर यूरोप और भारत तक जानकारी जुटाना शुरू कर दिया। मोसाद की टीमें हिंडनबर्ग के न्यूयॉर्क स्थित ऑफिस तक पहुंचीं। मोसाद के एजेंटों ने हिंडनबर्ग के दफ्तर में आने-जाने वाले हर आदमी के बारे में जानकारी इकट्ठा की। उन्होंने यहां दरवाजों, दीवालों और बाकी जगह अपने खुफिया डिवाइस लगाए और सारी जानकारी इकट्ठा करना शुरू किया। इस खुफिया छानबीन में पता चला कि हिंडनबर्ग अकेले काम नहीं कर रहा था बल्कि ▶10 पर

बिहार के मधुबनी से प्रधानमंत्री मोदी ने दी खुली चेतावनी

कल्पना से भी बड़ी सजा देंगे आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे

मधुबनी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मधुबनी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले में मारे गए देशवासियों के लिए गहरा दुख व्यक्त करते हुए आतंकियों और उनके आकाओं को कड़ी चेतावनी दी। पीएम मोदी ने कहा, आतंकियों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा देंगे। आतंकियों और उनके सरपरस्तों को मिट्टी में मिला देंगे। पीएम मोदी ने अपने संबोधन से पहले दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इस हमले में आतंकियों ने मासूम लोगों को जिस बेरहमी से मारा, उससे हर भारतीय दुखी और गुस्से में है। इस हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई तो किसी ने अपना जीवनसाथी। करगिल से कन्याकुमारी तक पूरा देश इस दुख में एकजुट है और हमारा गुस्सा भी एक जैसा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ, उससे पूरा देश व्यथित है। सभी पीड़ित परिवारों के दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है, वे जल्द स्वस्थ हों, इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है और जिन्होंने

आतंकियों के मददगारों को भी खोज-खोज कर मारेगा भारत

करगिल से कन्याकुमारी तक पूरा देश इस दुख में एकजुट है

इसकी साजिश रची है, उन्हें उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलकर रहेगी। मैं पूरी दुनिया को बिहार की धरती से कहता हूं कि भारत हर आतंकी और उनके समर्थकों को ढूंढ़ कर सजा देगा। हम उन्हें धरती के किसी भी कोने से खोज निकालेंगे। भारत की आत्मा को आतंकवाद से नहीं तोड़ा जा सकता। आतंकवाद को बख्शा नहीं जाएगा। हर आतंकी को ऐसी सजा दी जाएगी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति आतंक आकाओं की कमर तोड़ कर रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने उन देशों और उनके नेताओं का शुक्रिया अदा किया, जो इस मुश्किल वक्त में भारत के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, सभी पीड़ित परिवारों के दुख में पूरा देश साथ खड़ा है। इस हमले में किसी ने अपना बेटा, भाई, पति मारा गया। देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। जिन्होंने ये हमला किया है उन आतंकियों को, इस हमले की साजिश करने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी और मिलकर रहेगी। आतंक को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। पीएम ने आतंकवाद की जड़ें खत्म करने के लिए भारत के हर कदम उठाने का संकल्प जताया और कहा कि न्याय जरूर होगा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने अपने भाषण में बिहार के विकास पर भी बात की। उन्होंने कहा कि गांव मजबूत होंगे, तभी भारत मजबूत होगा। पूज्य बापू भी यही मानते थे कि गांवों का विकास देश की तरक्की के लिए जरूरी है। पिछले एक दशक में पंचायतों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। टेक्नोलॉजी के जरिए पंचायतों को सशक्त बनाया गया है। ▶10 पर

भारतीय वायुसेना का 'आक्रमण' शुरू

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान सीमा के पास बड़ा युद्धाभ्यास शुरू किया है। इस युद्धाभ्यास में लड़ाकू पायलट पहाड़ी और जमीनी दोनों ही लक्ष्यों पर हमला करने के मिशन को अंजाम दे रहे हैं। वायुसेना ने इस अभ्यास का नाम आक्रमण रखा है। वायुसेना के इस युद्धाभ्यास में मुख्य लड़ाकू विमानों की टुकड़ियां हिस्सा ले रही हैं। इसमें सबसे आगे राफेल लड़ाकू विमान हैं। भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों की दो स्क्वाड्रन हैं। युद्धाभ्यास के लिए पूर्वी क्षेत्र से भी कई लड़ाकू और ट्रांसपोर्ट विमान पहुंचे हैं। पायलटों को वास्तविक युद्ध जैसा अनुभव देने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस अभ्यास की शीर्ष स्तर पर भी निगरानी की जा रही है। यह युद्धाभ्यास ऐसे समय शुरू हुआ है जब भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद तनाव बढ़ा है। फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान में की गई एयर स्ट्राइक में भी भारतीय वायुसेना की अहम भूमिका रही थी। तब वायुसेना ने मिराज-2000 विमानों का उपयोग किया था।

सिंधु जल समझौता स्थगित करने से बौखलाया पाकिस्तान

इस बार पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु-स्ट्राइक

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में दो दर्जन से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या में शामिल पाकिस्तान के खिलाफ उठाए गए सख्त कदम से पाकिस्तान बौखला गया है। भारत ने सिंधु जल समझौता स्थगित करने के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। देश के सम्पूर्ण विपक्ष ने ऐसे मौके पर एकजुटता दिखाते हुए केंद्र सरकार को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। केंद्र सरकार और विपक्षी दलों की बैठक में विपक्ष ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट और सख्त लड़ाई का समर्थन किया। उधर, सिंधु जल समझौता रद्द होने से पाकिस्तान को पानी की भयंकर किल्लत का खौफ सताने लगा है। इस बौखलाहट में वह आत्मघाती फैसले ले रहा है। पाकिस्तान की सुरक्षा समिति की बैठक में भारत के साथ कारोबार बंद करने का फैसला लिया गया है। पाकिस्तान ने वाघा बॉर्डर बंद करने का निर्णय लिया है। पाकिस्तान भी भारत के राजनयिकों को वापस भेजेगा। भारत की ओर से पानी रोकने को पाकिस्तान ने युद्ध जैसा कदम बताया। उसने भारतीय एयरलाइंस के लिए एयरस्पेस भी बंद कर दिया है। सिंधु जल समझौता स्थगित करने की घोषणा इस प्रस्ताव के साथ की गई थी कि पाकिस्तान अपने देश से आतंकवादियों को पालने और पड़ोसी देश में हिंसा फैलाने की हरकतें रोक दे तो जल समझौते का स्थगन हटाया जा सकता है। लेकिन पाकिस्तान आतंक की फैक्ट्री बंद करने की घोषणा करने के बजाय ऊल-जुलूल हरकतें करने में लगा हुआ है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की तरफ से आज संसद भवन में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सम्पूर्ण विपक्ष ने एकजुटता दिखाते हुए सरकार के प्रत्येक कदम के प्रति अपना समर्थन जताया। बैठक में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, रक्षा मंत्री ने सीसीएस की बैठक में पहलगाम में हुई घटना और भारत सरकार की तरफ से की गई कार्रवाई के बारे में विपक्ष को जानकारी दी। सम्पूर्ण विपक्ष ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत को एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़नी चाहिए। ▶10 पर

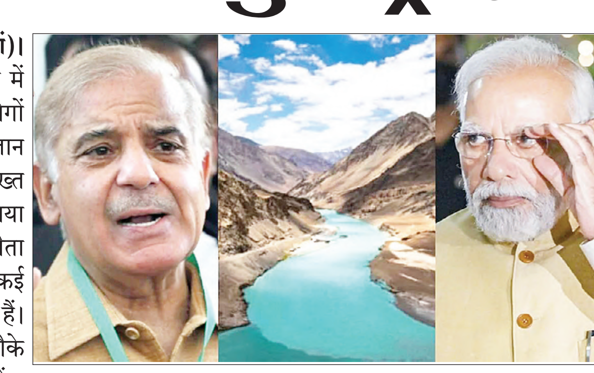

फिर भी पाकिस्तान बंद नहीं कर रहा आतंक की फैक्ट्री

आतंक के खिलाफ देश एकजुट : विपक्ष ने दिया समर्थन

पहलगाम परिणाम : कश्मीर पर्यटन गिरा, 95% बुकिंग रद्द

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद जम्मू कश्मीर का पर्यटन धराशाई हो गया है। कश्मीर के लिए पूरे देश से हुई 95 प्रतिशत से अधिक बुकिंग रद्द कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थलों के अलावा धार्मिक स्थानों पर भी लोग जाने से बच रहे हैं। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जा रहे परिवारों ने भी अपनी बुकिंग रद्द कर दी है।

कई ट्रैवल एजेंसियों ने कहा है कि उनके पास जम्मू-कश्मीर के लिए होने वाली 95 प्रतिशत से अधिक बुकिंग कैंसिल हो गई है। यह यात्राएं गर्मी की छुट्टियों में होने वाली थीं, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लोग अब कश्मीर नहीं जाना चाहते। दिल्ली की एक बड़ी ट्रैवल एजेंसी ने बताया कि मई में कश्मीर जाने वाले 25 लोगों ने भी अपनी बुकिंग रद्द करने के लिए अनुरोध किया है। एक अन्य ट्रैवल एजेंसी के मालिक ने बताया कि ▶10 पर

सिंधु जल समझौता

पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ डालेगी सिंधु-स्ट्राइक

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की तरफ से लगातार जारी आतंकवादी हरकतों से आजिज भारत सरकार के धैर्य का दरवाजा पहलगाम हमले के बाद टूट गया। भारत सरकार ने फौरन ही सिंधु नदी पर बने बांध का दरवाजा बंद कर दिया पाकिस्तान के तमाम आतंकी-स्ट्राइक का सटीक जवाब सिंधु-स्ट्राइक से दिया गया है। भारत सरकार का यह फैसला पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ डालेगा। सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु नदी तंत्र की 6 नदियां व्यास, रावी, सतलज, सिंधु, चेनाब और झेलम के पानी का बंटवारा होता है। इस समझौते के तहत इन 6 नदियों का लगभग 70-80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान इस्तेमाल करता था और मात्र 20-30 प्रतिशत पानी भारत के इस्तेमाल में आता था। समझौता स्थगित होने से पाकिस्तान में भीषण जल संकट और ऊर्जा संकट सामने आने वाला है।

भारत और पाकिस्तान, एक ही भूभाग का हिस्सा है। भारत से कई नदियां बह कर पाकिस्तान जाती हैं। सिंधु नदी तंत्र की नदियां पाकिस्तान के पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। इन्हीं के पानी के बंटवारे को लेकर किया गया समझौता सिंधु जल समझौता कहलाता है। यह समझौता वर्ष 1960 में हुआ था। इसके लिए लगभग एक दशक तक बातचीत पाकिस्तान और भारत के बीच चली थी। तब प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के तानाशाह अयूब खान ने इसको मंजूरी दी थी। सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु नदी तंत्र की 6 नदियों (व्यास, रावी, सतलुज, सिंधु, चेनाब और झेलम) के पानी का बंटवारा होता है। इस जल समझौते के अनुसार, पूर्वी नदियां (व्यास, रावी और सतलुज) के पानी पर पूरा अधिकार भारत का है। यानि इनमें बहने वाले पानी का वह किसी भी तरह से इस्तेमाल कर सकता है। भारत इन नदियों पर बांध बना सकता है, उनकी जलधाराएं मोड़ सकता है, उनसे नहरें निकाल सकता है और पूरा उपयोग कर सकता है। सिंधु जल समझौते के अनुच्छेद 2 का खंड (1) कहता है, पूर्वी नदियों का पूरा पानी भारत के अप्रतिबंधित उपयोग के लिए उपलब्ध रहेगा, सिवाय इसके कि इस अनुच्छेद में अन्यथा अलग से उसके लिए कोई प्रावधान किया गया हो। पूर्वी नदियों को लेकर पाकिस्तान को दखलअंदाजी करने का कोई अधिकार नहीं है। इसको लेकर भी अनुच्छेद 2 के खंड (2) में प्रावधान है। इसमें लिखा है, घरेलू उपयोग को छोड़कर, पाकिस्तान सतलुज और रावी नदियों के पानी को बहने देने के लिए बाध्य होगा और उन स्थानों पर इनके पानी में किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं होने देगा, जहां ये पाकिस्तान में बहती हैं और अभी तक पूरी ▶10 पर

आधी रात को तलब हुए पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सरकार ने पाकिस्तानी के शीर्ष राजनयिक को आधी रात विदेश मंत्रालय में तलब किया। पाकिस्तान के भारत के राजदूत को पर्सोना नॉन ग्रेटा (पीएनजी) थमाया गया और तीन राजनयिकों को एक हफ्ते के भीतर भारत छोड़ने को कहा है। आधी रात में ही पाकिस्तानी राजनयिक को मोदी सरकार के फैसलों की जानकारी भी दे दी गई।जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार ने कई बड़े कदम उठाए। इसके साथ ही भारत सरकार ने दिल्ली में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक साद अहमद वराइच को तलब किया और औपचारिक पर्सोना नॉन ग्रेटा नोट सौंपा। पर्सोना नॉन ग्रेटा एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ होता है अवांछित व्यक्ति। यह आमतौर पर एक राजनयिक या कई राजनयिक कर्मचारियों के लिए प्रयोग किया जाता है, जिसे किसी देश द्वारा अवांछित घोषित किया गया हो ▶10 पर

बेंगलूरु में अनधिकृत विज्ञापनों को हटाने के लिए एसओपी आदेश जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने कहा कि शहर में अनधिकृत विज्ञापनों को हटाने के लिए संशोधित संचालन प्रक्रिया आदेश लागू किया गया है। शहर में अनधिकृत फ्लेक्स और बैनर लगाने की घटनाएं बढ़ रही हैं, और जोनल आयुक्तों को बीबीएमपी विज्ञापन नियंत्रण दल बनाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि विज्ञापनों के प्रदर्शन के बारे में शिकायतें प्राप्त करने के लिए सहायक कार्यकारी अभियंता के कार्यालय में नियंत्रण कक्ष खोले गए हैं। बीबीएमपी अधिनियम 2020 की धारा 158 के अनुसार, मुख्य आयुक्त की लिखित अनुमति के बिना निगम के अधिकार क्षेत्र में किसी भी इमारत, दीवार या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रदर्शित करना प्रतिबंधित है। इसके अलावा, जोनल आयुक्तों ने पहले ही बीबीएमपी अधिनियम, 2020 की धारा 158 के तहत आदेश जारी किए हैं, कि मुख्य आयुक्त की लिखित अनुमति के बिना कोई भी विज्ञापन प्रदर्शित न किया जाए। बेंगलूरु शहर में अनाधिकृत रूप से फ्लेक्स, बैनर, कटआउट और अन्य विज्ञापन प्रदर्शनों को प्रभावी रूप से नियंत्रित करने के लिए, संदर्भ (1) में पहले जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को वापस ले लिया गया है और एक संशोधित एसओपी जारी की गई है। जोनल आयुक्त मार्शल और प्रहरियों के सहयोग से जूनियर इंजीनियर, सहायक इंजीनियर, सहायक कार्यकारी इंजीनियर (बीबीएमपी विज्ञापन नियंत्रण दल) की टीमों का गठन करेंगे, ताकि जोन सीमा के भीतर अनाधिकृत रूप से फ्लेक्स, बैनर, कटआउट और अन्य विज्ञापन प्रदर्शनों को हटाया जा सके। संबंधित उप-विभाग के सहायक कार्यकारी इंजीनियरों को अनाधिकृत फ्लेक्स, बैनर कटआउट और अन्य विज्ञापनों को हटाने की निगरानी करने और अवैध रूप से लगाए गए लोगों के खिलाफ संबंधित पुलिस स्टेशन में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने और जुर्माना लगाने का अधिकार दिया गया है।

मंत्री संतोष लाड के साथ 177 कन्नड़ नागरिक सुरक्षित घर लौटे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रम मंत्री संतोष लाड ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के दृश्य को अत्यंत वीभत्स और भयावह बताया है। जम्मू-कश्मीर से 177 कन्नड़ लोगों को सुरक्षित बेंगलूरु लाने के बाद हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राहत कार्य के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का सहयोग और निर्देश सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी का सहयोग भी अमूल्य है। हमारा अभियान 99 प्रतिशत सफल रहा है। 177 कन्नड़ लोगों को श्रीनगर से बेंगलूरु लाया गया है। कुछ और जम्मू और कटरा में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले ही स्थानीय अधिकारियों से चर्चा करने और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाने के लिए निर्देशित और सलाह दी गई है। मैं मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार संकट में फंसे लोगों को सुरक्षित लाने में सफल रहा हूं। पहलगाम में हमले के बाद वहां का माहौल शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यह बहुत डरावना अनुभव है। महिलाओं के सामने उनके पतियों को मार दिया गया। उस समय महिलाओं ने जो हिम्मत दिखाई और 'हमें भी मार दो' कहकर विरोध किया, उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। ऐसा साहस केवल हमारे देश की महिलाएं ही कर सकती हैं। मैंने इसे अपनी आंखों से नहीं देखा है। लेकिन मैंने जो सुना है, वह बहुत जघन्य है। मैं इस समय सुरक्षा चूक के बारे में बात नहीं करूंगा। मैं इस समय राजनीति नहीं करना चाहता। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मैं कन्नड़ लोगों को सुरक्षित लाने में व्यस्त हूं। हमारे साथ 177 लोग आए हैं। शेष 13 शाम की फ्लाइट से आएंगे। उन्होंने कहा कि शेष लोग शुक्रवार सुबह की फ्लाइट से आएंगे। सभी के लिए फ्लाइट बुक हो गई है। भारत पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगा। पूरी दुनिया इसे देखेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सेना की क्षमता जवाब देने के लिए काफी मजबूत है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ फिल्मों के शीर्ष कलाकार के तौर पर पांच दशक तक राज करने वाले स्व. डॉ राजकुमार के जन्म जयंती के उपलक्ष्य में बेंगलूरु केम्पेगौडा नगर के कन्नड़ा गेळेयरा बळगा संस्था के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर कन्नड़ फिल्मों के निर्माता निर्देशक डॉ.विजय कुमार सुराना ने राजकुमार की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। साथ ही युवाओं को उनके पदचिन्ह पर चलने के फायदे से अवगत कराया। उनकी सरलता को याद करते हुए अभी के कलाकारों को उनके सरल स्वभाव को अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर संस्था के अग्रणी प्रवीण ने विजय कुमार का सम्मान किया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर - श्रीरामपुरम के अंतर्गत आचार्य महाप्रज्ञ जी के 16वें महाप्राण दिवस के उपलक्ष में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन मरियापनपाल्या स्थित गायत्री पार्क में किया गया। इस दौरान ग्लूकोमीटर के माध्यम से ब्लड शूगर एवं रक्त चाप जांच की गई। कैम्प की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। कुल 67 सदस्यों ने इस शिविर का लाभ लिया। तेयुप युवा सदस्यों ने जांच हेतु पधारे सदस्यों को एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी से अवगत करवाया। कैम्प को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ दीपाश्री एवं सहेली का अथक श्रम नियोजित रहा। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, जयंतीलाल गांधी, मुकेश नाहर एवं मुकेश देरासरिया ने अपनी सेवाए प्रदान की।

राज्य में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए केवल कांग्रेस सरकार ने ही काम किया: शिवकुमार

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि राज्य में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए केवल कांग्रेस सरकार ने ही काम किया है। चामराजनगर जिले में माले महादेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की। यह मंदिर हिंदू तीर्थस्थल के रूप में प्रसिद्ध है। शिवकुमार ने बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए विकास प्राधिकरण स्थापित किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछली भाजपा और जेडीएस सरकारों ने ऐसा कदम नहीं उठाया। उन्होंने सौंदत्ती येल्लम्मा विकास प्राधिकरण के गठन और माले महादेश्वर तथा चामुंडी हिल्स के लिए पहले से स्थापित प्राधिकरणों पर प्रकाश डाला। उनके अनुसार, बुनियादी ढांचे और पहुंच दोनों के मामले में माले महादेश्वर मंदिर का परिवर्तन सभी के लिए स्पष्ट है। शिवकुमार ने कहा हम केवल एक समुदाय के कल्याण पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं, बल्कि सभी समुदायों के विकास के लिए प्रयास कर रहे हैं। हमारा ध्यान भक्तों को प्रार्थना के लिए शांतिपूर्ण और अनुकूल वातावरण प्रदान करने पर है। इसके अलावा, शिवकुमार ने चामराजनगर जिले की प्रगति पर चर्चा की और कहा कि सड़कों के सुधार से गांवों से पहाड़ियों तक यात्रा का समय काफी कम हो गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि मेकेदातु परियोजना के तहत एलिवेटेड सड़कों का निर्माण किया जा सकता है, जिसका उद्देश्य मंदिर तक पहुंच को बढ़ाना है। उन्होंने कावेरी नदी बेसिन और नदी पार करके हर साल मंदिर में दर्शन करने वाले भक्तों के लिए इस विकास के महत्व पर जोर दिया। माले महादेश्वर पहाड़ी पर आयोजित विशेष कैबिनेट बैठक ऐतिहासिक रही, जो 28 साल पहले जिले के गठन के बाद से पहली बैठक थी। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े फैसले लेना है, खासकर इसलिए क्योंकि चामराजनगर को कर्नाटक के सबसे पिछड़े जिलों में से एक माना जाता है।

साध्वी सिद्धप्रभा जी के दर्शन सेवा का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी द्वारा निर्देशित अणुव्रत संगठन यात्रा के तहत हुनसूर में विराजित साध्वी सिद्धप्रभा जी के दर्शन सेवा कर सोसायटी के पदाधिकारियों ने साध्वी वृंद को यात्रा की जानकारी प्रदान की। अनुविभा के उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा के नेतृत्व में सकल समाज को अणुव्रत के सिद्धांत के बारे में बताया गया। संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुव्रत प्रकल्प के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर साध्वी जी ने कहा अणुव्रत मानवता को मानवीय मूल्यों को उजागर करने वाली संस्था है। सभी को अणुव्रती बनाने के लिए प्रेरणा दी। इस बीच अणुव्रत समिति का गठन हुआ, जिसमें हुनसूर से जतन बाबेल अध्यक्ष एवं मंत्री लक्ष्मीलाल बोहरा चुने गए। इस अवसर पर कर्नाटक राज्य प्रभारी सुरेश देरासरिया, मुस्कान नौलुका, विशाल नौलुका, पंकज बोहरा, मदन बोहरा, शांति लाल दलाल, किरण सुखलोचा का विशेष सहयोग रहा।

कश्मीर यात्रा पर गए डोड्डबल्लापुर के 95 पर्यटक सुरक्षित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डोड्डबल्लापुर तालुका के 95 पर्यटक कश्मीर यात्रा पर गए थे, वे सुरक्षित हैं, उन्हें कोई खतरा नहीं है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में ब्यासरन घाटी में पर्यटकों पर आतंकी हमला हुआ था। हालांकि, परिवारों ने राहत की सांस ली है कि कश्मीर यात्रा पर गए तालुका के सभी 95 लोग सुरक्षित हैं। तालुका के हडोनाहल्ली, लक्ष्मीदेवीपुर, थिरुमागोंडानहल्ली, तिम्मोजनहल्ली, तुबगेरे, हीरे मुद्देनहल्ली और नेलागुडिगे गांवों के करीब 95 लोग 9 दिवसीय जम्मू-कश्मीर यात्रा पर निकले हैं। 19 अप्रैल की सुबह 21 लोगों का एक समूह दो उड़ानों से अमृतसर पहुंचा, जबकि 74 लोगों का एक अन्य समूह दिल्ली गया और वहां से अमृतसर जाकर एक साथ जुड़ गया। अमृतसर में दर्शनीय स्थलों को देखने के बाद वे श्रीनगर गए। जिस होटल में उन्हें रुकना था, वह पहलगाम के पास था, जिस पर आतंकवादियों ने हमला किया था। लेकिन सौभाग्य से, उस सड़क पर पहाड़ी गिर गई और यातायात बंद हो गया। 110 पर्यटक, जिनमें से 15 बेंगलूरु से थे, जिन्होंने अपना रास्ता बदल दिया था, कटरा वैष्णवी देवी मंदिर के दर्शन करने के बाद कोनुमानली लौट आए। यह पता चला है कि अगर श्रीनगर के रास्ते में पहाड़ी नहीं गिरी होती और वे तय समय पर होटल पहुंच गए होते, तो डोड्डबल्लापुर से टूर पर गए पर्यटकों पर भी आतंकवादियों द्वारा हमला किए जाने का खतरा था। श्रीनगर में आतंकवादी हमले के मद्देनजर, ग्रामीण और रिश्तेदार डोड्डबल्लापुर तालुक के पर्यटकों के बारे में चिंतित थे, जो कश्मीर की यात्रा पर गए थे। लेकिन मंदिरों के दर्शन करने के बाद अपने मोबाइल फोन चालू करने वाले सभी पर्यटकों ने परिवारजनों से बात की, जिससे सभी ने राहत की सांस ली।

कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर के लिए जनसंपर्क जारी

एमपी पीसी मोहन को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नारायण सेवा संस्थान उदयपुर की ओर से 27 अप्रैल को कर्नाटक के दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले विशाल निशुल्क कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर के लिए जनसंपर्क व आमन्त्रण कार्य जारी है। शिविर की सफलता और जन सहभागिता के लिए गुरुवार को बेंगलूरु मध्य के सांसद पीसी मोहन से दक्षिण पश्चिम रेल मंडल सलाहकार समिति सदस्य अश्विन सेमलानी, संस्थान निदेशक भगवान प्रसाद गौड़, समाजसेवी मूलसिंह राजपुरोहित, सुनील वैष्णव व प्रभारी खूबीलाल मेनारिया ने भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया। सेमलानी ने बताया कि संस्थान टीम विभिन्न समाज संगठनों व समाजसेवियों से संपर्क कर शिविर से लाभांवित होने वाले दुर्घटना में अंग गंवाने वाले 700 से अधिक दिव्यांगों को आशीर्वाद देने के लिए आग्रह कर रही है। अग्रवाल, माली, प्रजापत, घांची, राजपुरोहित, रावल, सीरवी, वैष्णव, पटेल और जैन समाज के कई पदाधिकारियों से भेंट कर चुकी है। शिविर का उद्घाटन मराठा हॉस्टल ग्राउंड में रविवार को सुबह 11 बजे होगा।

दीक्षा के सम्मान में वरघोड़ा निकला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कृष्णराजपुरम रामामूर्ति नगर जैन संघ के तत्वावधान में मुमुक्षु दिव्या भलगट की होने वाली दीक्षा के सम्मान में वरघोड़ा निकला गया। ज्ञातव्य है कि रतन हितैषी आचार्य 1008 श्री हीराचंद्रजी के सानिध्य में साध्वी ज्ञानलता जी और सरोजश्री जी के सानिध्य में 5 जून 2025 को जोधपुर में दिव्या भलगट की दीक्षा होगी। संघ एवं कटारिया परिवार की ओर से दीक्षार्थी का वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़ा ट्रैफिक पुलिस स्टेशन से प्रारंभ हुआ जो केआर पुरम मार्केट से होते हुए स्थानक भवन में पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित हुआ।

महिला मंडल ने गीत के माध्यम से मुमुक्षु का सम्मान किया। आशा कटारिया ने संयम की अनुमोदना कर अपने विचार प्रकट किए। बच्चों ने नृत्य नाटिका द्वारा वैरागन बहन की अनुमोदना की। इस मौके पर रत्न हितैषी संघ के अनेक पदाधिकारी उपस्थित हुए। गौतम ओसवाल ने अपने विचार प्रस्तुत किए। संघ के मंत्री रिखबचंद मेहता ने धर्म सभा का संचालन किया। इस मौके पर संयमी के अनुमोदना हेतु अलसूर, कम्मनहल्ली, उदय नगर, राजाजीनगर, श्रीरामपुरम, हुडी समेत कई उपनगरों से श्रावक श्राविका पधारे। सभी ने दीक्षार्थी बहन की अनुमोदना की।

आशुतोष सिंह बने बेंगलूरु डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आशुतोष के सिंह ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर का पदभार संभाला। वे 1995 बैच के भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स सेवा के अधिकारी हैं। वे आईआईटी, रुड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विंग के बीई स्नातक हैं। उनका पेशेवर रिकॉर्ड मजबूत है। सिंह बेंगलूरु में डिवीजनल रेलवे मैनेजर के पद पर शामिल होने से पहले उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने इलेक्ट्रिकल विभाग में विभिन्न पदों पर कई डिवीजनों और जोनल मुख्यालयों में भी काम किया है। उन्हें रखरखाव और निर्माण परियोजनाओं का व्यापक अनुभव है। इससे पहले, उन्होंने अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन के लिए काम किया, जहाँ वे भारत में कार्यान्वित की जा रही हाई-स्पीड परियोजनाओं का हिस्सा थे। वह चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना, कोच्चि मेट्रो रेल परियोजना, बेंगलूरु मेट्रो रेल परियोजना, दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना और यूपी मेट्रो रेल परियोजना के सुरक्षा प्रमाणन में भी शामिल थे। वह ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के साथ एक प्रमाणित ऊर्जा लेखा परीक्षक हैं और उन्होंने रेलवे के लिए कई ऊर्जा-बचत परियोजनाओं पर काम किया है। उन्हें उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है।

कांग्रेसियों को हिंदू नहीं दिखते, यह देश का दुर्भाग्य

जिम्मेदार पदों पर बैठे कांग्रेसियों को जिम्मेदारी से बोलना चाहिए: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे सिद्धरामैया और प्रियांक खड़गे को जिम्मेदारी से बोलना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा आप केंद्रीय खुफिया एजेंसी की विफलताओं के बारे में बात करते हैं। सिद्धरामैया, आपको सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पूछना चाहिए। कांग्रेसियों ने आजादी के बाद से 60 साल तक इस देश पर राज किया है। उन्होंने चुनौती दी कि वे पूछें कि कांग्रेस पार्टी इस देश से आतंकवाद को क्यों नहीं मिटा पाई। इस पर चर्चा करने के बजाय, हर भारतीय को ऐसी कठिन परिस्थिति में एक साथ खड़े होने और एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दुनिया को एक स्पष्ट संदेश देने की जरूरत है। आतंकवाद केवल भारत तक सीमित नहीं है।

यह एक वैश्विक समस्या है। इसलिए, जब भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी देश में जाते हैं, तो दुनिया को आतंकवाद की निंदा करनी चाहिए, वे बौद्ध समुदाय को उखाड़ फेंकने की पुरजोर वकालत कर रहे हैं। मैं सिद्धरामैया, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियांक खड़गे से पूछना चाहता हूं। आपको मल्लिकार्जुन खड़गे का ट्वीट देखना चाहिए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने ट्वीट में कहा कि आतंकवादियों ने भारतीय पर्यटकों पर हमला किया। यह दुख की बात है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने कभी खुद को हिंदू नहीं माना। उन्होंने आलोचना की कि अगर आतंकवादियों को सभी को गोली मारनी होती, तो वे उन्हें हिंदू या मुसलमान के रूप में पहचानते और उन्हें गोली मार देते। हालांकि, मल्लिकार्जुन खड़गे को केवल भारतीय पर्यटक दिखाई देते हैं। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि कांग्रेस पार्टी को हिंदू नहीं दिखते, यह देश का दुर्भाग्य है। हमें राजनीति करना बंद करने की जरूरत है। उन्होंने प्रत्येक भारतीय से एक साथ खड़े होने और एकजुट होने की अपील की। मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने के पीछे कश्मीर को सामान्य स्थिति में लाने की अच्छी मंशा थी। उन्होंने कहा कि ऐसी चर्चाएं हुई हैं कि इसके पीछे की बुरी मंशा पर्यटकों को निशाना बनाना और विदेशी पर्यटकों को जम्मू-कश्मीर आने से रोकना है। वहां के युवाओं को नौकरी नहीं मिलनी चाहिए और युवाओं को सड़कों पर आना चाहिए और उनका इस्तेमाल आतंकवाद के लिए करना चाहिए। इससे पहले विजयेन्द्र ने मत्तिकेरे में आतंकवादी हमले में मारे गए भारत भूषण को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी।

केएसआरटीसी बस में महिला से छेड़छाड़ के आरोप में कंडक्टर गिरफ्तार

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केएसआरटीसी में अनुबंध के आधार पर काम करने वाले एक कंडक्टर को कोनाजे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद कंडक्टर को हिरासत में लिया गया है। आरोपी की पहचान बागलकोट निवासी प्रदीप कशप्पा नायकर (35) के रूप में हुई है। यह घटना 22 अप्रैल को मुदिपु से स्टेट बैंक जा रही केएसआरटीसी की बस में हुई। यात्रा के दौरान झपकी लेने वाली महिला के साथ कंडक्टर ने यौन उत्पीड़न किया। एक साथी यात्री ने इस कृत्य को रिकॉर्ड किया और सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया, जिसने जल्द ही व्यापक ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद कोनाजे पुलिस ने जांच शुरू की और कंडक्टर को हिरासत में ले लिया।

ओम प्रकाश हत्याकांड मामला

सीसीबी विभिन्न कोणों से कर रही जांच

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीसीबी पुलिस ने सेवानिवृत्त डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या के मामले की जांच शुरू कर दी है। एचएसआर लेआउट पुलिस स्टेशन ने मामले के दस्तावेज सीसीबी को सौंप दिए, और सीसीबी की महिला सुरक्षा शाखा (डब्ल्यूपीडब्ल्यू) एसीपी धर्मेंद्र की टीम ने विभिन्न कोणों से जांच शुरू कर दी है। ओम प्रकाश की बेटी कृति को सीसीबी पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ करेगी। ओम प्रकाश की पत्नी पल्लवी को गिरफ्तार कर लिया गया है और वह न्यायिक हिरासत में है। ओम प्रकाश की दिनदहाड़े उनके घर में चाकू से निर्मम हत्या कर दी गई। उनके बेटे ने एचएसआर लेआउट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच जारी रखी और पल्लवी को गिरफ्तार कर लिया और उनकी बेटी को हिरासत में ले लिया। उन्होंने पूछताछ की और जानकारी हासिल की।

हमें यह संदेश देना चाहिए कि हम एकजुट हैं: निर्मलानंदनाथ स्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए आदिचुंचनगिरी महासंस्थान मठ के प्रमुख डॉ. निर्मलानंदनाथ स्वामी ने कहा कि हमें संदेश देना चाहिए कि हम एकजुट हैं। यह संप्रभुता पर हमला है। उन्होंने कहा कि सरकार को आतंकियों को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। 26 लोगों की मौत चौंकाने वाली है। उन्होंने अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। जम्मू-कश्मीर कभी अशांति का केंद्र था। मोदी के फैसलों की वजह से पिछले कई सालों से शांति कायम है। यह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता कि इसे बर्दाश्त न करने वाले आतंकी मानवता को भूल गए और बेहद बर्बर गोलीबारी की। सरकार को आतंकियों को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

सीएम ने आतंकवादी हमले में मारे गए भारत भूषण को श्रद्धांजलि दी

केंद्र से आतंकवादियों को खत्म करने और घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए भारत भूषण को श्रद्धांजलि दी और केंद्र सरकार से आतंकवादियों को खत्म करने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में सभी केंद्र के साथ हैं, लेकिन उन्होंने हमले को रोकने में खुफिया विफलता को दोहराया। पहलगाम आतंकवादी हमले में आतंकवादियों द्वारा मारे गए कर्नाटक के दो पर्यटकों के शव गुरुवार को तड़के यहां केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाए गए। मंगलवार को पहलगाम में अपनी धार्मिक पहचान की पुष्टि करने के बाद अपने परिवारों के सामने मारे गए 26 लोगों में मंजूनाथ राव और भारत भूषण भी शामिल थे। आतंकवादियों द्वारा मारे गए अधिकांश लोग पर्यटक थे। राव के शव को उनके गृहनगर शिवमोग्गा ले

जाया गया, जबकि भूषण के शव को बेंगलूरु में उनके आवास पर लाया गया। अंतिम संस्कार शाम को किया गया। सिद्धरामैया ने कहा सरकार और सात करोड़ कन्नड़ लोगों की ओर से मैं भारत भूषण को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वह 41 साल के थे और बीई, एमबीए ग्रेजुएट थे। एक अप्रिय घटना हुई है। यह एक अमानवीय कृत्य है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। भूषण को श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को खत्म करना सरकार की जिम्मेदारी है। आतंकवाद और आतंकवादी गतिविधियों के लिए देश में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। किसी भी कारण से सरकार (केंद्र) को इस पर कोई रियायत नहीं दिखानी चाहिए। हम सभी केंद्र सरकार के साथ हैं। मैं केंद्र से सभी आतंकवादियों को खत्म करने का आग्रह करता हूं।

उन्होंने कहा कि इसके लिए हमारा पूरा समर्थन है। कश्मीर में पर्यटक के तौर पर गए निर्दोष लोगों को उनकी पत्नी और बच्चों के सामने मार दिए जाने का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि इससे ज्यादा जघन्य और अमानवीय कृत्य कोई और नहीं हो सकता। उन्होंने आगे कहा कि वह इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

पुलवामा आतंकी घटना का हवाला देते हुए जिसमें करीब 40 जवान शहीद हुए थे, उन्होंने कहा अब यह घटना हो गई है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। आतंकवादियों का पता लगाया जाना चाहिए और उन्हें देश से खत्म किया जाना चाहिए। मैं केंद्र सरकार से ऐसे कदम उठाने का आग्रह करता हूं। मुझे कहीं न कहीं लगता है कि खुफिया तंत्र की विफलता रही है। सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य के दो लोगों की मौत हो गई है और आंध्र के एक अन्य व्यक्ति जो बेंगलूरु का निवासी था, की भी मौत हो गई है और उसका शव उसके गृह राज्य ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि मंत्री मधु बंगारप्पा सरकार की ओर से शिवमोग्गा में मंजूनाथ राव को श्रद्धांजलि देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपये देने की घोषणा की है और हमेशा उनके साथ रहेगी।

अधिकारियों और मंत्री संतोष लाड की एक टीम शवों को राज्य में वापस लाने और पर्यटकों के रूप में वहां गए कन्नड़ लोगों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर पहुंची। 177 कन्नड़ लोगों को वापस लाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा यह सरकार की जिम्मेदारी है। भारत भूषण की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि उनकी पत्नी सुजाता और उनके तीन साल के बेटे को बख्श दिया गया। जबकि रियल एस्टेट कारोबारी मंजूनाथ राव की भी उनकी पत्नी और बेटे की मौजूदगी में हत्या कर दी गई।

आतंकवादी हमले के शिकार भारत भूषण की पत्नी ने अपना भयावह अनुभव बताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आतंकवादी लोगों पर गोली चला रहे थे और पूछ रहे थे कि वे यहां इतने खुश कैसे हो सकते हैं, यह दृश्य भयावह था। यह कहना है पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए भारत भूषण की पत्नी डॉ. सुजाता का। भारत भूषण का पार्थिव शरीर गुरुवार सुबह बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचा। वहां से शव को एंबुलेंस में मत्तिकेरे ले जाया गया। घर लौटने के बाद डॉ. सुजाता मीडिया के सामने भावुक हो गईं और भयावह क्षणों को याद करते हुए उनके आंसू बहाए। उन्होंने कहा हम 18 अप्रैल को कश्मीर गए थे। 22 अप्रैल को, हमारी यात्रा के आखिरी दिन, हम पहलगाम गए। हम घोड़े पर सवार होकर लगभग 4 किमी की दूरी तय करके ब्यासरन गए थे। हम उस खुले मैदान में एक बच्चे के साथ खेल रहे थे। हम कश्मीरी पोशाक पहनकर मैदान में एक टेंट में फोटो खिंचवा रहे थे। और एक अन्य परिवार पिछले दो दिनों से साथ-साथ चल रहे थे। जब तक हमने

सारी तस्वीरें खींची, तब तक दोपहर के 1:30 या 1:45 बज चुके थे। हमें लंच के लिए वापस नीचे जाना था। इसलिए, जब हम बिसारन से निकलने वाले थे, तो हमने एक जोरदार गोली की आवाज सुनी। जब हमने यह आवाज सुनी, तो हमें लगा कि कोई पक्षियों और जानवरों को डराने के लिए बंदूक चला रहा है। लेकिन जैसे-जैसे आवाज तेज होती गई, हमें एहसास हुआ कि पास में ही गोलीबारी हो रही है, इसलिए मेरे पति भूषण और मैं टेंट के पीछे छिप गए। लगभग 100 फीट दूर, एक आतंकवादी ने उनमें से एक से बात की और उसे गोली मार दी। उसने पूछा तुम कैसे खुश हो? तुम यहाँ बच्चों के साथ खेलकर कैसे खुश हो? उसने पूछा कि मुझे क्या करना चाहिए? उसकी बात सुने बिना, उसने गोली मार दी और धक्का दिया, और फिर उसके शरीर में तीन या चार बार गोली मार दी।

यह देखते हुए, भूषण हमें बहादुर बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहा था, कह रहा था, ''जो भी हो, बहादुर बनो। आतंकवादियों द्वारा मेरे पति को गोली मारने के बाद, मैंने ऊपर भी नहीं देखा। मैंने बच्चे को छिपा दिया। आतंकियों ने मेरे पति के सिर में गोली मारी थी। चूंकि मैं डॉक्टर हूं, इसलिए मुझे पता था कि भूषण नहीं बचेंगे। इसलिए मैं अपने तीन साल के बच्चे को बचाने के लिए वहां से भागी और भावुक हो गई। जब हम अपने टेंट में पहुंचे, तो मैंने बच्चे को छिपा दिया। मैंने उनसे विनती की कि वे हमें कुछ न करें, और कहा मुझे अकेला छोड़ दें, मेरा एक छोटा बच्चा है। आतंकियों ने मेरे पति को गोली मार दी और चले गए। जैसे ही आतंकी चले गए, वहां मौजूद लोग भागने लगे। मैंने बच्चे को उठाया और भागने लगी। जब मैं भागी, तो वहां लाशों के ढेर लगे थे। इस डर से कि वे हमारा पीछा करके हमला कर देंगे, मैंने बच्चे को उठाया और भागने लगी। उस समय बहुत से लोग भाग रहे थे। आखिरकार मुझे एक घोड़ा मिला। घोड़े पर बैठकर सीआरपीएफ मेस में पहुंची।

राहुल गांधी पर अपमानजनक पोस्ट का मामला

भाजपा आईटी सेल के खिलाफ शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाई ग्राउंड्स पुलिस ने बुधवार को कर्नाटक में भाजपा आईटी और सोशल मीडिया सेल के खिलाफ विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के लिए एफआईआर दर्ज की। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने आईटी सेल के सदस्यों पर बीएनएस की धारा 196 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा जैसे आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 353 (2) (गलत सूचना के माध्यम से सार्वजनिक शरारत) के तहत आरोप लगाया। केपीसीसी के कानूनी और मानव संसाधन विभाग के प्रवक्ता और अध्यक्ष सी.एम. धनंजय ने कहा कि भाजपा आईटी सेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है जिसमें सुझाव दिया गया है कि राहुल

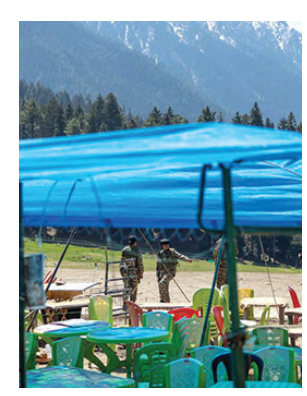

गांधी की विदेश यात्रा कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से जुड़ी है। उन्होंने कहा इसका उद्देश्य न केवल राहुल गांधी की छवि को खराब करना है, बल्कि ध्यान भटकाना और अपनी जिम्मेदारी से बचना भी है। इससे समाज में दरार भी पैदा होगी, जिससे सख्ती से निपटने की जरूरत है। पुलिस ने कहा कि वे संबंधित व्यक्तियों को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने मेंगलूरु के लिए जल मेट्रो परियोजना के प्रस्ताव को दी मंजूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार ने राज्य में पहली बार जल मेट्रो परियोजना को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में कर्नाटक अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की बैठक के दौरान कर्नाटक अंतर्देशीय जल परिवहन नीति 2024 का अनावरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मेंगलूरु में गुरुपुर-नेत्रावती नदियों में शुरू की जाने वाली जल मेट्रो परियोजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सागरमाला परियोजना के तहत मेंगलूरु में कर्नाटक जलमार्ग प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों

को पुनर्वास और बंदरगाह से संबंधित कार्यों के लिए भूमि आवंटन और पट्टे की अवधि की समीक्षा करने के बाद प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, और अतिक्रमणकारियों को तत्काल बेदखल करने का भी निर्देश दिया। उत्तर कन्नड़ जिले में पहचाने गए द्वीपों के एकीकृत विकास के संबंध में, सिद्धरामैया ने डिप्टी कमिश्नर को ड्रोन सर्वेक्षण करने और तीन महीने के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को आंध्र प्रदेश, विशाखापत्तनम, केरल, तमिलनाडु और गुजरात में बंदरगाहों की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर रिपोर्ट देने का भी निर्देश दिया।

पहलगाम आतंकी हमले के तीन पीड़ितों के पार्थिव शरीर बेंगलूरु पहुंचे

मंत्री सोमन्ना और सांसद सूर्या ने दी श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए तीन लोगों के पार्थिव शरीर गुरुवार सुबह बेंगलूरु पहुंचे। इनमें से दो पीड़ित कर्नाटक और एक आंध्र प्रदेश से थे।

भाजपा सांसद और भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या श्रीनगर से शोक संतप्त परिवारों के साथ बेंगलूरु पहुंचे। पीड़ितों में मंजूनाथ राव शामिल हैं, जिनका पार्थिव शरीर शिवमोग्गा ले जाया गया, भारत भूषण, जिनका अंतिम संस्कार बेंगलूरु के मत्तिकेरे में किया गया और मधुसूदन, जिनका पार्थिव शरीर चेन्नई के रास्ते नेल्लोर भेजा गया। बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और सांसद तेजस्वी सूर्या ने उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी।

केंद्रीय मंत्री सोमन्ना ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि सरकार ऐसी घटनाओं से सख्ती से निपटेगी। आतंकवाद पर सरकार के सख्त रुख की पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा किसी भी जिम्मेदार को बख्शा नहीं जाएगा। मंजूनाथ राव के बहनोई प्रदीप ने भावुक होकर कहा कि उनकी बहन और उनका बेटा किस तरह के सदमे से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा मेरे बहनोई को मेरी बहन के सामने गोली मार दी गई। उनका बेटा, जो सिर्फ 18 साल का था, अपनी बोर्ड परीक्षाएँ पूरी कर चुका था और अपनी पहली पारिवारिक छुट्टी पर था। अब, वह याद हमेशा के लिए मिट गई है। तेजस्वी सूर्या ने परिवारों के साथ वापसी की यात्रा के मार्मिक पल साझा किए। उन्होंने कहा मंजूनाथ की पत्नी पल्लवी ने उनके खून से सने जैकेट को पहना और कहा कि वह इसे एक याद के तौर पर संभाल कर रखेंगी। भारत भूषण का तीन वर्षीय बेटा, जो इस त्रासदी से अनजान था, अपनी माँ को विमान दिखाता रहा। सूर्या ने दुख के समय परिवारों द्वारा दिखाई गई ताकत की भी प्रशंसा की और इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे एक परिवार के बुजुर्गों को दुखद समाचार तुरंत सुनने से रोका गया। उन्होंने दोहराया कि सरकार न्याय के लिए प्रतिबद्ध है और आश्वासन दिया कि सुरक्षा बल निर्णायक रूप से जवाब देंगे। उन्होंने नागरिकों से राष्ट्रीय नेतृत्व पर भरोसा रखने और की गई कार्रवाई का समर्थन करने का आग्रह करते हुए कहा भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियाँ अपने हिसाब से समय और तरीके से कार्रवाई करेंगी। हवाई अड्डे पर शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया, जिससे एक सुखद यात्रा का दर्दनाक अंत हो गया। सरकार, स्थानीय अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों ने शवों और जीवित परिजनों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास किए।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने शिवमोग्गा में मंजूनाथ राव को दी श्रद्धांजलि

लोगों से आतंकवाद से लड़ने के लिए एकजुट रहने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने लोगों से जाति, धर्म और राजनीतिक दलों की संबद्धता को अलग रखकर एकजुट होने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने गुरुवार को कश्मीर में आतंकी हमले में मारे गए शिवमोग्गा के रियल एस्टेट कारोबारी मंजूनाथ राव को शिवमोग्गा में श्रद्धांजलि दी। मंजूनाथ राव का पार्थिव शरीर सुबह करीब 10.15 बजे उनके घर पहुंचा। उनकी पत्नी पल्लवी आर. और बेटा अभिजान बेंगलूरु से एक अलग वाहन में आए। जोशी ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा प्रेरित आतंकवादियों ने पहलगाम आने वाले निर्दोष पर्यटकों पर हमला किया। कई वर्षों से देश आतंकी हमलों का शिकार रहा है। हाल के वर्षों में केंद्र सरकार

के प्रभावी उपायों के कारण आतंकी गतिविधियों में कमी आई है। उन्होंने कहा कोविड-19 लॉकडाउन के बाद तीन साल में जम्मू-कश्मीर आने वाले पर्यटकों की संख्या पांच लाख से बढ़कर 25 लाख हो गई है। राज्य में स्थिति सामान्य हो गई है, जिससे विभिन्न स्थानों से पर्यटक आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के स्थानीय लोग हाल के घटनाक्रम से खुश हैं। हालांकि, आतंकवादियों ने फिर से हमला किया है। हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे। मंत्री ने कहा कि हमले की प्रतिक्रिया में केंद्र सरकार पहले ही कूटनीतिक कदम उठा चुकी है। उन्होंने कहा हमें जाति, धर्म और राजनीतिक संघों को अलग रखते हुए एकजुट होना होगा। आइए हम आतंकवादी गतिविधियों को खत्म करें। इस अवसर पर लोकसभा सदस्य बी.वाई. राघवेंद्र, विधायक एस.एन. चन्नबसप्पा, धनंजय सरजी, शारदा पुरयानाइक, पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा भी मौजूद थे। जिला प्रशासन ने आम जनता और रिश्तेदारों के लिए मंजूनाथ राव को श्रद्धांजलि देने की व्यवस्था की थी।

बेंगलूरु रोड रेज मामला

शिवकुमार ने हमला मामले में बाइक सवार को न्याय का आश्वासन दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के एक अधिकारी और एक स्थानीय बाइक सवार के बीच हाल ही में हुई रोड रेज की घटना के मद्देनजर, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने पीड़ित विकास कुमार को न्याय और राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। शिवकुमार ने बेंगलूरु के नागवरपाल्या में हुए एक व्यापक रूप से चर्चित विवाद के बाद कॉल सेंटर कर्मचारी कुमार से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया, जिसमें सीसीटीवी फुटेज में भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शिलादित्य बोस को बाइक सवार पर शारीरिक हमला करते हुए देखा गया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शिवकुमार ने लिखा मैंने विकास कुमार को फोन किया और सांत्वना दी, जो नाग-वरपाल्या घटना के सिलसिले में हमला किए गए कन्नड़िगा थे। अगर कन्नड़िगा लोग परेशानी में हैं, तो कर्नाटक सरकार उनके साथ खड़ी होगी। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। उपमुख्यमंत्री के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया शिवकुमार ने कुमार को प्रोत्साहन के शब्द कहे। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मामले में न्याय सुनिश्चित किया जाएगा और उन्हें किसी भी चीज से डरने की जरूरत नहीं है। इस घटना ने सबसे पहले तब ध्यान खींचा जब विंग कमांडर बोस ने एक वीडियो अपलोड किया जिसमें दावा किया गया कि कन्नड़ न बोलने की वजह से उन पर हमला किया गया। विकास कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन बाद में सीसीटीवी फुटेज में अधिकारी के दावे का खंडन किया गया, जिसमें बोस को कुमार पर हावी होते, लात मारते और मुक्का मारते हुए दिखाया गया। वीडियो सामने आने के बाद कुमार को जमानत दे दी गई। इसके बाद से मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया है, विंग कमांडर बोस के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इस घटना ने लोगों का काफी ध्यान खींचा है, खासकर कर्नाटक में, जहां भाषाई पहचान से जुड़े मुद्दे लंबे समय से संवेदनशील रहे हैं। इससे पहले प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि अधिकारी का व्यवहार कन्नड़ भाषी लोगों के गौरव और भावन-ाओं को भड़काने वाला था। जवाब में, भारतीय वायु सेना ने एक आधिकारिक बयान जारी किया, जिसमें इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया गया और मामले की जांच और उसके वैध समाधान तक आगे बढ़ने में स्थानीय अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। यह मामला बयाप्पनहल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है, और जांच जारी है।

भाजपा ने जनेऊ मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया

राज्य सरकार पर हिंदू भावनाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
सीईटी परीक्षा के अभ्यर्थियों के जनेऊ जबरन उतारने की घटना की निंदा करते हुए उडुपी भाजपा ने उडुपी उपायुक्त कार्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विभिन्न धार्मिक संगठनों की भागीदारी में आयोजित विरोध सभा में ब्राह्मण नेताओं ने जनेऊ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भाषण दिए।

उडुपी में धार्मिक प्रथाओं और परंपराओं के संरक्षण की मांग करते हुए उपायुक्त डॉ. के. विद्याकुमारी को ज्ञापन सौंपा गया। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं से राज्य सरकार को अवगत कराया जाएगा। उडुपी के विधायक यशपाल सुवर्णा ने राज्य सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा मौजूदा सरकार हिंदू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपने कार्यकाल में हिंदुओं की मान्यताओं की अनदेखी करते हुए केवल एक धर्म को बढ़ावा देते नजर आ रहे हैं। यह विरोध उडुपी का संदेश है, जहां सभी हिंदू जातियां इस अन्याय के खिलाफ एकजुट हैं। जनीवरा सिर्फ एक धागा नहीं है, यह परंपरा और आस्था का प्रतिनिधित्व करता है। अगर सरकार इसी राह पर चलती रही तो राहुल गांधी और सोनिया गांधी जैसे नेताओं को

भी जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। यह सिर्फ विरोध नहीं है। यह एक चेतावनी है।

धार्मिक नेता हर्गा हरिप्रसाद भट ने जनिवारा के आध्यात्मिक महत्व पर जोर देते हुए कहा जनिवारा व्यक्ति के दूसरे जन्म का प्रतिनिधित्व करता है- एक भौतिक और एक आध्यात्मिक। इसे पहनने वाले लोग अनुशासित, शांतिपूर्ण जीवन जीते हैं। जनिवारा को निशाना बनाकर सरकार हमारी परंपराओं की नींव को उखाड़ने का प्रयास कर रही है। मामले की गंभीरता के बावजूद, सरकारी अधिकारियों या शिक्षा विभाग की ओर से कोई माफी या स्पष्टीकरण नहीं आया है। यह एक बहुत ही चिंताजनक प्रवृत्ति है। कश्मीर में पर्यटकों पर उनके धर्म के आधार पर हमला किया जाता है। इसी तरह, हिंदू परंपराओं में हस्तक्षेप करके, हमारी अपनी सरकार समुदाय को हाशिए पर धकेल रही है। धार्मिक नेता चेम्पी रामचंद्र भट ने दुख और निराशा व्यक्त की। जिस छात्र से जनेऊ हटाने के लिए कहा गया, उसका दर्द हमारा दर्द है। सरकार को माफी मांगनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं फिर न हों। जबकि जम्मू और कश्मीर एक ऐसी जगह है जहाँ हम जाने का सपना देखते हैं, यह इस बात का भी प्रतीक बन रहा है कि कैसे धर्म खतरे में है। धार्मिक नेता सागरी आनंद तीर्थ ने कहा आमतौर पर हम कार्यक्रमों से पहले एक-दूसरे को खुशी से बधाई देते हैं, लेकिन आज हम दुख के साथ इकट्ठा होते हैं। मैंने अपनी आवाज की समस्या के कारण हाल ही में पढ़ाना बंद कर दिया है, लेकिन आज मुझे बोलना चाहिए। अगर मैं अभी चुप रहा, तो शायद मैं फिर कभी न बोलूँ। मैं विरोध प्रदर्शन में युवाओं की कमी से भी चिंतित हूँ। युवा पीढ़ी धार्मिक प्रथाओं से खुद को दूर कर रही है। विरोध प्रदर्शन में उडुपी के विधायक यशपाल सुवर्णा, जिला भाजपा अध्यक्ष किशोर कुमार, भाजपा नेता उदय कुमार शेट्टी, भाजपा युवा मोर्चा उडुपी के सचिव शशांक शिवथैया और धार्मिक नेता हर्गा हरिप्रसाद भट सहित अन्य लोग शामिल हुए।

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत सरकार उचित कार्रवाई करेगी: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत सरकार उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने राज्य सरकार से स्लीपर सेल का पता लगाने

और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का आग्रह किया। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा यह हम सभी के लिए दुखद दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर विकास का मार्ग प्रशस्त किया। मैं दो साल पहले वहां गया था और कारोबार फल-फूल रहा था। कई मुसलमानों ने खुशी-खुशी कहा कि वे रोजाना 10,000 रुपये कमा रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी संगठन द्वारा किया गया यह कृत्य निंदनीय है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखे, स्लीपर सेल का पता लगाए, जमानत पर रिहा आतंकियों पर नजर रखे और सुनिश्चित करे कि पुलिस उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करे। इस घटना में बेंगलूरु के भारत भूषण और शिवमोग्गा के मंजूनाथ की मौत दुखद है। अशोक ने कहा कि उन्होंने तुरंत सांसद तेजस्वी सूर्या से संपर्क कर कन्नड़ लोगों की सुरक्षा के बारे में जानकारी ली और अन्य प्रभावित कन्नड़ लोगों को सहायता प्रदान करने पर चर्चा की। अशोक ने एकजुटता दिखाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा सदस्य काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

जंगली सूअरों के शिकार के लिए कच्चे बमों के इस्तेमाल पर रोक लगाने का निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के जंगलों से सटे गांवों में जंगली सूअरों के शिकार के लिए कम तीव्रता वाले कच्चे बमों के इस्तेमाल पर ध्यान देते हुए वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने अधिकारियों को इस प्रथा पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। चामराजनगर जिले के कोल्लेगल में वन विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि अन्य घरेलू और जंगली जानवर कच्चे बमों को चारा समझकर चबाने के बाद मर रहे हैं। ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए प्रभावी निगरानी के लिए अधिकारियों से आह्वान करते हुए खंड्रे ने कहा कि घरेलू पशुओं और अन्य शाकाहारी जानवरों के जबड़े क्षतिग्रस्त होने और अंततः भूख के कारण मरने की कई घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि हाथी के

बच्चों द्वारा कच्चे बम चबाने और मरने के मामले सामने आए हैं। सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। मंत्री ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। वन्यजीव अभ्यारण्यों और यहां तक कि प्रादेशिक जंगलों की सीमा से लगे गांवों में कच्चे बमों का इस्तेमाल कोई नई बात नहीं है। यह प्रथा चारे में कच्चे विस्फोटकों को छिपाने की है। जब जंगली सूअर चारे को छूते हैं, तो वे विस्फोटक से मारे जाते हैं या घायल हो जाते हैं, जिससे वे कृषि फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते। हालांकि जंगली सूअरों को निशाना बनाया गया, लेकिन हाथी और मवेशियों सहित अन्य अनजान जानवरों को धीमी और दर्दनाक मौत मिली है, क्योंकि उनके मुंह में कच्चा विस्फोटक फट गया और जबड़ा फट गया। वन्यजीव कार्यकर्ता वर्षों से इस प्रथा के बारे में शिकायत कर रहे हैं। वन विभाग को बांस की खेती पर ध्यान देने का निर्देश दिया गया, क्योंकि यह हाथियों के लिए प्राकृतिक चारा है। कावेरी वन्यजीव प्रभाग में बांस की प्रचुरता को देखते हुए मंत्री ने कहा कि यह न केवल हाथियों के लिए चारे का काम करता है, बल्कि भोजन की तलाश में मानव परिदृश्य में प्रवेश करने की आवश्यकता को भी समाप्त करता है, और इस प्रकार संघर्ष की स्थितियों को कम करता है। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों में भी बांस उगाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि चंदन के पेड़ों को जियो-टैग किया जाए और संरक्षित किया जाए।

मानसून से पहले एनएच 169 सड़क की स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ीं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानसून के तेजी से करीब आने के साथ ही, गुरपुर से सावनूर करकला तक नवनिर्मित एनएच 169 सड़क के टिकाऊपन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। गुरपुर पुल के पास से नूयी तक का हिस्सा फिलहाल अच्छी स्थिति में दिख रहा है, लेकिन इस बात पर संदेह बना हुआ है कि यह भारी बारिश का सामना कितनी अच्छी तरह कर पाएगा। एक बड़ी चिंता सड़क के दोनों ओर रिटेनिंग वॉल का न होना है। पूरी संरचना पूरी तरह से मिट्टी की नींव पर टिकी हुई है, जो मानसून से पहले की बारिश के कारण पहले ही मिटने लगी है। अगर समय रहते निवारक उपाय नहीं किए गए, तो यह मिट्टी का कटाव सड़क के ढहने का कारण बन सकता है।

हालांकि सतह अच्छी तरह से बनी हुई दिखती है, लेकिन उचित सुदृढ़ीकरण की कमी – विशेष रूप से रिटेनिंग वॉल – एक बड़ा जोखिम पैदा करती है। मिट्टी धीरे-धीरे किनारों से बह रही है, जिससे नई बनी सड़क को नुकसान पहुंचने का खतरा है। अधिकारियों से आग्रह है कि वे जल्द से जल्द साइट का निरीक्षण करें और आगामी मानसून के मौसम में संभावित ढहने से बचने के लिए एहतियाती उपाय लागू करें।

राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) कर रही छानबीन, तलाश रही

आतंकी हमले और 21000 करोड़ की ड्रग्स बरामदगी का कनेक्शन

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) पहलगाम आतंकी हमले और 21000 करोड़ की ड्रग्स बरामदगी के बीच लश्करे तैयबा का कनेक्शन तलाश रही है। एनआईए ने कहा है कि अफगानिस्तान में बैठे ड्रग्स तस्करों ने 2,999.2 किलोग्राम की बड़ी मात्रा में हेरोइन भारत भेजी थी। इसमें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और ईरान के तस्करों ने मदद की थी। इसकी कीमत 21,000 हजार करोड़ रुपए थी। इसे ईरान के रास्ते लाया गया था और तालक पाउडर बताकर मुंद्रा पोर्ट पर उतारा गया था।

एनआईए ने पहलगाम हमले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक बड़ा खुलासा किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बताया है कि पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ है, उसका संबंध गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पकड़े गए 21,000 करोड़ रुपए के ड्रग्स के जखीरे से है। एजेंसी ने सितंबर 2021 में तकरीबन 3,000 किलोग्राम हेरोइन पकड़ी थी। एनआईए ने कहा है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ड्रग्स बेचकर जेहाद के

लिए पैसा जुटा रहा था। एजेंसी का कहना है कि लश्कर-ए-तैयबा उन पैसों का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा एवं अंजाम देने के लिए करना चाह रहा था। इसके साथ ही वह देश के युवाओं को नशे का आदी बनाकर भारत को कमजोर करना चाहता था।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कोर्ट में कहा, देखिए पहलगाम में उन्होंने (आतंकी) पर्यटकों के साथ क्या किया? उन्होंने मासूम पर्यटकों पर गोली चलाई। उन्होंने आगे इस खेप के जरिए भी वह ऐसा ही करना चाह रहा था। पहले भी इसी तरह से ड्रग्स की खेप अफगानिस्तान से भारत लाई गई थी। यह खेप वैध कागजात के साथ लाया गया था, जिनमें टाल्क स्टोन होने की बात कही गई थी। एनआईए का कहना है कि ड्रग्स बेचकर जो भी पैसा मिलता था, उसे दिल्ली के कुछ गोदामों में रखा जाता था और फिर वहां से एलईटी तक पहुंचाया जाता था। एनआईए ने साफ कहा कि यह भारत में पकड़ी गई ड्रग्स की सबसे बड़ी खेप है। एजेंसी ने हरप्रीत सिंह तलवार उर्फ कबीर तलवार नाम के एक व्यक्ति को भी इस ड्रग्स के धंधे में शामिल बताया है, जो फिलहाल जमानत मांग रहा है।

एनआईए ने कोर्ट में कहा है कि अफगानिस्तान में बैठे ड्रग्स तस्करों ने 2,999.2 किलोग्राम की बड़ी मात्रा में हेरोइन भारत भेजी थी। इसमें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और ईरान के कुछ लोगों ने मदद की थी। इसकी कीमत 21,000 हजार करोड़ रुपए थी। इसे ईरान के रास्ते लाया गया था और टाल्क स्टोन बताकर मुंद्रा पोर्ट पर उतारा गया था। एजेंसी ने यह भी कहा कि इस मामले में गवाह ने एक व्यक्ति ने बयान दिया था कि लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी द रेसिस्टेंस फ्रंट के मारे गए गुर्गे लतीफ राथर ने उसे बताया था कि दिसंबर 2021 में मोहम्मद इकबाल अवान और अफगानिस्तान/पाकिस्तान स्थित ड्रग तस्करों ने उसके साथ कश्मीर मुद्दे, अनुच्छेद 370 पर चर्चा की थी। उस गवाह ने एनआईए को कहा था कि लतीफ ने अपने कोड नाम मलिक को हरियाणा के एक व्यक्ति से 10 और 15 लाख वसूलने के लिए दिल्ली/हरियाणा सीमा पर भेजा था। एजेंसी ने अदालत को बताया, इस पैसे का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा के नए रंगरूटों के लिए हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए किया गया था।

बसंतगढ़ मुठभेड़ में एक जवान शहीद

कुलगाम में आतंकी भाग निकले

जम्मू, 24 अप्रैल (ब्यूरो)। पहलगाम हमले के बाद प्रदेश में कई जगह आतंकियों ने मोर्चे खोले हैं। अगर बसंतगढ़ में मुठभेड़ में एक सैनिक अली शेख शहीद हो गए। कुलगाम में वे आतंकी भागने में कामयाब हो गए जिनके साथ कल रात से ही मुठभेड़ चल रही थी। पुंछ, किश्तवाड़ के बाद अब कठुआ के कई इलाकों में आतंकियों को देखे जाने की खबरों के बाद व्यापक तलाशी अभियान छेड़े गए हैं। उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच जारी मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर इलाके में जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त अभियान शुरू किया गया। अधिकारी ने बताया कि संपर्क स्थापित किया गया और भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। शुरुआती गोलीबारी के दौरान एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। मेडिकल टीम के बेहतरीन प्रयासों के बावजूद बाद में उसकी मौत हो गई। शहीद हुए

जवान की पहचान 6-पैरा स्पेशल फोर्सेस के हवलदार जे अली शेख के तौर पर की गई है।

दूसरी ओर पुलिस ने कहा कि उसे विश्वसनीय जानकारी मिली थी कि आतंकी संगठन लश्कर से जुड़े कुछ ओजीडब्ल्यू ने अपने आकाओं के निर्देश पर आपराधिक साजिश रची है और पुलिस, एसएफ और गैर-स्थानीय लोगों पर हमला करने का मौका तलाश रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता ने आगे बताया कि इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए बांदीपोरा पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया और जिले में विभिन्न स्थानों पर विशेष नाके लगाए गए। उन्होंने बताया कि नाका चेकिंग के दौरान मोहम्मद रफीक खांडे और मुख्तार अहमद डार को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से अवैध हथियार गोला-बारूद जैसे चीनी हैंड ग्रेनेड 02, 7.62 एमएम मैगज़ीन 01 और 7.62 एमएम के 30 राउंड बरामद किए गए।

इसके अलावा, बांदीपोरा पुलिस ने एफ-कॉय 3 बीएन सीआरपीएफ और 13 आरआर अजास कैंप के साथ मिलकर सदुनारा अजास में एक संयुक्त नाका स्थापित किया। चेकिंग के दौरान, दो संदिग्धों की पहचान रईस अहमद डार और मोहम्मद शफी डार के रूप में हुई, उन्हें पकड़ लिया गया उन्होंने बताया कि उनके पास से 01 चीनी हैंड ग्रेनेड, 01 7.62 एमएम मैगजीन और 7.62 एमएम के 30 राउंड बरामद किए गए हैं।

भारत ने अफगानिस्तान को और दी 4.8 टन वैक्सीन

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने अफगानिस्तान के लोगों की सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई तत्काल अपील के मद्देनजर गुरुवार को 4.8 टन वैक्सीन की खेप भेजी है। विदेश मंत्रालय द्वारा यहां दी गई जानकारी के अनुसार इस खेप में रेबीज (कुत्तों के काटने से बचाव की वैक्सीन), टेटनस, हेपटाइटिस बी और इन्फ्लूएंजा की वैक्सीन शामिल है। गौरतलब है कि भारत अफगानिस्तान के लिए वैक्सीन की यह खेप उस समय भेज रहा है जब वहां के तालिबानी शासन ने जम्मू-कश्मीर में पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आंतकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। हमले में 27 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गये थे।

नड्डा ने की राष्ट्रीय खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को देश में विश्व टीकाकरण सप्ताह के पहले दिन 'राष्ट्रीय शून्य खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान 2025-26' की शुरुआत की।

इस अवसर पर श्री नड्डा ने कहा कि यह अभियान 2026 तक खसरा और रूबेला को खत्म करने के भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए बहुभाषी पोस्टर, रेडियो जिंगल, एमआर उन्मूलन और आधिकारिक यू-विन फिल्म जारी की।

सुप्रीम कोर्ट ने शिवराज और तन्खा से कहा, मानहानि मामला मिल-बैठकर निपटाएं

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन वरिष्ठ नेताओं और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा से कहा कि वे मानहानि मामले का मिल-बैठकर सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा करें।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने एक संक्षिप्त सुनवाई के दौरान उन नेताओं से कहा, कृपया हमें यह मामला सुनने के लिए मजबूर न करें। हम इसे बंद कर दें। आप दोनों एक साथ बैठकर इसे सुलझाएं।

पहलगाम हमले के बाद का आकलन

करगिल सरीखे लघु युद्ध हो सकते हैं सीमा पर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 24 अप्रैल। पहले पुलवामा हमला और अब पहलगाम नरसंहार। ऐसे में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की खातिर सजा और प्रतिकार के बतौर पर चाहे भारत पाकिस्तान पर हमला नहीं करेगा लेकिन इतना अब सुनिश्चित हो गया है कि सीमाओं पर करगिल सरीखे लघु युद्ध हो सकते हैं। ऐसा होने की संभावना इसलिए व्यक्त की जाने लगी है क्योंकि केंद्र की ओर से हरी झंडी मिलने के बाद भारतीय सेना हमले का जवाब देने की तैयारी में है। पहले ही पुलवामा हमले के बदले के तौर पर बालाकोट एयर स्ट्राइक पाकिस्तानी तैयारियों और भारत के गुस्से को वर्ष 2019 के फरवरी महीने में प्रदर्शित कर चुकी है।

रक्षाधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि केंद्र की ओर से इस संबंध में हरी झंडी मिल चुकी है। भारतीय सेना जवाबी कार्रवाई करने की तैयारी में जुटी है। सेना की नार्दन कमान में तैनात कई अफसर भी इस प्रकार के संकेत दे रहे हैं। पहले भी उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की जिम्मेदारी नार्दन कमांड को दी गई थी जिसने इसे बखूबी निभाया था।सीमांत मोर्चों से मिलने वाली जानकारियों के मुताबिक, भारतीय सेना पाकिस्तान को सजा देने के लिए कई विकल्पों की तैयारियों में जुटी है। मकसद पाकिस्तान को सजा देना है। जवाबी हमला करने के लिए फिलहाल कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। राजनीतिक तथा कूटनीतिक मोर्चों के अतिरिक्त सैनिक मोर्चों पर भी पाकिस्तान को पहलगाम हमले का जवाब देने की तैयारी जारी है। सैनिक मोर्चों पर जो भी सुझाव जवाब देने के लिए सुझाए जा रहे हैं उनका परिणाम अंत में भरपूर युद्ध के रूप में ही निकलता है।

उस कश्मीर में स्थित प्रशिक्षण केंद्रों को नष्ट करने के लिए सुझाए गए चार विकल्पों में से एक विकल्प जमीन से जमीन पर मार करने वाले ब्रह्मोस व पृथ्वी मिसाइलों के इस्तेमाल का भी है जो पूरी तरह से अमेरीका की तर्ज पर करने की बात कही जा रही है। ऐसी सलाह देने वालों का कहना है कि उस कश्मीर के भीतर स्थित प्रशिक्षण केंद्र अधिक गहराई में नहीं हैं और ब्रह्मोस व पृथ्वी जैसे मिसाइल उन पर पूरी तरह से अचूक निशाना लगाने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

तीन प्रकार के अन्य विकल्प भी सुझाए जा रहे हैं। इनमें एक भारतीय सेना को खुली छूट देने का है। अर्थात सर्जिकल स्ट्राइक की तरह भारतीय सेना एलओसी को पार कर 24 घंटों के भीतर आतंकी प्रशिक्षण केंद्रों को नष्ट कर वापस लौटे। यह कमांडो कार्रवाई होगी। जबकि सभी प्रशिक्षण केंद्र अभी भी एलओसी के पार पाक कब्जे वाले कश्मीर में ही हैं। पर पहली सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तानी सेना के चौकन्ना हो जाने के बाद इस विकल्प को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा है। सेना को बोफोर्स तोपों का खुल कर इस्तेमाल करने की इजाजत देने का विकल्प भी है। इसके अंतर्गत एलओसी से 18 से 20 किमी की दूरी पर स्थित कुछ प्रशिक्षण केंद्रों पर मोर्टार, बोफोर्स तोपों से हमला किया जाए। बोफोर्स तोप पहाड़ों में 28 से 30 किमी की दूरी तक मार कर सकती हैं। एलओसी पर बोफोर्स तोपों की तैनाती फिर से हो चुकी है।

इनके अतिरिक्त एक बार फिर भारतीय वायुसेना और ड्रोन हमलों का इस्तेमाल कर प्रशिक्षण केंद्रों को उड़ाने का विकल्प भी सैनिक कार्रवाई के तहत खुला है। प्रशिक्षण केंद्रों पर हवाई हमले किए जाने का जो विकल्प दिया गया है उसके अंतर्गत यह कहा जा रहा है कि राफेल, मिराज-2000 तथा सुखोई विमानों का इस्तेमाल किया जाए जो अचूक निशाना साधने तथा गहराई तक हमला करने में सक्षम माने जाते हैं।

हालांकि इसके लिए दोनों किस्म के विमानों को जम्मू कश्मीर के सभी सैनिक हवाई अड्डों का इस्तेमाल करना होगा। यह बात अलग है कि कल रात को सीसीएस की बैठक में जो फैसले लिए गए हैं उससे भारतीयों में अधिक खुशी की लहर इसलिए नहीं है क्योंकि सिंधु जल संधि समझौते को सिर्फ स्थगित किया गया है न कि उसे हमेशा के लिए खत्म किया गया है।

भारत सरकार के फरमान पर शुरू हुई कार्रवाई

वापस लौटे 104 पाकिस्तानी 29 भारतीय भी आए

अमृतसर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार द्वारा जारी आदेश के तहत पाकिस्तानी नागरिकों का वापस लौटना शुरू हो गया है। बृहस्पतिवार को अटारी बॉर्डर से 104 पाकिस्तानी नागरिक अपने मुल्क वापस लौट गए। वहीं 29 भारतीय नागरिक पाकिस्तान से भारत वापस आए हैं।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की ओर से पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के अंदर वापस जाने का आदेश दिया था। बृहस्पतिवार सुबह करीब आठ बजे से ही अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिक पहुंचने लगे। उन सभी नागरिकों के दस्तावेज चेक करने के बाद बीएसएफ अधिकारियों ने उन्हें बॉर्डर क्रॉस करवा दिया। शाम करीब पांच बजे तक 104 पाकिस्तानी नागरिक अपने देश लौट गए। इसी तरह 29 भारतीय पाकिस्तान से भारत लौटे।

सौर ऊर्जा से रौशनी के साथ रोजगार भी देगी योगी सरकार

2027 तक 30 हजार लोगों को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार सौर ऊर्जा के माध्यम से न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है, बल्कि युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार और कौशल विकास से भी जोड़ रही है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक राज्य में 30,000 युवाओं को सोलर एनर्जी सेक्टर में कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जाए। इस अभियान को गति देने के लिए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास प्राधिकरण (यूपीनेडा) राष्ट्रीय लघु उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय संस्थान और स्किल डेवलपमेंट मिनिस्ट्री भारत सरकार के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। इन संस्थानों के माध्यम से युवाओं को सोलर स्किल्स की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिससे वे आने वाले समय में आत्मनिर्भर बन सकें।

योगी सरकार का मानना है कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ती मांग से इंस्टॉलेशन टेक्नीशियन, सोलर पैनल मेंटेनेंस इंजीनियर, साइट सुपरवाइजर जैसे कई तकनीकी पदों पर युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। यूपीनेडा और राष्ट्रीय लघु उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय संस्थान और स्किल डेवलपमेंट मिनिस्ट्री ने सूर्य घर योजना के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से वेंडर्स को प्रशिक्षण प्रदान है। लगभग 1800 लोगों को इसके माध्यम से प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में सूर्य मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम, सौर शॉप्स योजना और सूर्य सखी योजना भी संचालित की जा रही है। इनके माध्यम से न सिर्फ युवाओं को बल्कि ग्रामीण महिलाओं को भी प्रशिक्षित कर रोजगार से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। इन सभी योजनाओं से योगी सरकार का लक्ष्य है कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को न केवल आत्मनिर्भर बनाया जाए, बल्कि महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से भी सशक्त किया जाए।

राज्य सरकार ने 2027 तक कुल 22,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन लक्ष्य तय किए गए हैं।

काशी का एक और थ्री-डी प्रतिरूप तैयार

काशी का दिखेगा कण-कण, विकास का जायजा लेना होगा आसान

वाराणसी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भगवान शिव के त्रिशूल पर बसी काशी का एक और प्रतिरूप दिखाई देगा। काशी के विकास, सुरक्षा और सुविधा के लिए देश में पहली बार किसी शहर का बड़े पैमाने पर थ्री-डी प्रतिरूप बनाया गया है। वर्चुअल काशी बनारस के सतत विकास की नई इबारत लिखेगी। इस तकनीक का नाम 3-डी अर्बन स्पेशल डिजिटल ट्विन है, जिससे गलियां, गंगा, मंदिर व प्रमुख स्थानों समेत पूरी काशी दिखेगी। थ्री-डी जीआईएस से काशी के विकास का खाका आसानी से खींचा जा सकेगा। शहर के विकास के लिए काम करने वाले सरकारी विभागों के एक क्लिक पर शहर का थ्री-डी मैप सामने होगा, जिससे विकास की योजना बनाना बेहद आसान होगा। सुरक्षा, सुविधा और नागरिकों का जीवन सुगम बनाने के लिए अर्बन जियो स्पेशल थ्रीडी ट्विन टेक्नॉलोजी मील का पत्थर साबित होगा। लगभग 6 करोड़ की लागत से हुए इस प्रोजेक्ट में 9 महीने का समय लगा है। योगी सरकार विभागों को इस तकनीक की ट्रेनिंग दे रही है, जिससे

इस टेक्नोलॉजी का प्रयोग जल्द शुरू हो सके।

काशी देश का पहला शहर बन गया है, जहां 160 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का थ्री-डी जीआईएस (360 डिग्री मैपिंग) की गई है। वाराणसी स्मार्ट सिटी के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. डी वासुदेवन ने बताया कि वाराणसी नगर निगम क्षेत्र का 3-डी अर्बन स्पेशियल डिजिटल ट्विन बनाए जाने का कार्य लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग (लिडार) तकनीक के माध्यम से किया गया है। इसमें लो फ्लाइंग एयरक्राफ्ट से हवाई सर्वे 23 घंटे से अधिक, सड़कों पर गाड़ियों से 1838 लाइन किलोमीटर और गलियों में बैकपैक वॉकर्स के जरिए 1055 लाइन किलोमीटर किया गया है। इसके अलावा ड्रोन का भी इस्तमाल किया गया है। इस आधुनिक तकनीक में काशी की धरोहर भी दिखेगी। इससे विकास की नई तस्वीर भी खींची जा सकेगी।

3-डी अर्बन स्पेशियल डिजिटल ट्विन से काशी की इंच-इंच का हिसाब रखेगा। इस तकनीक का ग्राउंड रिजोल्यूशन 4 सेंटीमीटर (4 सेमी के ऑब्जेक्ट देख सकते हैं)। गंगा में आने वाली बाढ़ के लेवल के मुताबिक पहले से ही 3-डी मैपिंग यह बता देगा कि बाढ़ से कौन-कौन से इलाके और इमारतें प्रभावित होंगी, जिससे प्रशासन पहले से ही सभी तैयारी कर लेगा। थ्री डी जीआईएस में गलियों से लगायत सड़कों और भवनों का सटीक माप है, जिससे विकास की योजनाओं से जुड़ा कोई भी विभाग इस 3-डी मैपिंग के जरिये किसी स्थान पर जगह की उपलब्धता, उपयोगिता कार्य की सुगमता आदि का आकलन कर सकता है। योजना के प्रोजेक्ट मैनेजर डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 3-डी मैपिंग को रियल टाइम रिस्पांस के लिए भी उपयोग में लाया जाएगा। इससे प्रमुख लोकेशन के कैमरे जोड़े जाएंगे, जिससे क्राउड मैनेजमेंट, क्राइम कंट्रोल ,जाम और यातायात की मौजूदा स्थिति का भी आकलन किया जा सकेगा। नगर निगम, वाराणसी विकास प्राधिकरण और अन्य विभागों की पहले से चल रही जीआईएस आधारित सुविधा से जोड़कर इसे और उपयोगी बनाया जाएगा। इससे वेस्ट मैनेजमेंट, सीवरेज, जल प्रबंधन आदि कार्यों में मदद मिलेगी।

पहलगाम में मारे गए युवक के परिवार से कानपुर में मिले सीएम योगी

आतंकियों और उनके आकाओं का करेंगे सफाया : योगी

शुभम द्विवेदी के पार्थिव शरीर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कानपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगाम आतंकी हमले का शिकार बने कानपुर के शुभम द्विवेदी का गुरुवार को ड्योढ़ी घाट पर हजारों लोगों की मौजूदगी में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कानपुर के लाल को अंतिम विदाई दी। परिवार को सांत्वना देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह शुभम के हाथीपुर (कानपुर) स्थित आवास पर पहुंचे और वहां उन्होंने शुभम के पार्थिव शरीर को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शुभम के पिता से बातचीत की और उनकी पत्नी से पूरी आपबीती सुनी। परिवार को ढांढस बंधाने के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पहलगाम में घटी आतंकी घटना क्रूर, वीभत्स और कायराना है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। उन्होंने परिवार समेत पूरे प्रदेश और देश के लोगों को भरोसा जताया कि यह सरकार आतंकी और उग्रवादी घटनाओं को जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य कर रही है और जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है पूरी शक्ति से आतंक के इन विषैले फनों को कुचला जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग इस साजिश का हिस्सा बने हैं, उन्हें परिणाम भुगतना होगा और आप सभी इसके साक्षी बनेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि हिंदू मां बहनों के साथ उनके सामने ही उनके सिंदूर के साथ जो बर्बरता की गई है, इसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को उसकी सजा जरूर मिलेगी। इसमें कोई संदेह किसी को नहीं होना चाहिए।

शुभम के परिजनों को सांत्वना देने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर जो आतंकी हमला हुआ है उसमें कानपुर का नौजवान शुभम द्विवेदी भी शिकार हुआ है। यह हमला एक क्रूर, वीभत्स, कायराना कृत्य है जिसकी भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर सभ्य समाज ने निंदा की है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। निर्दोष पर्यटकों पर उनकी जाति और धर्म पूछकर हमला किया गया और बहन बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा गया। यह कोई सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की आतंकवाद और उग्रवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की जो नीति रही है वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूत करेगी। इसके ताबूत पर अंतिम कील ठोकने की शुरुआत हो चुकी है।

प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में बुधवार को सीसीएस की बैठक में कड़े निर्णय लिए गए हैं। गृह मंत्री जी ने स्वयं उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां यह घटना घटी है। आगे की रणनीति के साथ ही आतंकवाद और उग्रवाद के खात्मे के लिए अब पूरा भारत आगे बढ़ा है। आतंकवाद और उग्रवाद के प्रति भारत की जो जीरो टॉलरेंस की नीति है, पूरे भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुभम द्विवेदी परिवार का एकमात्र पुत्र था। 2 महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। हम सभी दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हैं और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। इस घड़ी में पूरा देश इस अमानवीय और बर्बर कृत्य की निंदा करता है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार पूरे परिवार के साथ खड़ी है।

याद रखना यह डबल इंजन की सरकार है और यह सरकार किसी भी बर्बर और अमानवीय आतंकी घटना को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य करना जानती है। यह वो सरकार नहीं जो आतंकवादियों पर दायर मुकदमों को वापस लेती हो या वहां भी अपना वोट बैंक देखती हो।

मालूम हो कि शुभम का शव बुधवार रात को लखनऊ और फिर देर रात कानपुर पहुंचा। सीएम योगी के निर्देश पर शुभम का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान से किए जाने की व्यवस्था की गई। इस दुख की घड़ी में सीएम योगी भी परिवार के लोगों का दुख दर्द बांटने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शुभम के पिता और फिर पत्नी से बातचीत की और पूरी आपबीती सुनी। शुभम की दो महीने पहले ही शादी हुई थी। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, सांसद रमेश अवस्थी, मंत्री प्रतिभा शुक्ला समेत विधायक और अधिकारीगण मौजूद रहे।

गोरखपुर में बन रही है इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी

कूड़े से बनेगा चारकोल, वेस्ट मैनेजमेंट का केंद्र बनेगा गोरखपुर

गोरखपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप कचरा प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) में गोरखपुर को रोल मॉडल बनाने की तैयारी जोरों पर जारी है। इसका जिम्मा उठाया है गोरखपुर नगर निगम ने। योगी सरकार के निर्देश पर नगर निगम, सहजनवा के सुथनी में 40 एकड़ में इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी बना रहा है। इसके अंतर्गत पहले चरण में नगर निगम से एमओयू कर नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) ठोस घरेलू कचरे (सॉलिड डोमेस्टिक वेस्ट) से टॉरेफाइड चारकोल बनाने बनाएगा। एनटीपीसी ने कचरे से चारकोल प्रोडक्शन यूनिट लगाने का काम लगभग पूरा कर लिया है

और वर्तमान में मशीनों के ट्रायल का दौर जारी है।

देश में कूड़े से टॉरेफाइड चारकोल (हरित कोयला) बनाने का पहला प्लांट वाराणसी में लगा है अब दूसरा प्लांट गोरखपुर में लग रहा है। एनटीपीसी की तरफ से लगने वाले इस प्लांट के लिए नगर निगम ने अपने तरह के देश अनूठे प्रोजेक्ट इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी में 15 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है। एनटीपीसी ने वेस्ट टू चारकोल प्रोजेक्ट के लिए 255 करोड़ रुपये का निवेश किया है। प्लांट के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में नगर निगम और एनटीपीसी के बीच करार 15 अक्टूबर 2023 को हुआ था। अब इस प्लांट का फेज वन बनकर लगभग तैयार है।

नगर आयुक्त गौरव सिंह सो-गरवाल के अनुसार इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी सुथनी (सहजनवा) में एनटीपीसी का 500 टन प्रतिदिन की क्षमता के कचरे से चारकोल बनाने का प्लांट जल्द ही क्रियाशील हो जाएगा। एनटीपीसी को चारकोल बनाने के लिए जरूरी कचरा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी नगर निगम की होगी। इसमें कोई दिक्कत भी नहीं आएगी। कारण करीब 500 टन प्रतिदिन कचरे का उत्सर्जन अकेले नगर निगम क्षेत्र में है। इसमें से 200 टन गीला कचरा प्रस्तावित बायो सीएनजी प्लांट को एवं शेष सूखा कचरा चारकोल प्लांट को जाएगा। इसके साथ ही आसपास की नगरपालिका या नगर पंचायतों जैसे खलीलाबाद नगरपालिका, सहजनवा, घघसरा, उनवल, मगहर, बांसगांव आदि नगर पंचायतों से भी निकलने वाले कूड़े को प्लांट को उपलब्ध कराया जाएगा। एनटीपीसी के चारकोल प्लांट के लगने से नगर निगम पर 25 वर्षों में आने वाले संचालन एवं अनुरक्षण हेतु टिपिंग फीस पर करीब 650 करोड़ रुपए के वित्तीय व्यय भार की बचत होगी। प्लांट से निकलने वाले चारकोल को एनटीपीसी द्वारा समय समय पर अपने पॉवर प्लांट पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे स्टोरेज के लिए अधिक भूमि की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस बीच नगर निगम की तरफ से खतरनाक घरेलू कचरा (हजार्डस डोमेस्टिक वेस्ट) के निस्तारण के लिए 5 टन प्रतिदिन की क्षमता का प्लांट लगाने की भी प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए सिविल वर्क का कार्य जारी है। इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी में 10 एकड़ में बायो सीएनजी प्लांट भी स्थापित होना है। यहां लिक्विड वेस्ट की प्रोसेसिंग होगी। बायो सीएनजी प्लांट के लिए नगर निगम ने 10 एकड़ जमीन की व्यवस्था की है। नगर निगम गोरखपुर के इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी का प्रेजेंटेशन जर्मनी के बर्लिन शहर में इस माह के पहले सप्ताह में सर्कुलर इकोनॉमी की एक महत्वपूर्ण ग्लोबल बैठक में हो चुका है। इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल में गोरखपुर के नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल भी शामिल हुए थे। वेस्ट मैनेजमेंट के लिए एकीकृत व्यवस्था के इस मॉडल को वहां खूब सराहना मिली।

अवैध वायरलेस टेलीकॉम नेटवर्क का भंडाफोड़

लखनऊ/आजमगढ़, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

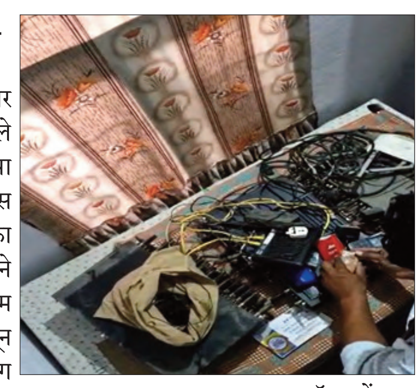

उत्तर प्रदेश के दूरसंचार विभाग ने आजमगढ़ जिले के कोटिला क्षेत्र में छापा मार कर अवैध वायरलेस टेलीकॉम नेटवर्क गिरोह का पर्दाफाश किया। विभाग ने यह छापामारी टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से की। इस कार्रवाई के दौरान अवैध वायरलेस टेलीकॉम नेटवर्क स्थापित करने के लिए उपयोग किए जा रहे उपकरण जब्त किए गए। जब्त उपकरणों में 4 सिम-बॉक्स, 3 मॉडेम, 269 अवैध रूप से खरीदे गए सिम कार्ड, 2 लैपटॉप और 2 एंड्रॉइड मोबाइल फोन शामिल हैं।

यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय कॉल्स को इंटरनेट के माध्यम से भारत में लाकर अंतरराष्ट्रीय लॉन्ग डिस्टेंस ऑपरेटर्स (आईएलडीओ) को बायपास करता था। इन कॉल्स में अंतरराष्ट्रीय नंबर की कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन (सीए-लआई) की जगह भारत में स्थित स्थानीय नंबरों के सीएलआई का उपयोग किया जाता था, जो दूरसंचार अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों का गंभीर उल्लंघन है।

उक्त प्रकरण में हसन अहमद और सहजाद नामक दो व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह छापेमारी दूरसंचार उपभोक्ताओं द्वारा टोल फ्री नंबर 1963/1800110420 अथवा संचार साथी पोर्टल और मोबाइल ऐप पर की गई रिपोर्टिंग के आधार पर की गई, जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय इनकमिंग कॉल्स में अंतरराष्ट्रीय सीएलआई की जगह लोकल सीएलआई प्राप्त होने की सूचना दी थी।

दूरसंचार विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें किसी कॉल में इस प्रकार की अनियमितता दिखाई दे तो वह तुरंत टोल फ्री नंबर 1963/1800110420 या संचार साथी पोर्टल अथवा मोबाइल ऐप के माध्यम से इसकी रिपोर्ट करें। इस प्रकार की सजग नागरिक भागीदारी से ही भारत को डिजिटल धोखाधड़ी और अवैध गतिविधियों से मुक्त किया जा सकता है।

शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ेगी यूपी सरकार

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

योगी सरकार अब अन्य पिछड़ा वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को तकनीकी रूप से और अधिक दक्ष बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। योगी सरकार द्वारा संचालित कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना में अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन तकनीक और साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक व रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम शामिल करने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग जल्द विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर बजट अनुमोदन की प्रक्रिया भी प्रारम्भ करेगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग युवाओं को आधुनिक तकनीकी व रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बदलते वैश्विक तकनीकी परिदृश्य के अनुरूप यदि युवाओं को प्रशिक्षित किया जाए तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकेंगे बल्कि स्टार्टअप, सुरक्षा, कृषि, शिक्षा और प्रशासनिक क्षेत्रों में नवाचार का हिस्सा भी बन सकेंगे। इन तकनीकों का प्रशिक्षण सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को भी मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक होगा।

पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांग सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि योगी सरकार हर वर्ग को साथ लेकर उनके सशक्तीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। उनके इसी प्रयास को गति देते हुए अब अन्य पिछड़े बेरोजार युवाओं को तकनीकी क्षेत्र में निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण में आधुनिक कोर्सेस जो जोड़ने जा रही है।

उन्होंने बताया कि सीएम योगी की मंशा है कि पारंपरिक कंप्यूटर कोर्सों के साथ-साथ युवाओं ऐसे कौशल भी सिखाए जाएं जो युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ सकें।

इसके साथ ही कंप्यूटर प्रशिक्षण के लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है, ताकि वास्तविक पात्र युवाओं को ही लाभ मिल सके। साथ ही, इस योजना के क्रियान्वयन की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए समयबद्ध मॉनिटरिंग और फीडबैक तंत्र को भी मजबूत किया जा रहा है। यह पहल न केवल प्रदेश के तकनीकी विकास को गति देगी बल्कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के अभियानों को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। विभाग ने बीते वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस योजना के तहत 29,769 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिसके लिए सरकार ने 32.92 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

राममंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कई और सुविधाएं

अयोध्या में बन रही आधुनिक ओपन सरफेस पार्किंग

मांझा जमथरा के समीप बन रही पार्किंग

अयोध्या, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अयोध्या में एक आधुनिक ओपन सरफेस पार्किंग के निर्माण का निर्णय लिया है। यह पार्किंग इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड के तहत बनाई जानी शुरू हो गई है। परियोजना की कुल लागत 16,557.74 लाख रुपए आंकी गई है। यह पार्किंग मांझा जमथरा के समीप सरकारी भूमि के 35 एकड़ क्षेत्र में विकसित होगी। परियोजना का निर्माण लोक निर्माण विभाग की सीडी-2 इकाई द्वारा कराया जाएगा। इसमें एक साथ 475 वाहनों को खड़ा करने की क्षमता होगी। यह सुविधा न केवल श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने में मदद करेगी, बल्कि

अयोध्या में यातायात प्रबंधन को भी सुगम बनाएगी। परियोजना में पांच मंजिला इमारत का निर्माण शामिल है, जिसमें दो डॉरमेट्री और 13 दुकानें भी होंगी। यह सुविधाएं श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए अतिरिक्त सुविधा प्रदान करेंगी।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। हर दिन लाखों लोग मंदिर दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जिसके कारण पार्किंग और यातायात व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस ओपन सरफेस पार्किंग के निर्माण से न केवल मंदिर के आसपास की अव्यवस्था कम होगी, बल्कि श्रद्धालुओं को अपने वाहन सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से पार्क करने की सुविधा मिलेगी। योगी सरकार का यह कदम अयोध्या को एक विश्वस्तरीय धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार ने पहले ही अयोध्या में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें सड़कें, पुल, होटल और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। इस पार्किंग परियोजना से स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि दुकानों और डोरमेट्री की सुविधा से पर्यटकों को ठहरने और खरीदारी की सुविधा मिलेगी।

इस पार्किंग में 475 वाहनों को एक साथ खड़ा करने की जगह होगी। इसमें छोटे और बड़े वाहनों के लिए अलग-अलग क्षेत्र निर्धारित किए जाएंगे। पांच मंजिला इमारत में पार्किंग के साथ-साथ दो डोरमेट्री होंगी, जो श्रद्धालुओं के लिए रुकने की सुविधा प्रदान करेंगी। तेरह दुकानों का निर्माण होगा, जहां स्थानीय उत्पादों, प्रसाद और अन्य वस्तुओं की बिक्री होगी। ईपीसी मोड के तहत यह परियोजना समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी होगी। ईपीसी मोड में निर्माण एजेंसी को डिजाइन, सामग्री की खरीद और निर्माण की पूरी जिम्मेदारी दी जाती है। इससे परियोजना की लागत और समय दोनों में पारदर्शिता बनी रहती है। लोक निर्माण विभाग की सीडी-2 के अधिशाषी अभियंता उमेश चंद्र ने बताया कि यह इकाई इस परियोजना को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस परियोजना से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। निर्माण कार्य के दौरान मजदूरों, इंजीनियरों और अन्य कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, दुकानों और डोरमेट्री के संचालन से स्थानीय व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं को लाभ होगा। परियोजना में पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। पार्किंग क्षेत्र में हरे-भरे, पौधे लगाए जाएंगे ताकि क्षेत्र की सुंदरता बनी रहे। साथ ही, सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा कर्मी और अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था होगी ताकि वाहनों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

ओपन सरफेस पार्किंग एक ऐसी पार्किंग सुविधा है, जो खुले मैदान या सतह पर बनाई जाती है। इसमें वाहनों को खड़ा करने के लिए बहुमंजिला ढांचे या भूमिगत संरचनाओं के बजाय सतह पर ही जगह आवंटित की जाती है। इस तरह की पार्किंग आमतौर पर कम लागत में तैयार होती है और इसे जल्दी बनाया जा सकता है।

संपादकीय

'मानवता का मसीहा' चला गया

ईसाई धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस, अंततः, यीशु मसीह के घर लौट गए। दुनिया के 1.2 अरब ईसाइयों के लिए यह शोकाकुल घड़ी है। जीवन और मौत नियति के अपरिहार्य फैसले हैं, लेकिन ऐसे धर्मगुरु की अंतिम विदाई भावुकता और करुणा से भर देती है, जो आजीवन परमाणु हथियारों और युद्धों का विरोध करते रहे। पोप ने परमाणु हथियार बनाने और उन्हें रखने को भी 'अनैतिक अपराध' करार दिया था। पोप फ्रांसिस ईसाई, रोमन कैथोलिक चर्च के ही धर्मगुरु नहीं थे, बल्कि दुनिया उन्हें 'ईश्वर का रूप' मानती थी। उन्हें 'यीशु मसीह' का ही प्रतिरूप माना गया। पोप हमेशा मानवीय, नागरिक, धार्मिक, वैचारिक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्षधर रहे और युद्धों को समाप्त करने की कोशिशें कीं। उन्होंने हमेशा मानवीय सहिष्णुता का पाठ पढ़ाया, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि ईसाई धर्म को मानने वाले राष्ट्राध्यक्ष भी युद्धों में संलिप्त हैं। कितनी हत्याएं की जा रही हैं, कितने घायल पीड़ा और दर्द में तड़प रहे हैं, कितने क्षेत्र खंडहर और मलबे में तबदील किए जा चुके हैं, उनकी संख्याएं गौरतलब नहीं हैं, लेकिन पोप के निधन का समाचार सुनकर उन हत्यारों और विध्वंसकों की आंखें भी डबडबाई होंगी! वे श्रद्धांजलि के तौर पर ही पुनर्विचार करें कि युद्ध क्यों लड़े जा रहे हैं? बहरहाल पोप अधिकतर यूरोप से ही आते रहे हैं। इटली का वर्चस्व रहा है। कैथोलिक चर्च के 266 पोप में से 217 पोप इटली की सरजमीं से ही आए हैं। दिवंगत 266वें पोप इस संदर्भ में अपवाद रहे। वह अर्जेन्टीना के निवासी थे। पोप जैसे सर्वोच्च पद तक पहुंचे और 12 लंबे सालों तक रोमन कैथोलिक चर्च का नेतृत्व किया। पोप सिर्फ धर्मगुरु ही नहीं होता, बल्कि वेटिकन सिटी का प्रशासनिक और कार्यकारी प्रमुख भी होता है। वहीं से फैसले और निर्देश जारी किए जाते रहे हैं, जिन्हें 1.2 अरब ईसाइयों ने हमेशा स्वीकार किया और उनका पालन भी करते रहे हैं। पोप फ्रांसिस भीतरी आत्मा से ही 'मानवतावादी' थे, लिहाजा उन्होंने 'मृत्यु दंड' का विरोध किया। उन्होंने चर्च के रुख में बदलाव करते हुए 'क्षमादान' पर बल दिया और मौत की सजा को हर हाल में अस्वीकार्य बताया था। पोप के विचार पुनर्विवाह, समलैंगिकता, गर्भनिरोधकों के इस्तेमाल, महिला मतदान पर प्रगतिशील और आधुनिक थे, लेकिन वह बड़े विवादों से हमेशा दूर रहे। पोप ने अप्रैल, 2014 में पहली बार चर्चों के भीतर बच्चों के साथ होने वाले यौन शोषण की घटनाओं को स्वीकार किया और सार्वजनिक तौर पर माफी भी मांगी। पादरियों की तरफ से किए जा रहे इस अपराध को उन्होंने नैतिक मूल्यों का पतन माना। बहरहाल भारत में हिंदू और इस्लाम धर्म के बाद ईसाई तीसरा सबसे बड़ा धर्म है। इसके अनुयायी आबादी का करीब 4.8 फीसदी हैं, फिर भी भारत में ईसाई 'अत्यंत अल्पसंख्यक' हैं, लिहाजा उन पर हमले भी किए जाते रहे हैं। वर्ष 2024 में 834 ऐसे हमले दर्ज किए गए। ईसाई धर्मावलंबी देश के पूर्वोत्तर राज्यों, दक्षिण भारत और गोवा में बसे हैं। सर्वाधिक ईसाई नागालैंड में हैं। पोप के निधन पर भारत ने भी तीन दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। गरीबों और हाशिए पर पड़े दबे-कुचले, वंचित लोगों के प्रति पोप की प्रतिबद्धता अलग ही किस्म की थी, लिहाजा उन्हें 'झुग्गियों के पोप' के उपनाम से भी जाना गया। वह यहूदियों को निशाना बनाने की कूटनीति के भी खिलाफ थे।

> दुनिया के 1.2 अरब ईसाइयों के लिए यह शोकाकुल घड़ी है। जीवन और मौत नियति के अपरिहार्य फैसले हैं, लेकिन ऐसे धर्मगुरु की अंतिम विदाई भावुकता और करुणा से भर देती है, जो आजीवन परमाणु हथियारों और युद्धों का विरोध करते रहे। पोप ने परमाणु हथियार बनाने और उन्हें रखने को भी 'अनैतिक अपराध' करार दिया था। पोप फ्रांसिस ईसाई, रोमन कैथोलिक चर्च के ही धर्मगुरु नहीं थे, बल्कि दुनिया उन्हें 'ईश्वर का रूप' मानती थी। उन्हें 'यीशु मसीह' का ही प्रतिरूप माना गया। पोप हमेशा मानवीय, नागरिक, धार्मिक, वैचारिक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्षधर रहे और युद्धों को समाप्त करने की कोशिशें कीं। उन्होंने हमेशा मानवीय सहिष्णुता का पाठ पढ़ाया, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि ईसाई धर्म को मानने वाले राष्ट्राध्यक्ष भी युद्धों में संलिप्त हैं। कितनी हत्याएं की जा रही हैं, कितने घायल पीड़ा और दर्द में तड़प रहे हैं, कितने क्षेत्र खंडहर और मलबे में तबदील किए जा चुके हैं, उनकी संख्याएं गौरतलब नहीं हैं, लेकिन पोप के निधन का समाचार सुनकर उन हत्यारों और विध्वंसकों की आंखें भी डबडबाई होंगी! वे श्रद्धांजलि के तौर पर ही पुनर्विचार करें कि युद्ध क्यों लड़े जा रहे हैं? बहरहाल पोप अधिकतर यूरोप से ही आते रहे हैं।

हमला इतना वीभत्स था कि उसने हर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख दिया

पहलगाम में मजहबी आतंक का सबसे बर्बर चेहरा

ललित गर्ग

> आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके गोलियां बरसाईं, उससे यही पता चलता है कि वे केवल खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। यह आतंकवाद एवं सांप्रदायिक घृणा का अब तक का सबसे घिनौना एवं बर्बर हमला एवं चेहरा है, जिसमें हिन्दू सुनकर चलाई गोलियां। जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा है।

जम्मू कश्मीर में स्थित पहलगाम, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से जाना जाता है, मंगलवार को एक भीषण, दर्दनाक एवं अमानवीय आतंकी हमले का गवाह बना, एक बार फिर जिहादी आतंक का घिनौना-बर्बर चेहरा दिखा। आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके गोलियां बरसाईं, उससे यही पता चलता है कि वे केवल खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। यह आतंकवाद एवं सांप्रदायिक घृणा का अब तक का सबसे घिनौना एवं बर्बर हमला एवं चेहरा है, जिसमें हिन्दू सुनकर चलाई गोलियां। जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा है। इस जघन्य एवं त्रासद घटना में निर्दोष पर्यटकों को तब मौत की गहरी नींद सुलाया गया, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं और भारतीय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में। इस हमले ने यह प्रकट किया कि कश्मीर में बचे-खुचे आतंकी किसी भी सीमा तक गिरने पर आमादा हैं। आतंकियों ने उन पर्यटकों को निशाना बनाया, जो कश्मीरियों की रोजी-रोटी को ही सहारा देने कश्मीर गए थे। यह हमला इतना वीभत्स था कि उसने हर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों ने नृशंसता की सारी सीमाएं पार करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 28 पर्यटक, जिनमें दो विदेश नागरिक भी थे, की दर्दनाक मौत हो गई। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने ली है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हमलावरों ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग से होते हुए किश्तवाड़ के रास्ते बैसरन तक पहुंच बनाई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब बैसरन के घास के मैदान और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती कर रहे थे, कुछ खच्चरों की सवारी का आनंद ले रहे थे तो कुछ परिवार पिकनिक मना रहे थे। तभी घात लगाए बैठे आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के लिये सीधे तौर पर पाकिस्तान जिम्मेदार है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने किसी जिहादी की तरह हिंदुओं और भारत के खिलाफ अपनी घृणा का भद्दा प्रदर्शन किया था। अबू मूसा का वह भाषण और उसके तुरंत बाद हुआ पहलगाम नरसंहर दर्शाता है कि पीओके में बैठे आतंकी सरगना न केवल भारत विरोधी जहरीला प्रचार फैला रहे हैं, बल्कि

कश्मीर घाटी की शांति, विकास एवं सौहार्द को बाधित करने की हर कोशिश को सफल बनाने में जुटे हैं। वे आगामी समय में घाटी को फिर से अशांत करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। इस भीषण आतंकी हमले के बाद घाटी में पर्यटन संबंधी कारोबार करीब-करीब ठप पड़ना तय है। आखिर इतनी भयावह घटना के बाद कौन पर्यटक कश्मीर की ओर रुख करेगा? लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर पहलगाव में आतंकियों ने पूरे देश में आक्रोश की लहर पैदा करने वाली घटना को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पहली बार कश्मीर में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों और उनके समर्थकों को करारा जवाब दिया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। पहलगाम में आतंकी हमले की गंभीरता इससे प्रकट होती है कि जहां गृहमंत्री अमित शाह आनन-फानन श्रीनगर के लिए रवाना हुए, वहीं सऊदी अरब गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा बीच में छोड़कर दिल्ली आ गये। दिल्ली आते ही एयरपोर्ट पर ही एक मीटिंग की, जिसमें अजित डोभाल से गंभीर मंत्रणा के बाद इस आतंकवादी घटना के खिलाफ एक्शन लेना प्रारंभ कर दिया। मोदी एवं शाह के एक्शन से उम्मीद बंधी है कि इस बार कुछ निर्णायक होगा। पहलगाम की सुंदर घाटी को रक्त रंजित करने के लिये आतंकवाद का जिन्न भले ही निकल आया हो, लेकिन इस बार निर्दोष एवं बेकसूर लोगों का रक्त व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। यह हमला पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है, उसी के इशारे पर किया गया। यह मानने के पुख्ता एवं पुष्ट कारण हैं कि पाकिस्तान सुलगते बलूचिस्तान से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है और उसे यह रास नहीं आ रहा कि कश्मीर में स्थितियां तेजी से सामान्य होती जा रही हैं। भारत को पाकिस्तान के शैतानी इरादों के प्रति और अधिक सतर्क रहना चाहिए था। वह न पहले भरोसे लायक था और न अब। अब आतंकियों को शह और सहयोग देने वाले पाकिस्तान को निर्णायक रूप से सबक सिखाया जाना ज्यादा जरूरी हो गया है। तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत बनी है, जिससे भी पाकिस्तान भयभीत बना। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। पहलगाम की ताजा घटना हो या बार-बार होने वाली आतंकी घटनाएं तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इन हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश एवं दुनिया के सामने आने का डर पाकिस्तान को सता रहा था, तभी उसने इस पहलगाम की घटना को अंजाम दिया। लेकिन अब हद हो गयी। अब एक साथ कई मोर्चें पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू करना होगा। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने में भारत का साथ देने का संकल्प एकबार फिर दोहराया है, इसी तरह रूस भी भारत के साथ है। अनेक देशों ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर तरह से सहयोग का वादा किया है। अब समय आ गया है पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाने एवं उसके विध्वसंक एवं विनाशकारी मनसूंबों को नेस्तनाबूंद करने का। तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है, यही पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। कश्मीर सहित समूची दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने का नेतृत्व करके मोदी एक और करिश्मा घटित करने को तत्पर होना भी पाकिस्तान के लिये बड़ी चुनौती बना है, पहलगाव जैसी घटनाएं उनके इरादों को कमजोर नहीं, बल्कि बलशाली ही बनाती है।

दृष्टि कोण

जन सरोकारों की प्रतिबद्धता हो शासन का लक्ष्य

मेरे अनुभव के मुताबिक बढ़िया शासन के लिए पैसे की ज़रूरत नहीं होती। इसके लिए फ़ील्ड और मुख्यालय में प्रभावशाली और ईमानदार अधिकारियों की ज़रूरत होती है। ऐसे लोग होते हैं, लेकिन उन्हें अवसर नहीं दिया जाता और धीरे-धीरे शीर्ष पर बैठे लोगों की हर कही बात को मान जाने वाले अफसर उनकी आंख के तारे बन जाते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ़ मेरी एकमात्र शिकायत यह है कि वे खुलकर अपना अधिकार इस्तेमाल नहीं करते, काम की निगरानी नहीं करते, जितना व्यावहारिक दृष्टिकोण होना चाहिए, उतना रखते नहीं। शासन चलाना कोई एक दिन का मामला नहीं है, न ही यह कोई क्षणिक काम है, यह कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं है, यह कोई बहुत बड़ा विज्ञापन नहीं है, यह केवल विज्ञापनों के माध्यम से तमाम त्योहार मनाना नहीं है। यह दिन-प्रतिदिन की मेहनत है, यह दिन-रात किए जाने वाला थकाऊ काम है। इसके तहत आपको सौंपा गया काम करना है और इसे आपने उपलब्ध साधनों से पूरा करना है। यह सुनिश्चित करना कि लोगों को (जिनके कामों के लिए हम बने हैं) सुनवाई के लिए एक जगह से दूसरी जगह न भटकना पड़े। यह सुनिश्चित करना कि फाइलें बिना किसी रिश्वत के खुद-ब-खुद आगे बढ़ें। ऐसा करने की कोशिश करें और लोगों के चेहरों पर संतुष्टि पाएं (हालांकि उन्हें उनका हक देकर आप उन पर अहसान नहीं करेंगे) – हां आपने उन्हें 'न्याय और विकास' जरूर दे दिया। वे इलाके से आपके जाने के बाद भी लंबे समय तक आपको याद रखेंगे, लेकिन अधिकांशतः आपका काम गुमनाम और दिखने में सामान्य ही होगा, जैसे किसी सुचारू मशीन के कलपुर्जे... मर्सिडीज़ चलाते समय उसका इंजन नहीं दिखता, लेकिन इसको चलाने या सफर का अहसास शानदार होता है। तथ्यों-नियमों के अनुसार न्याय करें और विकास

परियोजनाओं को नियमानुसार समय पर पूरा करने में मदद करें। कई अवसरों पर आपकी नौकरी आपको उन परियोजनाओं या घटनाओं का हिस्सा बनने और उनमें योगदान देने का मौका देती है, जो इतिहास में दर्ज हो जाते हैं। ऐसे कई नाम हैं जो हमारी आज़ादी के शुरुआती सालों का हिस्सा थे : होमी जहांगीर भाभा को हमेशा 'भारतीय परमाणु कार्यक्रम के पितामह' के रूप में याद किया जाता है, पाकिस्तान से आए लाखों शरणार्थियों के पुनर्वास का श्रेय डॉ. एमएस रंधावा (पुनर्वास महानिदेशक) को जाता है जिन्होंने आगे हरित क्रांति और चंडीगढ़ के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ को भारतीय सशस्त्र बलों और 1971 की जीत में उनके अपार योगदान के लिए याद करते हैं। कदाचित् ये स्वतंत्र भारत के इतिहास के कद्दावर उदाहरण हैं, लेकिन ये ऐसी मिसालें हैं जिन्होंने हमारे प्रारंभिक वर्षों में हमें प्रेरित किया, और वे अकेले नहीं थे। उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों के काबिल और काफी प्रेरित अधिकारियों एवं टीम का साथ प्राप्त था। बिना कोई सुरक्षा कवच प्राप्त मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी के नेतृत्व में पंजाब रेजिमेंट की 23वीं बटालियन की 'ए' कंपनी ने अत्यंत भारी पाकिस्तानी हमले (दो टैंक रेजिमेंट) के बावजूद जिस तरह रातभर डटे रहकर लोंगेवाला चौकी को बचाए रखा, उसे सदा भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और व्यावसायिकता के लिए याद रखा जाएगा। जब मैं पुलिस सेवा में आया तो प्रशासनिक कार्यों में दौरे और नियमित निरीक्षण करना काम का एक अहम हिस्सा थे। तब अधिकारी बहुत छोटी टीमों के साथ काम किया करते थे और बहुत कम या लगभग नगण्य तकनीक उपलब्ध होने के बावजूद बहुत बड़े भौगोलिक क्षेत्र का प्रशासन संभाल लिया करते थे। जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित थी और जवाबदेही भी एक तय चीज़ थी।

कुछ अलग

छात्रों में तनाव कैसे रोकें

माता पिता अपने अधूरे सपने बच्चों से पूर्ण करवाना चाहते हैं। समाज में बाकी सबके बच्चों से ज्यादा होशियार अपना बच्चा होना चाहिए, ऐसी जिद्द करते हैं और ऐसा करने के पीछे बेहिसाब खर्च करते हैं, लेकिन अपने बच्चे की क्षमता और उसकी रुचि की तरफ ध्यान ही नहीं देते। सख्ती पहले भी होती थी, लेकिन वह व्यवहार को नियंत्रित करने का प्रयास रहता था। शिक्षा के लिए सख्ती कम रहती थी। इनसान बेहतर हो, व्यवहार बेहतर हो, मूल्यों के लिए सख्ती अपनी सीमाएं लांघ जाती थी। यह शारीरिक दंड के रूप में प्रचलित थी। अपशब्दों के प्रयोग के रूप में भी अपनाई गई थी। तनाव का एक निश्चित स्तर सामान्य है। स्कूल बदलने और नए दोस्तों से मिलने जैसी घटनाओं से सकारात्मक तनाव प्रतिक्रियाएं वास्तव में छात्रों को सीखने और बढने में मदद कर सकती हैं। लेकिन जब भावनाओं को प्रबंधित करने के उपकरणों के बिना बार-बार तनावपूर्ण घटनाओं का सामना करना पड़ता है, तो तनाव भावनात्मक और शारीरिक रूप से विषाक्त हो सकता है। यह मार्गदर्शिका प्राथमिक विद्यालय से लेकर कॉलेज तक के छात्रों में तनाव के लक्षणों की व्याख्या करती है। एक विद्यार्थी का जीवन तनावपूर्ण हो सकता है। होमवर्क, सामाजिक जीवन, माता-पिता का दबाव, विश्वविद्यालय के आवेदन और कभी न खत्म होने वाले कार्यभार जैसे कारक तनाव उत्पन्न करते हैं। हालांकि शोध से पता चलता है कि मध्यम मात्रा में तनाव फायदेमंद हो सकता है और छात्रों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरक के रूप में कार्य कर सकता है, लेकिन बहुत अधिक तनाव उनके समग्र कल्याण को प्रभावित कर सकता है। स्कूलों में रोजमर्रा के तनाव को प्रबंधित करने के लिए छह युक्तियां हैं। एक, अपनी मानसिकता बदलें : आपको जो काम करने की जरूरत है, उस पर नकारात्मक दृष्टिकोण रखने के बजाय, उन्हें सीखने और सुधार करने के अवसर के रूप में मानें। हां, कुछ कार्य उबाऊ या बोझिल हो सकते हैं और हम आपसे आपके सामने आने वाले तनाव को कम करने के लिए नहीं कह रहे हैं। यह कठिन परिस्थितियों के बारे में आपकी धारणा को बदलने और उन सभी चीजों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में है, जो गलत हो सकती हैं। दो, व्यायाम : व्यायाम तनाव के स्तर को कम करने का एक प्रभावी तरीका है। शारीरिक गतिविधि एंडोर्फिन-न्यूरोट्रांसमीटर पैदा करती है जो शरीर में दर्द और तनाव से राहत दिलाती है। शोध से पता चलता है कि व्यायाम तनाव के नकारात्मक प्रभावों जैसे एकाग्रता और थकान का प्रतिकार कर सकता है। तीन, टालना बंद करें : अपने तनाव के स्तर को कम करने के लिए, आपको काम को टालना बंद करना होगा। 50 फीसदी छात्र समस्याग्रस्त विलंब व्यवहार में संलग्न होने की रिपोर्ट करते हैं जो उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को बाधित करते हैं। कार्यों को उनकी समय सीमा से पहले पूरा करके, आप अपने सामने आने वाली तनावपूर्ण स्थितियों को नियंत्रित और सीमित कर सकते हैं। चार, नींद की दिनचर्या विकसित करें : नींद और मूड साथ-साथ चलते हैं। इसलिए जब हम थके हुए होते हैं, तो हम अपने परिवेश को अधिक नकारात्मक रूप से देख सकते हैं। जो छात्र नियमित रूप से बेहतर नींद की गुणवत्ता की रिपोर्ट करते हैं, उनका शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर पाया गया है। सोने का एक नियमित समय निर्धारित करें। पांच, संवाद करें : यदि आप तनाव महसूस कर रहे हैं, तो अपनों से बात करें। छह, समय प्रबंधन : छात्रों को समय का बेहतर प्रबंधन भी सीखना होगा।

देश दुनिया से

नायकों की पुनर्स्थापना की आवश्यकता

हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि- हमारे राष्ट्रीय नायक महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज हैं, मुगल शासक औरंगजेब नहीं। यह हमारा नैतिक दायित्व है कि इतिहास में हुए अन्याय को हम खारिज करें। साथ ही देश के युवाओं को बताएं कि महाराणा प्रताप और शिवाजी महाराज केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है बल्कि वह हमारी प्रेरणा के जीवंत स्रोत हैं। नायकों के संबंध में रक्षा मंत्री जी का यह वक्तव्य निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। ध्यान रहे आज भारत विश्व की सर्वाधिक युवा आबादी वाला देश है। अनेक युवा पान, बीड़ी, गुटखा के विज्ञापन करने वाले फिल्मी सितारों को अपना नायक मानते हैं। हमें समझना होगा कि ऐसे लोग हमारे नायक नहीं हो सकते। हमारे नायक तो वीरता,बलिदान, त्याग, समर्पण और परोपकार हेतु जीवन समर्पित करने वाले ही हो सकते हैं। क्या आज जन मन में भिन्न-भिन्न तरीके से ऐसे नायकों की पुनर्स्थापना करने की आवश्यकता नहीं है? नायक किसी भी व्यक्ति, समाज अथवा राष्ट्र के लिए जहां एक ओर वैचारिकी के निर्माण में योगदान करते हैं वहीं दूसरी ओर उन्हें आत्मबल भी प्रदान करते हैं। छोटा बालक आरंभ से ही अपने घर,परिवार, समाज और फिर विद्यालय में अपने रोल माडल यानी आदर्श अथवा नायकत्व की परिकल्पना करता है। कभी वह माता-पिता जैसा बनना चाहता है तो कभी अपने शिक्षक जैसा। जैसे-जैसे बाहरी दुनिया से उसका परिचय होता है तो वह किसी पुस्तक में पढ़े अथवा फिल्म और टेलीविजन की दुनिया से जुड़े व्यक्तित्व को प्रतिमान मानकर चलता दिखाई देता है। यह विडंबना ही कही जा सकती है कि स्वतंत्रता के बाद साहित्य व इतिहास लेखकों एवं नेतृत्व के शीर्ष पर बैठे नीति निर्धारकों ने उन आदर्शों व नायकों की उपेक्षा कर दी जो भारतवर्ष की ज्ञान परंपरा, बलिदान परंपरा एवं निर्माण परंपरा के मूल थे। इसके अतिरिक्त आर्य बाहर से आए, राम और रामायण में वर्णित कथा काल्पनिक है, मुगल शासकों ने भारतीय समाज और संस्कृति को समृद्ध किया, अंग्रेजों और अंग्रेजी के कारण भारत सभ्य हुआ आदि भ्रांतियां सुनियोजित ढंग से फैलाई गई। क्या यह सत्य नहीं है कि महाराणा प्रताप, शिवाजी, पृथ्वीराज चौहान, संभा जी, बिरसा मुंडा, चंद्रशेखर आजाद एवं भगत सिंह जैसे हजारों नायक आज स्मृति से बाहर होते जा रहे हैं? यजुर्वेद में लिखा है- वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः अर्थात हम पुरोहित (पुर का, नगर का हित करने वाले) अपने राष्ट्र को सदैव जीवंत और जागृत बनाए रखेंगे। यदि पाठ्यक्रमों के जरिए यह भाव प्रत्येक नागरिक में भर दिया जाता तो आज न तो भारत के टुकड़े करने वाली और न ही छत्रपति शिवाजी जैसे नायकों का अपमान करने वाली मानसिकता पनपती। सर्वविदित है कि औरंगजेब इतिहास का खलनायक है. ऐसे खलनायकों का महिमामंडन मानसिक विकृति है जो वैमनस्य बढाती है। इसके लिए कठोर दंड का प्रावधान क्यों नहीं होना चाहिए? विचार करने पर हम पाते हैं कि भारतवर्ष में गौतम, वशिष्ठ, मनु, याज्ञवल्क्य, वाल्मीकि व वेदव्यास जैसे अनेक ऋषि हुए। पृथु, पूरु, भरत व रघु जैसे अनेक लोकनायक हुए। शिबि, हरिश्चंद्र एवं दधीचि जैसे परमार्थी और दानी हुए। प्रहलाद, ध्रुव, लव,कुश तथा अभिमन्यु जैसे

वीर बालक इसी भारतभूमि पर हुए तो अदिति, शची, कात्यायनी, अरुंधती, घोषा, अपाला, गार्गी, मैत्रयी व लोपामुद्रा जैसी अनेक विदुषियां भी हुई। क्या वीरांगना कर्मादेवी, ताराबाई,दुर्गावती, रूपाली, कलावती एवं लक्ष्मीबाई आदि हमारे गौरव नहीं हैं? क्या छत्रपति शिवाजी, छत्रसाल, पृथ्वीराज चौहान, सुभाष चंद्र बोस, शहीद भगत सिंह, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद व अशफाक उल्ला खां जैसे वीर और बलिदानी हमारे नायक नहीं होने चाहिए? क्या हमारे देश में नायकों की कमी है? नायकों की इस विराट परंपरा का युवा पीढ़ी से परिचय करवाना किसका दायित्व था? अकबर द ग्रेट, औरंगजेब के शासन-प्रशासन की विशेषताएं और ब्रिटेन को ग्रेट बताने और इतिहास में पढ़ाए जाने के कारण क्या रहे, इसकी भी पड़ताल होनी चाहिए? क्या आक्रांता, लुटेरे, अत्याचारी एवं शोषक हमारे नायक हो सकते हैं? यदि नहीं तो फिर उनका महिमामंडन क्यों? इसके मूल में निहित तुष्टिकरण के खेल एवं राजनीतिक स्वार्थपूर्ति की मानसिकता को भी समझने की आवश्यकता है। क्या मुगलों के अत्याचारों के विरुद्ध लड़ने वाले और धर्म के लिए बलिदान होने वाले गुरु तेगबहादुर व गुरु गोविंद सिंह जैसे व्यक्तित्व हमारे नायक नहीं होने चाहिए? क्या बाल्यावस्था में ही धर्म के लिए बलिदान देने वाले साहिबजादे युवा भारत के नायक नहीं होने चाहिए? विगत वर्षों में द लेजेंड आफ भगत सिंह, बाजीराव मस्तानी, पद्मावत, मणिकर्णिका-झांसी की रानी और हाल ही में आई छावा जैसी फिल्में व कुछ धारावाहिक महत्वपूर्ण हैं जो इतिहास के सत्य के साथ-साथ अतीत गौरव व नायकों की पुनर्स्थापना करते हैं। ध्यान रहे आधुनिक भारत का निर्माण किसी व्यक्ति ने नहीं किया है अपितु इसकी नींव में भारत की विराट ज्ञान परंपरा,संघर्ष, बलिदान एवं उत्कृष्ट विचारों की लंबी श्रंखला है। यह देश राम, कृष्ण, बुद्ध और शक्ति का उपासक रहा है। ये वे शक्तियां हैं जिन्होंने धर्म की रक्षा और स्थापना के लिए मानव रूप में अवतार लेकर अनेक प्रकार के संघर्षों से गुजरते हुए मानवता की रक्षा और धर्म की स्थापना की। इनका व्यक्तित्व-कृतित्व जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हमारे लिए प्रेरक एवं मार्गदर्शी है, क्या राम,कृष्ण और बुद्ध हमारे नायक नहीं होने चाहिए? स्वामी विवेकानंद की आत्मकथा में लिखा है- भारत दीर्घकाल से यंत्रणा सहता आया है। सनातन धर्म पर काफी अरसे से अत्याचार हुआ है...केवल श्री राम, कृष्ण देव के चरण तले बैठकर शिक्षा ग्रहण करने से ही भारत का उत्थान होगा। उनके जीवन, उनके उपदेशों का चारों तरफ प्रचार करना होगा। ध्यान रहे वर्तमान समय भारतवर्ष के सुदृढ़ बनने का है। ऐसे में अपने अतीत की गौरवशाली परंपरा और नायकों को एक स्पष्ट एवं आत्म विवेकी दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक परंपरा बहुत प्रखर एवं सशक्त है। इतिहास के विकृत अथवा कल्पित रूप को पढ़ने-पढ़ाने के स्थान पर यह आवश्यक है कि पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों में व्यापक बदलाव किए जाएं जिससे सत्य सामने आए। उन नायकों की पुनर्स्थापना हो जिन्हें पढ़- समझकर भारतवर्ष का जन-जन गौरव की अनुभूति कर सके। विकसित भारत के बड़े और नए संकल्पों में अमीर-गरीब, शिक्षित-अशिक्षित एवं अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का भी योगदान है।

आप का नजरिया

बिजली का खेल

सही मायनों में हमें हर किसी मुफ्त चीज की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यही सिद्धांत किसी देश व राज्य की अर्थव्यवस्था पर भी लागू होता है। लोकलुभावन राजनीति के चलते वोट जुटाने के लिये जिन मुफ्त की योजनाओं को पंजाब में लागू किया गया, उसने राज्य की तरक्की की गति को कुंद ही बना दिया है। वैसे भी देखा जाए तो किसानों को लुभाने के लिये पंजाब में जो मुफ्त बिजली का खेल खेला गया था, वह कृषि के विकास में सहायक साबित नहीं हो रहा है। सही मायनों में यह लोकलुभावन दांव जड़ता का प्रतीक बनकर रह गया है। वर्ष 1997 में छोटे किसानों के लिये लिए शुरू किया गया बिजली सब्सिडी खेल, महज वोट बटोरने का साधन बनकर रह गया है। सच बात तो यह है कि कोई भी राजनीतिक दल ऐसी मुफ्त की सुविधाओं को, वोट कटने की आशंका के चलते बंद करने का जोखिम भी नहीं उठाता। यह विडंबना ही है कि जिस धन को कृषि की तरक्की, ऊर्जा के बेहतर उपयोग तथा सार्वजनिक जवाबदेही से जुड़े संरचनात्मक विकास के लिये खर्च किया जाना चाहिए था, उसे सब्सिडी के रूप में व्यय किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि यह सब्सिडी राज्य की वित्तीय सेहत के लिये घातक साबित हो रही है। विडंबना यह है कि इस वित्तीय वर्ष में बिजली सब्सिडी पर होने वाला व्यय करीब साढ़े बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक होने वाला है। चिंता की बात यह भी है कि यह धनराशि पंजाब के पूरे बजट का दस फीसदी के करीब बैठती है। इस सब्सिडी की राशि में से दस हजार करोड़ रुपये कृषि क्षेत्र के लिये और सात हजार छह सौ करोड़ रुपये घरेलू उपयोगकर्ताओं के लिये निर्धारित हैं। आश्चर्य की बात यह है कि लोगों को लुभाने के लिये दी जा रही सब्सिडी की यह राशि अब राज्य के राजस्व घाटे के बराबर हो गई है। इसके बावजूद यह स्थिति यदि राज्य के नीति-नियंताओं को विचलित नहीं करती है, तो इसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विडंबना यह है कि राज्य में मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का काम सभी राजनीतिक दलों की सरकारों ने पार्टी लाइन से हटकर हर दौर में किया। घाटे की अर्थव्यवस्था को प्रश्रय देने वाली इस नीति को न केवल जारी रखा, बल्कि इसे प्रोत्साहित भी किया। वे मुखर कृषि लॉबी के दबाव में लगातार झुकते रहे। राजनेता दूरगामी व समग्र सुधार के बजाय मुफ्त में पैसे बांटकर चुनावी लाभ हासिल करने की होड़ में जुटे रहे। वहीं आप सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं के लिये तीन सौ यूनिट तक की बिजली मुफ्त करने से सब्सिडी का संकट और गहरा ही हुआ है। करीब नब्बे प्रतिशत तक परिवारों का बिजली बिल शून्य है। ऐसे में बिजली बचत या उपयोग की गई बिजली का भुगतान करने को प्रोत्साहन लगभग समाप्त हो गया है। अब तो पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने की स्थिति में भी नहीं है। इतना ही नहीं पीएसपीसीएल दो हजार करोड़ रुपये की वार्षिक बिजली चोरी की चुनौती से भी जूझ रहा है। सरकार द्वारा दिए गए करीब चार हजार करोड़ रुपये के बेलआउट के बावजूद पीएसपीसीएल भारी घाटे में चल रहा है।

नेपाल में ओली का विरोध करने वाले ऊर्जा राज्य मंत्री बर्खास्त, नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति

काठमांडू,24 अप्रैल (एजेंसियां)।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने एक निर्णय का विरोध करने वाले ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग को पद से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही हाल ही में शिक्षा मंत्री विद्या भट्टराई के इस्तीफे को मंजूर करते हुए उनके स्थान पर रघुजी पंत को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन से तमांग को पदमुक्त किए जाने की जानकारी गुरुवार को दी गई है।

प्रधानमंत्री ओली ने बुधवार देर शाम ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग को पद से बर्खास्त करने की राष्ट्रपति से सिफारिश की थी। ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग प्रधानमंत्री की कार्यशैली का खुलकर विरोध करते आ रहे थे। कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में ऊर्जा राज्य मंत्री ने सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री ओली की कार्यशैली की आलोचना करते हुए उनके फैसलों का विरोध किया था। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग को पद से बर्खास्त करने के सरकार के फैसले का ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग ने विरोध किया था। उन्होंने न सिर्फ कैबिनेट बैठक में बल्कि पत्रकार सम्मेलन कर ही प्रधानमंत्री पर गलत कदम उठाने का आरोप लगाया।

तमांग की बर्खास्तगी ऐसे समय हुई है, जब नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष सिंगापुर के भ्रमण पर है तथा उनकी पत्नी और नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा बैंकाक के दौरे पर हैं। ओली के इस फैसले का कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया है।

अपनी बर्खास्तगी की खबर के बाद तमांग ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली भ्रष्टाचारियों का संरक्षण करते हैं और अच्छा काम करने वाले सरकारी अधिकारियों को पद से हटाते रहते हैं। उन्होंने ओली पर गठबंधन धर्म का पालन नहीं करने और अपनी मनमानी चलाने का भी आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री ने शिक्षा मंत्री के पद पर अपनी पार्टी के सांसद रघुजी पंत को नियुक्त किया है। दो दिन पहले ही शिक्षा मंत्री विद्या भट्टराई ने प्रधानमंत्री के साथ अनबन के कारण पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को उनका इस्तीफा मंजूर करते हुए पंत को भट्टराई के स्थान पर नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन से जारी बयान में कहा गया है कि रघुजी पंत को शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। उनका शपथग्रहण नवनियुक्त शिक्षा मंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती 23 दिनों से चले आ रहे शिक्षक आंदोलन को खत्म करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में विस्फोट, तीन पुलिसकर्मी घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मारवत जिले के दर्रा पेजू इलाके में हुए विस्फोट में कम से कम तीन यातायात पुलिसकर्मी घायल हो गए। शुरुआती सूचना के अनुसार, विस्फोट के बाद यातायात पुलिस के वाहन में आग लग गई। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। घायलों में मोबाइल वैन प्रभारी इमरान भी शामिल हैं। खबर के अनुसार, घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर गुनहगारों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस ने कहा कि इससे एक दिन पहले आतंकवादियों ने करम ब्रिज के पास एक वन्यजीव पार्क की इमारत पर विस्फोट किया। इससे वन्यजीव पार्क का कार्यालय क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नेपाली युवक की पार्थिव देह को स्वदेश पहुंचाया गया

काठमांडू। भारत के जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकी हमले में मारे गए नेपाली युवक सुदीप न्यौपाने का शव स्वदेश पहुंच गया। सुदीप परिवार के साथ कश्मीर घूमने गए थे।सुदीप न्यौपाने के पार्थिव शरीर को बेलहिया नाका से नेपाल लाया गया। कश्मीर से उनके पार्थिव शरीर को पहले दिल्ली फिर विमान के जरिए लखनऊ होते हुए सड़क मार्ग से नेपाल की सीमा तक पहुंचाया गया। भारतीय अधिकारियों ने सुदीप न्यौपाने के पार्थिव शरीर को सीमा नाका पर मौजूद नेपाली अधिकारियों को सौंपा।रूपंदेही के एसपी सोमेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि दिवंगत सुदीप न्यौपाने के पार्थिव शरीर को लेकर उनके बुटवल स्थित घर तक पहुंचा दिया गया है। 27 वर्षीय सुदीप न्यौपाने अपनी मां देवकली, बहन सुषमा और बहनोई युवराज काफ्ले के साथ पिछले शनिवार को दिल्ली से कश्मीर घूमने गए थे। सुदीप का अंतिम संस्कार बुटवल में ही किया जाएगा। उनके काका दधिराम न्यौपाने ने बताया कि सारे रिश्तेदारों के आने के बाद शाम को उनका अंतिम संस्कार किए जाने का कार्यक्रम है।

महिलाओं में पहले ही नजर आ जाते हैं हार्ट अटैक के लक्षण, समय पर पता लगने पर हो सकता है उपचार

वाशिंगटन। हार्टअटैक आज के समय में काफी कॉमन हो गया है। कम उम्र के लोगों को भी दिल के दौरे पड़ते देखा जा सकता है। हार्ट अटैक का कारण गलत खानपान, सुस्त लाइफस्टाइल, फिजिकल एक्टिविटी की कमी आदि हो सकता है। हार्ट अटैक के दौरान, हार्ट की धमनियों में खून का थक्का जम जाता है और ब्लड फ्लो रुक जाता है। जिसके कारण हार्ट मसल्स कमजोर होने लगती हैं और धीरे-धीरे काम करना बंद कर देती हैं। इसे तकनीकी भाषा में मायोकार्डियल इनफंक्शन कहा जाता है, जिसका मतलब हार्ट मसल्स का काम नहीं करना होता है। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन के मुताबिक, पुरुषों की तुलना में महिलाओं में कुछ असामान्य लक्षण नजर आते हैं जो उनमें हार्ट अटैक का संकेत हो सकते हैं। एक्सपर्ट बताते हैं कि महिलाओं को इन लक्षणों को ध्यान रखना चाहिए ताकि आने वाले समय में जान के खतरे से बचा जा सके। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च में कहा गया है कि पुरुषों और महिलाओं में दिल के दौरे का मुख्य लक्षण मतली हो सकता है। रिसर्च में पाया गया है कि जिन महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षण होते हैं उनमें से 34 महिलाओं को मतली को अनुभव होता है। वहीं महिलाओं की तुलना में पुरुषों को 22 प्रतिशत को मतली का अनुभव हुआ था। हार्ट प्रॉब्लम के लिए चेतावनी लक्षणों में जबड़ा, गर्दन, पीठ, हाथ या कंधे में दर्द भी है। हाथों में झुनझुनी या सुन्नता होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे कि बहुत देर तक गलत स्थिति में सोना या हाथों का अधिक प्रयोग करना आदि। रिसर्च के मुताबिक, एक या दोनों हाथों में अचानक सुन्नता महसूस होना दिल के दौरे या स्ट्रोक का संकेत हो सकता है।

धक्का देकर टॉयलेट में ले गया

सिंगापुर में फ्लाइट के अंदर शख्स ने एयर होस्टेस से की छेड़ख़ानी, फिर पुलिस ने लिया एक्शन

सिंगापुर ,24 अप्रैल (एजेंसियां) । सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) की एक फ्लाइट में 20 साल के भारतीय व्यक्ति पर एक महिला केबिन क्रू सदस्य के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) के अनुसार, रजत नाम के व्यक्ति ने कथित तौर पर 28 साल की लड़की के को पकड़ लिया और उसे अपने साथ फ्लाइट की टॉयलेट में ले गया।यह घटना 28 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया से आई एक फ्लाइट में हुई। इसके बाद मंगलवार को रजत को कोर्ट में पेश किया गया। मंगलवार को कोर्ट में पेश होते हुए रजत ने कहा कि वह अपना अपराध स्वीकार करना चाहता है।एक प्रेस विज्ञप्ति में, सिंगापुर पुलिस बल ने कहा कि सिंगापुर एयरलाइंस की केबिन क्रू सदस्य एक महिला यात्री को शौचालय ले जा रही थी, जब उसने फर्श पर टिशू पेपर का एक टुकड़ा देखा। जैसे ही वह इसे उठाने के लिए नीचे झुकी, 20 साल का एक व्यक्ति कथित तौर पर उसके पीछे आया, उसे पकड़ लिया और विमान के टॉयलेट में धकेल दिया।केबिन सुपरवाइजर को दी घटना की जानकारी

घटना को देखने वाली एक महिला यात्री तुरंत हरकत में आई और उसने पीड़िता को शौचालय से बाहर निकालने में मदद की। इसके बाद इस घटना की सूचना केबिन सुपरवाइजर को दी गई और विमान के चांगी एयरपोर्ट पर पहुंचने पर एयरपोर्ट पुलिस डिवीजन के अधिकारियों ने भारतीय नागरिक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने उड़ान के सटीक मार्ग का खुलासा नहीं किया, लेकिन अदालत के दस्तावेजों ने पुष्टि की कि यह ऑस्ट्रेलिया से शुरू हुई थी। अगर दोषी पाया जाता है, तो रजत को तीन साल की जेल, जुर्माना, बेंत या इनमें से किसी भी दंड की सजा हो सकती है। इस मामले की सुनवाई 14 मई को फिर

से होगी।एयरपोर्ट पुलिस डिवीजन के कमांडर सहायक आयुक्त एम मालती ने कहा, हम ऐसी घटनाओं को गंभीरता से लेते हैं, क्योंकि केबिन क्रू ट्रेनड पेशेवर होते हैं, जो सभी यात्रियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए समर्पित होते हैं।अधिकारी ने कहा, पुलिस एयरलाइन कर्मचारियों और विमान में सवार यात्रियों को किसी भी तरह के यौन उत्पीड़न या हमले से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। अप्रैल में रिपोर्ट किया गया यह दूसरा ऐसा मामला है।इससे पहले, 73 वर्षीय भारतीय नागरिक बालासुब्रमण्यम रमेश को चार छेड़छाड़ के आर-ोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद नौ महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिनमें से प्रत्येक में सिंगापुर एयरलाइंस की एक अलग परिचारिका शामिल थी। यह घटना नवंबर 2024 में हुई थी। उनकी उम्र के कारण उन्हें बेंत से मारने की सजा नहीं दी गई।

डायबिटीज होने पर हॉट शॉवर से बढ़ सकती है त्वचा संबंधी परेशानियां

लंदन। डायबिटीज ऐसी बीमारी है, जो कई समस्याओं को जन्म देती है। देखने में दिक्कत, वजन कम होना, श्वसन तंत्र में परेशानी, बालों का झड़ने के अलावा त्वचा से जुड़ी समस्याओं के लिए डायबिटीज जिम्मेदार हो सकती है। डायबिटीज के मरीजों को स्किन से जुड़ी समस्याएं होना सामान्य है। लगभग 30 प्रतिशत डायबिटिक पेशेंट्स में त्वचा संबंधी रोग पाए जाते हैं। डायबिटीज में शरीर की हीलिंग पॉवर कम हो जाती है जिस वजह से किसी भी प्रकार की चोट, खांसी या स्किन संबंधी समस्या को ठीक होने में समय लगता है। स्किन प्रॉब्लम के लक्षण डायबिटीज की शुरुआत में ही दिखाई देने लगते हैं। सकिन प्रॉब्लम होने पर शरीर के किसी भी हिस्से में पीले, लाल या भूरे रंग के धब्बे, सख्त व मोटी स्किन, इंफेक्शन, फफोले और खुजली जैसे लक्षण देखे जा सकते हैं। डायबिटीज होने पर हॉट शॉवर लेने से भी स्किन संबंधी समस्या बढ़ सकती है। स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने के लिए उसकी सही देखभाल बेहद जरूरी है। साथ ही स्किन को इंफेक्शन से बचाने के लिए सावधानी बरती जा सकती है। सकिन की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए सबसे अहम है हाइजीन। स्किन को साफ और ड्राई रखने से स्किन को डैमेज होने से बचाया जा सकता है। विशेषतौर पर अंडरआर्म्स, ब्रेस्ट के नीचे, पैर की उंगलियों के बीच और ग्रोइन क्षेत्रों को अधिक साफ रखने की आवश्यकता है। स्किन पर अधिक साबुन और शॉवर जैल का प्रयोग न करें अन्यथा स्किन ड्राई हो सकती है।

कनाडा चुनाव में भाग ले रहे चार गुजरातियों और मौहाल पर क्या बोले कारोबारी

ओटावा,24 अप्रैल (एजेंसियां) ।

कनाडा में चुनाव आमतौर पर अक्टूबर माह में होते हैं, लेकिन इस साल चुनाव 28 अप्रैल को हो रहे है। कनाडा में दो मुख्य पार्टियां हैं, जिसमें लिबरल और कंजर्वेटिव पार्टी शामिल हैं। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो लिबरल पार्टी से थे। कनाडाई राजनीति के इतिहास में पहली बार चार गुजराती संसदीय चुनाव में भाग ले रहे हैं। इस बारे में गुजराती कारोबारी हेमंत भाई शाह से भी कनाडा में वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम के बारे में बताया, जो बीते पांच दशकों से कनाडा में रह रहे हैं।

कारोबारी शाह ने कनाडा की राजनीति में गुजरातियों के प्रवेश पर कहा कि कनाडा की राजनीति में धन जुटाने में मेरे सहित कई हिंदू-गुजरातियों ने अग्रणी भूमिका निभाई है। इस बार पांच उम्मीदवार खड़े हुए, लेकिन अंतिम समय में डॉन पटेल का नामांकन वापस हुआ। इससे चार गुजराती चुनाव में खड़े हुए। यह न केवल कनाडा के लिए, बल्कि दुनिया भर के गुजरातियों के लिए गर्व की बात है। कनाडा की राजनीति के इतिहास में पहली बार चार गुजराती संसदीय चुनाव लड़ रहे हैं। यह जरुरी है कि गुजराती-हिंदुओं की आवाज कनाडा की संसद तक पहुंचे। इन गुजरातियों से प्रेरित होकर भविष्य में अन्य गुजराती भी आएंगे।

हेमंतभाई बताते हैं कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का मुद्दा कनाडा के लिए बहुत बड़ा है। अगर कनाडा में नौकरियों की कमी हो जाएगी, तब छात्र क्या करेगा। कनाडा में इस समय कंपनियों में छंटनी चल रही है।

कनाडा का 81 प्रतिशत निर्यात संयुक्त राज्य अमेरिका को होता है। ओन्टारियो का सारा उद्योग अमेरिका पर निर्भर है, और यदि यह बंद हो जाए क्या होगा गुजराती छात्रों को यह समझना होगा कि वे कनाडा के लिए प्राथमिकता नहीं हैं। मैं अब भी कहता हूं कि छात्रों को अभी कनाडा नहीं आना चाहिए। क्योंकि 10 माह के भीतर कनाडा के भयानक मंदी में डूबने की आशंका है।

जंगल में लगी आग

इजरायल में लगी जंगल की आग को रोकने के लिए आपदा राहत दल हेलीकॉप्टर का उपयोग करते हुए।

पाकिस्तान में गरीबी बढ़ेगी, 10 मिलियन लोगों को करना पड़ेगा गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना, विश्व बैंक ने किया आगाह

इस्लामाबाद,23 अप्रैल (एजेंसियां) ।

विश्व बैंक ने आगाह किया है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान पाकिस्तान के लगभग 10 मिलियन लोगों को गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही गरीबी के स्तर में वृद्धि की उम्मीद है। यह चेतावनी बुधवार को तब आई जब बैंक ने पाकिस्तान के आर्थिक विकास के पूर्वानुमान को भी घटाकर 2.7 प्रतिशत कर दिया। पूर्वानुमान को घटाने में सख्त आर्थिक नीतियों का हवाला दिया गया है। खबर के अनुसार, वाशिंगटन स्थित ऋणदाता (विश्व बैंक) ने अपनी प्रमुख द्विवार्षिक पाकिस्तान आर्थिक अद्यतन रिपोर्ट में उल्लेख किया कि सरकार अपने वार्षिक बजट घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में चूक सकती है। इसके अतिरिक्त, देश का ऋण भार निरपेक्ष रूप से और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में बढ़ने का अनुमान है। विश्व बैंक ने कहा, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के समग्र कृषि उत्पादन को प्रभावित करने वाली जलवायु परिस्थितियों की वजह से लगभग 10 मिलियन लोगों (ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों) के वित्त वर्ष-25 में गंभीर खाद्य असुरक्षा के उच्च स्तर का अनुभव करने की उम्मीद है। रिपोर्ट में रेखांकित किया गया कि लगभग दो फीसद की जनसंख्या वृद्धि के साथ मिलकर इस वित्तीय वर्ष में लगभग

1.9 मिलियन और व्यक्तियों के गरीबी में चले जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान सामाजिक सुरक्षा व्यय मुद्रास्फीति के साथ तालमेल नहीं रख पाया है। इस कारण गरीबों के लिए भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के लिए उपलब्ध संसाधन सीमित हो रहे हैं। विश्व बैंक ने कहा है कि इससे बचने के लिए पाकिस्तान पूर्णत: बाजार निर्धारित विनिमय दर के साथ-साथ अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार की कार्यप्रणाली को बहाल करे।

हमास पर भड़का फिलिस्तीन कहा- इजरायली बंधकों को तत्काल रिहा करे

गाजा,24 अप्रैल (एजेंसियां) ।

हमास के कारण हजारों लोगों की जिंदगी खत्म हो गई। अब ऐसा आगे न हो इसके लिए इजरायली बंधकों को तत्काल छोड़ देना चाहिए। ताकि इजरायल को युद्ध जारी रखने का कोई बहाना न मिले। गाजा पर इजरायल के भीषण हमलों से आहत फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने हमास पर अब तक का सबसे तीखा हमला करते हुए उन्हें कुत्तों की औलाद कहा और उनसे इजरायली बंधकों को रिहा करने तथा समूह को निरस्त्र करने की मांग की। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी पर हो रहा इजरायल का हमला रोके जाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, लेकिन बंधकों की मौजूदगी इजरायल को हमला जारी रखने का बहाना दे रही है। वहीं अब्बास के बयानों पर हमास ने तीखी प्रतिक्रिया दी और उनकी योग्यता पर सवाल उठाए। संगठन ने कहा कि अब्बास संदिग्ध तरीके से इजरायल के अपराधों का दोष खुद फिलिस्तीनी जनता पर डालते हैं।

टेलीविजन पर दिए गए भाषण में अब्बास ने कहा, कुत्तों की औलाद, बंधकों को रिहा करो और इजरायल को हमलों का बहाना मत दो। उन्होंने आरोप लगाया कि हमास 2007 से गाजा पर नियंत्रण के बाद से फिलिस्तीनी मकसद को भारी नुकसान पहुंचा रहा है और इजरायल को अपने अपराधों को अंजाम देने के लिए मुफ़्त में बहाने दे रहा है। उन्होंने एक बार फिर नागरिकों पर हमलों की निंदा की और सभी फिलिस्तीनी दलों से पीएलओ के बैनर तले एकजुट होने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने युद्ध समाप्त करने, इजरायली फौज की गाजा से वापसी और स्वतंत्र फिलीस्तीन राज्य की स्थापना की मांग दोहराई। अब्बास ने कहा कि हमास को अब गाजा का नियंत्रण छोड़ देना चाहिए और फिलीस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) और फिलीस्तीनी नेशनल अथॉरिटी को सारे प्रशासनिक अधिकार सौंप देने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमास हथियार उठाना छोड़कर एक राजनीतिक दल की तरह काम करे जो अंतरराष्ट्रीय वैधता और फिलीस्तीन राज्य के कानूनों के तहत काम करे।

पाकिस्तान सरकार का आधिकारिक एक्स अकाउंट भारत में ब्लॉक

नई दिल्ली। पाकिस्तान सरकार का आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिया गया है। यह कदम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोग मारे गए हैं। पाकिस्तान सरकार के एक्स अकाउंट पर बैन का मतलब है कि इस पर पोस्ट की गई कोई भी सामग्री भारत में नहीं दिखेगी। भारत ने यह दंडात्मक कदम सिंधु जल संधि को निलंबित करने और अन्य कूटनीतिक उपायों की घोषणा के बाद उठाया है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कूटनीतिक कदम उठाए हैं। इनमें उसे सीमा पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

खिलाड़ियों को आवेदन की जरूरत नहीं,अब सरकार खुद देगी इनाम : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में डिजीलॉकर के माध्यम से खेल प्रमाणपत्र जारी करने के पहल की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च का भी उद्घाटन किया।

डॉ. मांडविया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की हर खेल पहल खिलाड़ी-केंद्रित है। उन्होंने बताया कि नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2024, नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी 2024 और एज फ्रॉड के खिलाफ नेशनल कोड 2025 जैसे कदम सरकार की पारदर्शिता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मांडविया ने ऐलान किया कि डिजीलॉकर से जुड़े खेल प्रमाणपत्र जल्द ही नेशनल स्पोर्ट्स रिपॉजिटरी सिस्टम से जोड़े जाएंगे। इससे खिलाड़ियों को सरकार द्वारा मिलने वाली नकद पुरस्कार राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक खातों में सीधे मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ी को सरकार से इनाम पाने के लिए आवेदन नहीं करना पड़ेगा। जब पूरी दुनिया ने देखा है कि उसने पदक जीता है, तो फिर प्रमाण देने की जरूरत क्यों मांडविया ने 2036 ओलंपिक की मेज़बानी की तैयारी के रोडमैप का जिक्र किया और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेज़बानी में भी रुचि दिखाई। उन्होंने %वन स्पोर्ट-वन कॉरपोरेट% नीति की घोषणा करते हुए बताया कि इससे खेल महासंघों को कॉरपोरेट सहयोग मिलेगा और पीपीपी मॉडल के तहत उच्च प्राथमिकता वाले खेलों के लिए ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाएंगे। ओलंपिक रजत पदक विजेता और मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्डी मीराबाई चानू ने सरकार की पहल की सराहना करते हुए कहा, अब हमें जरूरी दस्तावेज के लिए घर भागने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। डिजीलॉकर से प्रमाणपत्र मिलना हम जैसे खिलाड़ियों के लिए बड़ी राहत है।

न्यूज ब्रीफ

फेडरेशन कप 2025: विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में बनाया नया रिकॉर्ड

कोच्चि। तमिलनाडु की 26 वर्षीय ओलंपियन विथ्या रामराज ने बुधवार को 28वीं राष्ट्रीय फेडरेशन

एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में नया मीट रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 56.04 सेकंड का समय निकालते हुए पिछले 6 वर्षों से कायम रिकॉर्ड को तोड़ा और दूसरे स्थान पर रहीं अनु राघवन से 2 सेकंड से अधिक का अंतर रखा। विथ्या ने एशियन गेम्स में पी.टी. उषा के 41 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी (55.42 सेकंड) की थी और अब वह इसे तोड़ने के लिए तैयार दिख रही हैं। उनका कहना है, अगर रेस एक दिन बाद होती तो मैं 54 सेकंड के भीतर दौड़ जाती। मेरा लक्ष्य है इस साल 54 सेकंड का समय निकालना। पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में यशस की बेस्ट परफॉर्मेंस कर्नाटक के पी. यशस ने पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 49.32 सेकंड के साथ जीत दर्ज की, लेकिन एशियन चैंपियनशिप के लिए तय 49.19 सेकंड के क्वालिफिकेशन मार्क से चूक गए। ट्रिपल जंप में निहारिका वशिष्ठ का गोल्डन कमबैक महाराजा स्टेडियम के एक अन्य कोने में, पंजाब की नेशनल गेम्स चैंपियन निहारिका वशिष्ठ ने आखिरी राउंड में 13.49 मीटर की शानदार छलांग लगाकर केरल की सैंड्रा बाबू को मात्र 1 सेमी से पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल जीता। इंस्टाग्राम पर 2.4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स वाली निहारिका ने दो साल के डोपिंग बैन के बाद फरवरी 2022 में वापसी की थी और अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत दिख रही हैं। उन्होंने एक साल में अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन में 40 सेमी से अधिक का सुधार किया है।

फेडरेशन कप: ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने की अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली। ट्रिपल जंपर प्रवीण चित्रवाल ने गुरुवार को कोच्चि में फेडरेशन कप के दौरान अपने ही

राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। चित्रवाल ने महाराजा कॉलेज स्टेडियम में 17.37 मीटर की छलांग दर्ज की, जिससे उन्होंने 2023 में क्यूबा के हवाना में होने वाले प्रूबा डे कॉन्फ्रॉन्टेसियन इवेंट में बनाए गए अपने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 23 वर्षीय चित्रवाल ने इस प्रयास के साथ ही इस वर्ष की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफिकेशन हासिल कर लिया है। तमिलनाडु के इस जम्पर ने प्रतियोगिता से हटने से पहले फेडरेशन कप में अपनी दूसरी छलांग के साथ कीर्तिमान स्थापित किया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित,अनामुल हक की तीन साल बाद वापसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी)ने बुधवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला 28 अप्रैल से चटगांव के बीर श्रेष्ठ फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम में दो बदलाव किए गए हैं, जिनमें सबसे बड़ी वापसी अनामुल हक की है, जो करीब तीन साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। अनामुल हक इस समय ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग में शानदार फॉर्म में हैं और हाल ही में वह मान्यता प्राप्त क्रिकेट में 50 शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने हैं। 32 वर्षीय अनामुल ने पिछली बार साल 2022 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। टीम से बाहर किए गए ज़ाकिर हसन को पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला था, और अब उन्हें पूरी तरह से ड्रॉप कर दिया गया है। टीम में दूसरा बदलाव तेज गेंदबाज नाहिद राणा की जगह हुआ है, जिन्हें पीएसएल में पेशावर ज़ल्मी की ओर से खेलने की संभावना है। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम को शामिल किया गया है, जो अब तक टेस्ट में डेब्यू नहीं कर पाए हैं। दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है : नजमुल हसन शान्तो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, शादमान इस्लाम, अनामुल हक बिजॉय, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, महिदुल इस्लाम भुइयां अंकन, जाकेर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), तैजुल इस्लाम, नईम हसन, तनवीर इस्लाम, हसन महमूद, सैयद खालेद अहमद, तंजीम हसन शाकिब।

चिन्नास्वामी में आरसीबी की इस सीजन की पहली जीत

राजस्थान को 11 रन से हराया, हेजलवुड चमके

बेंगलुरु, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। रजत पाटीदार की आरसीबी ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर आईपीएल 2025 में अपनी छठी जीत दर्ज की। गुरुवार को बेंगलुरु ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हराया। इस जीत के साथ बेंगलुरु के अब 12 अंक हो गए हैं। वह प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के और नजदीक आ गए हैं। हालांकि, यह मैच हारने के बाद अब राजस्थान इस सीजन 16 अंक तक नहीं पहुंच पाएगी। अगर वह अपने बचे हुए सभी मुकाबले भी जीत लेंगे तो उनके 14 पॉइंट्स ही हो पाएंगे। बता दें कि इस सीजन यह आरसीबी की एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पहली जीत है। इससे पहले उन्हें लगातार घर तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।206 रन के बड़े टारगेट का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की टीम ने तेज शुरुआत तो की थी। यशस्वी जायसवाल ने पारी की पहली गेंद पर ही छक्का जड़ दिया था। लेकिन मिडल ऑर्डर में आरसीबी के गेंदबाजों ने वापसी की और उनको रन नहीं बनाने दिए। 20 ओवर बल्लेबाजी करने के बाद आरआर 9 विकेट पर 194 रन ही बना पाई।

यशस्वी जायसवाल ने टीम के लिए सर्वाधिक 49 रन बनाए। बीच में नीतीश राणा ने भी 28 रन बनाए। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी 12 गेंद नें 16 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर बोल्ड हो गए। हालांकि, इससे पहले उन्होंने भुवी को दो छक्के भी लगाए थे। ध्रुव जुरेल थोड़े धीमे दिखाई दिए। उन्होंने 34 गेंदों में 47 रन बनाए।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। उन्होंने 19वें ओवर में ध्रुव जुरेल और जोफ्रा आर्चर का विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने पूरे ओवर में सिर्फ एक रन दिया था। इसके अलावा क्रुणाल पंड्या ने भी अच्छी गेंदबाजी की और दो विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार थोड़े महंगे साबित हुए। लेकिन उन्होंने एक विकेट भी लिया। भुवी ने अपने चार ओवर के स्पेल में 50 रन दिए थे। यश दयाल को भी एक विकेट मिला।

विराट कोहली (70) और देवदत्त पडिक्कल (50) के अर्धशतकों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में गुरूवार को 20 ओवर में पांच विकेट पर 205 रन का मजबूत स्कोर बनाया था। विराट और पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 105 रन की बड़ी साझेदारी की। विराट ने 42 गेंदों पर 70 रन की पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए। विराट ने इस सत्र में नौ पारियों में पांचवां अर्धशतक बनाया। विराट ने इसके साथ टी 20 में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक फिफ्टी प्लस का स्कोर बनाने का बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़ दिया। आजम के नाम 61 अर्धशतक हैं जबकि विराट का यह 62वां अर्धशतक है।

खालसा एलुमनी और श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट में हॉकी के पुरुष वर्ग के अंतिम लीग मैच में एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी ने हंसराज कॉलेज को 2-1 से हरा दिया। खालसा कॉलेज एलुमनी की तरफ से सूरज ने 2 गोल और हंसराज कॉलेज से एकमात्र गोल सागर ने किया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड हंसराज कॉलेज के खिलाड़ी सागर को मिला।

इसी तरह महिला वर्ग के राउंड रोबिन लीग मैच में श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज ने भारती कॉलेज को 4-0 से हराया। श्रुति, मनीषा, सोनिया और अंजलि ने एक- एक गोल किया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड विजय टीम की अंशु को मिला।

सेमीफाइनल मुकाबले तय

बास्केटबॉल टूर्नामेंट के महिला वर्ग के सेमीफाइनल में रामजस कॉलेज का गार्गी कॉलेज के साथ और लेडी श्रीराम कॉलेज का श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के साथ मुकाबला होगा। पुरुष वर्ग में एसजीटीबी खालसा कॉलेज का हंसराज कॉलेज और एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी का किरोड़ी मल कॉलेज से मुकाबला होगा।

हॉकी के पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में एसजीटीबी खालसा कॉलेज का मैच एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी से और श्याम लाल कॉलेज का इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज से मुकाबला होगा।

अय्यर और ईशान को केंद्रीय अनुबंध मिलना खुशी की बात: शास्त्री

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को केन्द्रीय अनुबंध दिया जाना खुशी की बात है। पिछले साल घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण इन दोनो को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। वहीं अब उन्हें एक बार फिर 2024/25 सत्र के लिए शामिल कर लिया गया है। शास्त्री ने कहा, मुझे लगा कि श्रेयस और ईशान फिर से टीम में देखना अच्छा रहेगा, क्योंकि जो कुछ हुआ वह टीम प्रबंधन, बीसीसीआई और इसमें शामिल व्यक्तियों के बीच था। मुझे खुशी है कि आपसी बातचीत के बाद ये मामला हल हो गया जिससे एक बार फिर इन दोनो को अनुबंध मिला है। विशेष रूप से श्रेयस ने जिस तरह से पिछले डेढ़ साल में खेला है उसको देखते हुए ये अनुबंध उन्हें मिलना ही था। शास्त्री ने कहा, उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन ने दरवाज़ा खटखटाया पर उन्हें फटकार लगाई गई। उन्हें कई बार ऐसी फटकार लगाई गई, जिसकी जरूरत होती है पर मुझे खुशी है कि सब ठीक है। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 48.6 की औसत से 243 रन बनाए जिससे टीम चौथे नंबर पर रही। अय्यर अभी आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं, जहां उन्होंने 8 मैचों में 43.83 की औसत से 263 रन बनाए हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने नई एमएलसी फ्रेंचाइजी के साथ की रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

वेलिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने संयुक्त राज्य अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) की एक आगामी टीम के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह टीम वर्ष 2027 में अपना पदार्पण करेगी और इसका स्वामित्व टू नॉर्थ स्पोर्ट्स वेंचर्स नामक समूह के पास है, जिसका संचालन एमएलसी के सह-संस्थापक समीर मेहता और विजय श्रीनिवासन कर रहे हैं। इस समूह में अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल लीग (एनएफएल) की टीम सैन फ्रांसिस्को 49र्स की निवेश शाखा भी भागीदार होगी।

क्रिकेट संचालन की ज़िम्मेदारी एनजेडसी के पास इस समझौते के अंतर्गत एनजेडसी न केवल टीम में अंशधारक बनेगा, बल्कि उसके क्रिकेट संचालन, खिलाड़ियों के विकास और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी भी संभालेगा। इसके लिए प्रशिक्षकों, अनुबंधित खिलाड़ियों और घरेलू क्रिकेट प्रणाली का समन्वय किया जाएगा।

एनजेडसी के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी स्कॉट वीनींक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस साझेदारी से हमें सेवाएं देने के लिए भुगतान प्राप्त होगा और अमेरिकी क्रिकेट के साथ-साथ हमारे अपने क्रिकेट ढांचे में निवेश का अवसर मिलेगा।

टीम के सह-मालिक समीर मेहता ने बताया कि एक प्रसिद्ध फिल्मी सितारे के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने एनजेडसी को उच्च प्रदर्शन में विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्था बताया और कहा कि अमेरिका जैसे सीमित प्रतिभा वाले क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता अत्यंत लाभदायक होगी। इसके साथ ही 49र्स की व्यावसायिक विशेषज्ञता से ब्रांड प्रचार, प्रायोजन और व्यापारिक वस्तुओं के क्षेत्र में भी सहायता मिलेगी।

एनजेडसी की आर्थिक रणनीति और एमएलसी का उपयोग

एनजेडसी ने इस समझौते को अपनी पांच-वर्षीय रणनीति का हिस्सा बताया है, जिसका उद्देश्य आय के स्रोतों को विविध बनाना है। सुपर स्मैश प्रतियोगिता की गुणवत्ता के बावजूद न्यूज़ीलैंड का सीमित बाजार और अनुकूल प्रसारण समय की कमी इसके राजस्व को सीमित रखती है। इसलिए एमएलसी में भागीदारी को एक स्वतंत्र आर्थिक अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के न्यौते को ठुकराया, एशियन चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के जेवलिन इवेंट एनसी क्लासिक में भाग लेने से इनकार कर दिया है। यह फैसला उन्होंने आगामी एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी को प्राथमिकता देते हुए लिया है। हालांकि, उन्होंने नीरज के निमंत्रण के लिए उनका आभार जताया है। 24 मई को बेंगलुरु में आयोजित होने वाले नीरज चोपड़ा क्लासिक में अरशद नदीम की गैरमौजूदगी रहेगी।

नदीम ने बुधवार को एक बयान में कहा, एनसी क्लासिक इवेंट 20 से 24 मई के बीच है, जबकि मैं 22 मई को कोरिया रवाना हो रहा हूं। वे 27 से 31 मई तक कोरिया के गुमी शहर में होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे हैं।

नीरज ने भेजा था व्यक्तिगत निमंत्रण

इससे पहले सोमवार को नीरज चोपड़ा ने मीडिया से बातचीत में बताया था कि उन्होंने अर्शद को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया है। नीरज ने कहा, मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा था। उन्होंने कहा था कि कोच से बात कर के जवाब देंगे।

स्टार एथलीट्स से सजा रहेगा एनसी क्लासिक

नीरज चोपड़ा क्लासिक के पहले संस्करण में कई दिग्गज एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर, केन्या के 2016 रियो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट जूलियस येगो और अमेरिका के करंट सीज़न लीडर कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर) की भागीदारी तय है।

वर्ल्ड एथलेटिक्स से मिला कैटेगरी ए का दर्जा

इस प्रतिष्ठित इवेंट को वर्ल्ड एथलेटिक्स की तरफ से कैटेगरी 'ए' का दर्जा मिला है। इसे नीरज चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है।

आईपीएल 2025 : मुंबई इंडियंस ने लगातार चौथा मैच जीता, हैदराबाद को 7 विकेट से दी पटखनी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 41वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 26 गेंद शेष रहते 7 विकेट से हरा दिया। लगातार चार मैचों में मिली जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई के नौ मैच में 5 जीत के साथ 10 अंक हो गए हैं। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को धारदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन खर्च कर 4 विकेट अपने नाम किए। हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई को 144 रन के लक्ष्य मिला था, जिसे उसने 16वें ओवर में बना लिया। मुंबई के लिए रोहित शर्मा ने शानदार 70 रन बनाए। अपनी पारी में रोहित ने 8 चौके और तीन छक्के जड़े। रोहित के अलावा, सूर्यकुमार यादव के नाबाद 40 रन की अहम पारी रही। वहीं, विल जैक्स के 22 रन और रियान रिकल्टन ने 11 रन का योगदान दिया।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

आरबीआई ने 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को बैंक में खाता खोलने दी परमिशन

इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड आदि बैंकिंग सुविधाएं भी मिलेगी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारती रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को 10 वर्ष से अधिक आयु के नाबालिगों को स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालन करने की अनुमति दी। भारतीय रिजर्व बैंक ने नाबालिगों के जमा खाते खोलने और संचालन के संबंध में संशोधित निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी बैंकों को संबोधित एक परिपत्र में कहा कि किसी भी उम्र के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है। 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को अपनी मां को अभिभावक बनाकर ऐसे खाते खोलने की भी अनुमति दी जा सकती है। परिपत्र में कहा गया है- जिन नाबालिगों की आयु सीमा 10 वर्ष से कम नहीं है और वे बैंकों द्वारा उनकी जोखिम प्रबंधन नीति को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई राशि और शर्तों तक, उन्हें स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है, यदि वे ऐसा करना चाहते हैं, और ऐसी शर्तों को खाताधारक को विधिवत रूप से सूचित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, वयस्क होने पर खाताधारक के नए संचालन निर्देश और नमूना हस्ताक्षर प्राप्त किए जाने चाहिए और उन्हें रिकॉर्ड में रखा जाना चाहिए। परिपत्र में कहा गया- बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन नीति, उत्पाद उपयुक्तता और ग्राहक उपयुक्तता के आधार पर नाबालिग खाताधारकों को इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड, चेक बुक सुविधा आदि जैसी अतिरिक्त बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्वतंत्र हैं। बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नाबालिगों के खाते, चाहे वे स्वतंत्र रूप से या अभिभावक के माध्यम से संचालित हों, से अधिक निकासी की अनुमति नहीं दी जाए।

न्यूज़ ब्रीफ

पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा चौथी तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा 31 मार्च को समाप्त तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 395.7 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में उसे 315.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स की परिचालन आय सालाना आधार पर 25.15 प्रतिशत बढ़कर 3,242.11 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 2,590.5 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा 28 प्रतिशत बढ़कर 1,400 करोड़ रुपये हो गया जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,093.4 करोड़ रुपये था। कंपनी की परिचालन आय आलोच्य वित्त वर्ष में 21.55 प्रतिशत बढ़कर 11,938.7 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2023-24 में 9,821.58 करोड़ रुपये थी।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा मार्च तिमाही में 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6.5 फीसदी घटकर 873.46 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 934.17 करोड़ रुपये था। नेस्ले इंडिया ने शेयरधारकों को 10 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया है।

क्रेडिफिन लिमिटेड ने इक्विटी और ऋण के मिश्रण के रूप में 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए

कंपनी ने नए ऋणदाताओं को शामिल किया है और निवेशकों को वारंट जारी किया है

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। क्रेडिफिन लिमिटेड (पहले पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड), भारत के मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध, एनबीएफसी है। इसका मुख्यालय जालंधर और इसका कॉर्पोरेट कार्यालय दिल्ली-एनसीआर में है। कंपनी ने घोषणा की है कि उसने इक्विटी और ऋण के रूप में 24.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 213.6 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। इसमें लगभग 6.7फीसदी इक्विटी और 93.3फीसदी ऋण शामिल है। इस पैसे का इस्तेमाल कंपनी द्वारा अपने परिचालन वाले क्षेत्रों में देखी जा रही जोरदार वृद्धि को निधि देने के लिए किया जाएगा। क्रेडिफिन एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है जो जमा स्वीकार नहीं करती और 1998 से भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत है। कंपनी अचल संपत्ति के बदले बंधक ऋण (संपत्ति के बदले ऋण या एलएपी) और ई-वाहनों को वित्तपोषण प्रदान करती है, मुख्य रूप से ई-रिक्शा, ई-लोडर और ईवी - दुपहिया वाहन। क्रेडिफिन ने पिछले 4 वर्षों में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए विकास की गति को तेज कर दिया है। यह मौजूदा कार्यालयों को मजबूत कर रहा है, तेजी से नए भौगोलिक क्षेत्र खोल रहा है और पारंपरिक ऋण चैनलों से पीछे छूट गए लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए उत्पाद पेश कर रहा है। क्रेडिफिन लिमिटेड देश के वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और श्रृंखला में निचले खंड को व्यवहार्य वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है और ऐसे व्यवहार्य वित्तीय समाधान लेकर आ रहा है जो प्रभाव डालते हैं। लगातार बढ़ते उत्पाद पोर्टफोलियो की जरूरतों के लिए धन की आवश्यकता निरंतर होगी और इसे पूर्ण करने के लिए, कंपनी ने इक्विटी और ऋण के रूप में 213 करोड़ रुपये से अधिक सफलतापूर्वक जुटाए हैं। ऋण मौजूदा कर्जदाताओं, नए कर्जदाताओं को शामिल करके और अन्य साधनों से जुटाया गया है। कुछ नए कर्जदाताओं में नॉर्दर्न आर्क कैपिटल, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईसीआईसीआईबैंक, किसानधन एग्री फाइनेंशियल सर्विसेज, इलेक्ट्रॉनिका फाइनेंस लिमिटेड और मानवीय डेवलपमेंट एंड फाइनेंस शामिल हैं। क्रेडिफिन लिमिटेड के सीईओ शल्य गुप्ता कहते हैं, हमारे मौजूदा ऋणदाताओं ने हमारी पेशकशों में फिर से विश्वास जताया है और हमारी ताकत का स्तंभ बने हुए हैं। इसके अलावा, इस साल नए ऋणदाताओं में उद्योग के जाने-माने लोग शामिल हैं और हम भाग्यशाली हैं कि वे क्रेडिफिन क्रांति को आगे बढ़ाने, भारत के निर्माण और वंचित समुदायों की सेवा करने में हमारे साथ भागीदारी कर रहे हैं। मैं अपने 1700 मजबूत डीलर नेटवर्क, 700 सदस्यों की टीम का भी उतना ही आभारी हूं, जो इस विकास गति को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने आगे कहा, हम डिजिटल भुगतान के सच्चे समर्थक हैं और हमारे कुल संग्रह में से 80फीसदी से अधिक डिजिटल रूप से किए जाते हैं। यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे गर्व है और इसका श्रेय हमारे मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को जाता है। इस समय क्रेडिफिन के साथ काम कर रहे कुछ ऋणदाताओं में एसबीआई, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी, एसएमसी मनीवाइज, विवृति कैपिटल, एमएएस फाइनेंशियल सर्विसेज, श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस, यूनिकॉम फिनकॉर्प, विवृति एसेट मैनेजमेंट और एसके फाइनेंस शामिल हैं।

क्रेडिफिन लिमिटेड (पूर्व में पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड) के बारे में :

क्रेडिफिन लिमिटेड (पहले पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड) 1992 में निगमित, भारत के मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध, एनबीएफसी है। इसका मुख्यालय जालंधर और कॉर्पोरेट कार्यालय दिल्ली-एनसीआर में है। कंपनी 1998 से भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत है। उत्पाद पोर्टफोलियो में अचल संपत्ति (एलएपी) के बदले सुरक्षित एमएसएमई बंधक ऋण और ई-वाहनों को वित्तपोषित करना शामिल है, मुख्य रूप से ई-रिक्शा, ई-लोडर और ईवी - दुपहिया वाहन। देश के 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में परिचालन वाली कंपनी क्रेडिफिन 200 से ज़्यादा स्थानों पर मौजूद है और 700 से ज़्यादा लोगों को रोज़गार देती है। क्रेडिफिन ने वित्त वर्ष 2024-2025 की अपनी तीसरी तिमाही को 312 करोड़ के एयूएम के साथ बंद किया।

एलटीआई आईमाइंडट्री का मुनाफा बढ़कर 1,129 करोड़ हुआ

मुंबई। एलटीआई माइंडट्री का वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में मुनाफा 2.53 प्रतिशत बढ़कर 1,128.6 करोड़ रुपये रहा। आईटी सेवा कंपनी ने कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसने 1,100.7 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी मुनाफा बढ़कर, 4,602 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 4,585 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में राजस्व बढ़कर 9,771 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 8,893 करोड़ रुपये था। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में वृहद आर्थिक परिवेश चुनौतीपूर्ण है। कंपनी के निदेशक मंडल प्रति शेयर 45 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इसे शेयरधारकों के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

एलआईसी के नए प्रीमियम संग्रह में पांच प्रतिशत की मामूली वृद्धि

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का नए कारोबार से प्रीमियम संग्रह मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान 5.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 3.97 लाख करोड़ रुपये रहा। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के अनुसार उद्योग ने इससे पिछले वित्त वर्ष में नए प्रीमियम के रूप में 3.77 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। व्यक्तिगत नए कारोबार प्रीमियम में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.49 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.66 लाख करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2024-25 में नए कारोबार प्रीमियम के रूप में कुल 2.26 लाख करोड़ रुपये जुटाए, जिसमें व्यक्तिगत नए कारोबार से मिले 62,404.58 करोड़ रुपये शामिल हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में एलआईसी ने 1.78 करोड़ नई पॉलिसी बेचीं।

नाबार्ड ने एग्री-फिनटेक कंपनी में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने एग्री फिनटेक स्टार्टअप 24M7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। नाबार्ड ने कहा कि यह स्टार्टअप में नाबार्ड का पहला निवेश है, जो ग्रामीण भारत में डिजिटल परिवर्तन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। 24M7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग का प्रमुख प्लेटफॉर्म, ईकिसानक्रेडिट (ईकेसीसी), सहकारी बैंकों, पीएसीएस और आरआरबी के लिए डिजाइन किया गया एक पूरी तरह से डिजिटल ऋण प्रणाली है। ईकेसीसी प्लेटफॉर्म -भूमि रिकॉर्ड, आधार, ईकेवाईसी, कोर बैंकिंग सिस्टम और ई-पैक्स के साथ सहजता से एकीकृत होता है, जिससे ग्रामीण ऋण जीवनचक्र का स्वचालन संभव होता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत-इजराइल...

उसकी मदद में अमेरिका और भारत की कई राजनीतिक हस्तियां, पूंजीपति, कई एनजीओ, मीडिया, पत्रकार, वकील और बाकी लोग कर रहे हैं। अडाणी के खिलाफ इस हमले में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी भी शामिल थी। क्योंकि चीन भी हाइफा बंदरगाह का संचालन हासिल करने की प्रतियोगिता में शामिल था। हिंडनबर्ग की जांच के दौरान ही मोसाद को अमेरिका के एक और पते की जानकारी हुई जहां से अडाणी के खिलाफ साजिशी गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह पता कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा का था। मोसाद ने इस पते का कम्प्यूटर भी हैक कर लिया था। हैक किए गए कम्प्यूटर से कई चौंकाने वाली जानकारियां मिलीं। इसी कम्प्यूटर में अडाणी को नुकसान पहुंचाने संबंधी कई ईमेल मिले। यह भी पता चला कि इस साजिश में और भी कई लोग जुड़े थे जो भारत के थे। कई बड़े कारोबारी घराने भी इस साजिश में शामिल मिले।यह सब पता चलने के बाद अडाणी ने हिंडनबर्ग पर वार किया। इसके लिए मोसाद ने ऑपरेशन जेपलिन लॉन्च किया। जेपलिन एक हवाई गुब्बारे का नाम था। इस ऑपरेशन के लिए अडाणी से मोसाद के लोग स्विट्ज़रलैंड में मिले थे। यह मुलाकात जनवरी 2024 में हुई थी। अडाणी को पता चला कि तीन अलग-अलग देशों में बैठे हुए शेयर मार्केट ऑपरेटर उनके खिलाफ गड़बड़ी कर रहे हैं। वे यह काम एक अमेरिकी फंड के लिए कर रहे थे जो कि चीन के भरोसे चल रही थी। भारत के भीतर से भी कई प्रतिद्वंदी कारोबारी घराने भी उनके खिलाफ साजिश में शामिल हैं। अडाणी के खिलाफ एक राजनीतिक पार्टी के लोग भी शामिल थे। इसके बाद इस बात की जांच की गई कि कहां से अडाणी के खिलाफ सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। अडाणी ने हिंडनबर्ग के खिलाफ अक्टूबर 2024 तक 350 से अधिक पेज का एक डोजियर बनाया। इसमें उनके खिलाफ साजिश करने वाले एनजीओ, कारोबारी घराने, एक महिला नेता और पत्रकारों समेत बाकी के विषय में सबूत थे। यहां तक कि उन अखबारों की भी जानकारी निकाली गई जो अडाणी के खिलाफ नियोजित रूप से प्रोपेगेंडा चला रहे थे। इससे बौखला कर अमेरिकी डीप स्टेट, जॉर्ज सोरोस, राहुल गांधी टीम और यूएसएड ने अडाणी पर हमला किया और उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जोड़ने का कुचक्र किया। यह बात फ्रांसीसी मीडिया संस्थान मीडियापार्ट ने छाप दी। इससे यह सच्चाई भी सामने आ गई। इसके बावजूद बाइडेन प्रशासन ने एक बार फिर अडाणी को एक मुकदमे के माध्यम से पीछे धकेलने का प्रयास किया लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। यहां तक भारत ने खुले तौर पर अमेरिका की आलोचना भी कर दी। अडाणी समूह ने इसके बाद हिंडनबर्ग को कानूनी तौर पर चुनौती देने का फैसला किया। अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग के फाउंडर नाथन एंडरसन को सात पन्ने का कानूनी नोटिस भेजा। इसमें उनके सारे कारनामों की लिस्ट थी और उस पर होने वाली कानूनी कार्रवाई के विषय में भी जानकारी थी।इससे घबराया नाथन एंडरसन समझौते के लिए रास्ता ढूंढ़ने लगा। उसने एक बार अडाणी समूह से जुड़े एक व्यक्ति से भी मुलाकात की। एंडरसन ने हामी भरी कि वह हिंडनबर्ग पर ताला लगा देगा, अगर अडाणी उन पर मुकदमा न करें। इस तरह यह समझौता हुआ और जनवरी 2025 में हिंडनबर्ग ने अपना बोरिया बिस्तर समेटने का ऐलान कर दिया। इस बीच अमेरिका में सरकार भी बदल गई और ट्रंप प्रशासन ने आते ही तमाम षडयंत्रकारियों का धंधा बंद करना शुरू कर दिया और यूएसएड का तो ढक्कन ही बंद कर दिया।

कल्पना से भी...

जमीनों के दस्तावेजों को डिजिटल करने से विवाद कम हो रहे हैं। 30 हजार नए पंचायत भवन भी बनाए गए।इस दौरान बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने पीएम का स्वागत किया और कहा कि केंद्र सरकार के नेतृत्व में बिहार में बहुत काम हुआ है। उन्होंने सड़क, बाढ़ नियंत्रण और स्वास्थ्य के लिए केंद्र की घोषणाओं का जिक्र किया। नीतीश कुमार ने मखाना बोर्ड के ऐलान की भी तारीफ की। पीएम मोदी ने इस मौके पर बिहार की 869 करोड़ की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ किया और पीएम आवास योजना के तहत लोगों को घर की चाबियां सौंपीं।पहलगाम हमले की गंभीरता को देखते मधुबनी की रैली अत्यंत सादगी से आयोजित की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का न तो फूल-मालाओं से स्वागत हुआ, न ही कार्यक्रम में कोई भव्यता दिखी। गर्मी के बावजूद जनता की अपार भीड़ प्रधानमंत्री को सुनने जरूर जमा हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे ही मंच पर पहुंचे, भीड़ ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया।पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी की यह पहली सार्वजनिक सभा थी। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आतंकवाद की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले की हम निंदा करते हैं। पूरा देश आतंक के खिलाफ एकजुट है। नीतीश ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा, पहलगाम में निर्दोष लोगों के साथ आतंकियों ने नृशंस कृत्य किया। प्रधानमंत्री मोदी उचित समय पर इसका उचित जवाब देंगे। रैली में एनडीए की जबरदस्त एकजुटता दिखी। भाजपा, जेडीयू, लोजपा (रामविलास) और अन्य सहयोगी दलों के नेता मंच पर एक साथ नजर आए।रैली में पीएम मोदी ने बिहार को कई सौगातें दीं। उन्होंने लगभग 13,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें गैस, बिजली और रेलवे से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। गोपालगंज में 340 करोड़ की लागत से बनने वाले एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला रखी गई। सबसे खास रही नमो भारत रैपिड रेल और अमृत भारत एक्सप्रेस की शुरुआत। नमो भारत रैपिड रेल पटना, मधुबनी और जयनगर को जोड़ेगी, जिससे बिहार में तेज और आधुनिक रेल सुविधा मिलेगी। इसके अलावा सुपौल-पिपरा और हसनपुर-बिथान रेल लाइनों का उद्घाटन हुआ। मधुबनी में बाबा विदेश्वर नाथ की भूमि पर आयोजित यह रैली आतंकवाद के खिलाफ देश की एकजुटता का प्रतीक भी बनी। यहां पीएम मोदी ने नीतीश कुमार को लोकप्रिय मुख्यमंत्री और मित्र कहकर उनकी तारीफ की।

इस बार पाकिस्तान...

भारत ने पहले भी आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है और आगे भी करता रहेगा। सरकार की तरफ से सर्वदलीय बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी दलों ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में वे सरकार के साथ हैं।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, सभी ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। विपक्ष ने सरकार को कोई भी कार्रवाई करने के लिए पूरा समर्थन दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बैठक में मौजूद थे। सभी दलों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। हमने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने के लिए प्रयास किए जाना चाहिए। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, केंद्र सरकार उस देश के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है जो आतंकवादी समूहों को पनाह देता है। अंतरराष्ट्रीय कानून हमें पाकिस्तान के खिलाफ आत्मरक्षा में हवाई और नौसैनिक नाकाबंदी करने और हथियारों की बिक्री पर पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने की भी अनुमति देता है।बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा ने कहा, बीजेडी ने सर्वदलीय बैठक में अपने विचार रखे। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इस जघन्य हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए। बीजेडी राष्ट्र की राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित सभी प्रयासों में सरकार को अपना पूर्ण सहयोग और समर्थन दोहराता है। इस बैठक से जो समग्र सहमति बनी है, वह यह है कि सभी राजनीतिक दल इस मामले पर एक साथ हैं और हम दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए सरकार की तरफ से उठाए जाने वाले हर कदम का पूरा समर्थन करते हैं। सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सपा सांसद राम गोपाल यादव, राकांपा सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे, राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल, राजद नेता प्रेमचंद गुप्ता, द्रमुक नेता तिरुचि शिवा, बीजद नेता सस्मित पात्रा, आपा नेता संजय सिंह, टीएमसी नेता सुदीप बंदोपाध्याय, वाईएसआरसी नेता मिथुन रेड्डी और भाजपा सांसद अनिल बलूनी मौजूद थे।उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान का मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा वापस ले लिया था। आयात पर 200 प्रतिशत की कस्टम ड्यूटी लगा दी थी। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारत से व्यापारिक संबंध तोड़ दिए, जिससे औपचारिक व्यापार लगभग ठप्प हो गया। इससे पाकिस्तान और भी बदहाली के गर्त में चला गया।पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में करीब ढ़ाई घंटे चली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट (सीसीएस) की मीटिंग में चार बहुत बड़े फैसले लिए गए। भारत ने सख्त कदम उठाते हुए सिंधु जल समझौते पर रोक लगा दी। अटारी-वाघा बॉर्डर बंद कर दिया गया। पाकिस्तानियों का वीजा बंद कर दिया गया और पाकिस्तान में भारतीय दूतावास और भारत में पाकिस्तानी दूतावस बंद करने का निर्णय लिया गया। भारत द्वारा अटारी-वाघा सीमा बंद करना, पाकिस्तानियों के वीजा पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाना और दोनों देशों के दूतावासों को बंद करने का निर्णय इस बात की गवाही देता है कि भारत की रणनीति अब प्रतिरोध की नहीं बल्कि प्रतिशोध की है। खासतौर से, सिंधु जल समझौते पर रोक लगाने का भारत का फैसला पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा झटका है। पाकिस्तान के लिए यह केवल कूटनीतिक नहीं, अस्तित्वगत संकट की आहट है। यह तय है कि भारत से पानी रोके जाने से पाकिस्तान की ऐसी कमर टूटेगी कि वह न अपनी जमीन पर आतंकियों को पालने-पोसने में समर्थ होगा और न घाटी में अलगाववादियों का समर्थन करने की उसकी हैसियत बचेगी।भारत द्वारा अपने ही हिस्से का पानी रोकने का अर्थ है कि पाकिस्तान की जल आधारित परियोजनाएं जैसे कि मंगला, तरबेला, नीलम-झेलम और दासू हाइड्रोपावर परियोजना भी ठप्प पड़ जाएंगी। पाकिस्तान की कुल पनबिजली उत्पादन क्षमता का करीब 58 प्रतिशत इन्हीं परियोजनाओं पर निर्भर है, जो अब भारत के इस निर्णय से गहरे संकट में आ जाएंगी। ऊर्जा संकट की मार झेलते पाकिस्तान में, जहां पहले से ही बिजली कटौती आम है, वहां यह स्थिति और भी भयावह हो जाएगी। यही नहीं, पाकिस्तान के मैदानी क्षेत्रों में सिंचाई व्यवस्था भी पूरी तरह चरमरा जाएगी। पाकिस्तान के जल और ऊर्जा संसाधन प्राधिकरण की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब और सिंध के लगभग 80 प्रतिशत खेतों की सिंचाई इन्हीं नदियों से होती है। सिंधु जल प्रवाह के रुकने का अर्थ है कि इन क्षेत्रों में उत्पादन घटेगा, बेरोजगारी बढ़ेगी और खाद्य संकट उत्पन्न होगा। पाकिस्तान की खाद्य आयात निर्भरता पहले से ही बढ़ती जा रही है और भारत के इस निर्णय से यह निर्भरता आतंकिस्तान में विकराल रूप ले सकती है। सिंधु जल संधि का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य देखें तो विभाजन के समय भारत ने मानवता की भावना से काम लेते हुए पाकिस्तान को निर्धारित समय सीमा के बाद भी पानी देना जारी रखा था लेकिन जब 1 अप्रैल 1948 को भारत ने पाकिस्तान की ओर जाने वाली दो नहरों का पानी रोक दिया था, तब पाकिस्तान की लगभग 17 लाख एकड़ भूमि बंजर हो गई थी। यही इतिहास अब दोहराए जाने की संभावना है लेकिन इस बार और व्यापक स्तर पर।कुछ लोग आशंका जता रहे हैं कि सिंधु जल संधि पर रोक के भारत के फैसले के बाद भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के विरोध का सामना करना पड़ सकता है लेकिन अधिकांश विशेषज्ञों का मानना है कि संभवतः ऐसा नहीं होगा क्योंकि भारत संधि के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं कर रहा बल्कि अपने हिस्से के पानी का ही इस्तेमाल सुनिश्चित कर रहा है। दरअसल सिंधु जल संधि के अनुच्छेद 12 (4) में स्पष्ट है कि कोई भी पक्ष इस संधि को द्विपक्षीय संबंधों की बिगड़ी हुई स्थिति के आधार पर पुनर्विचार के लिए प्रस्तुत कर सकता है। अंतर्राष्ट्रीय जल संधियों में राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है और चीन इसका बड़ा उदाहरण है, जिसने साउथ चाइना सी पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के फैसले को मानने से इनकार कर दिया था। भारत भी अपने जल संसाधनों पर सम्प्रभु अधिकार रखते हुए यह निर्णय लेने में वैधानिक और नैतिक रूप से पूर्णतः सक्षम है। जल सुरक्षा अब केवल संसाधन से जुड़ा मुद्दा नहीं रहा बल्कि रणनीतिक शक्ति का प्रतीक भी बन चुका है।वाटर स्ट्राइक की अवधारणा अब भारत के कूटनीतिक शस्त्रागार में एक नया आयाम बनकर उभरी है। भारत जल के माध्यम से न केवल पाकिस्तान की आतंक प्रायोजक क्षमता को चुनौती दे रहा है बल्कि एक स्पष्ट संदेश भी दे रहा है कि अब परंपरागत प्रतिक्रियाओं का दौर समाप्त हो चुका है। सिंधु जल संधि पर रोक लगाकर भारत ने अपनी रणनीति में दीर्घकालिक सोच दिखाई है। यह निर्णय केवल तात्कालिक नहीं बल्कि दीर्घकालीन सामरिक नीति का हिस्सा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि भारत सिंधु के पानी को रोकता है और अपनी बांध परियोजनाओं को तेज करता है तो पाकिस्तान का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। जल संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर भारत जहां अपनी कृषि, ऊर्जा और औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है, वहीं पाकिस्तान की स्थिति इससे दिन-ब-दिन दयनीय होती जाएगी और ऐसे में भारत की वाटर स्ट्राइक उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ देगी। भारत ने यदि भविष्य में इस संधि को पूरी तरह समाप्त करने का निर्णय लिया तो पाकिस्तान के लिए यह उसके राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय अस्तित्व की सबसे बड़ी चुनौती बन जाएगा।

पाकिस्तान की रीढ़ ...

तरह से पाकिस्तान में प्रवेश नहीं कर पाई हैं। दरअसल, यह नदियां पाकिस्तान में अंतिम रूप से घुसने से पहले कई बार दोनों सीमाओं के इधर-उधर बहती हैं। पूर्वी नदियों के अलावा बाकी पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चेनाब) के पानी पर पूरा अधिकार पाकिस्तान का है। समझौता के अनुसार, भारत इन नदियों को लेकर कोई भी रोक नहीं लगा सकता। समझौते का अनुच्छेद 3 का भाग (2) कहता है, भारत पश्चिमी नदियों के जल को बहने देने के लिए बाध्य होगा, और इसमें किसी भी तरह के हस्तक्षेप की अनुमति नहीं देगा, कुछ परिस्थितियों को छोड़ कर। यह परिस्थितियां घरेलू उपयोग और कृषि उपयोग से जुड़ी हुई हैं। इस समझौते के तहत इन 6 नदियों के लगभग 70 प्रतिशत-80 प्रतिशत पानी पर पाकिस्तान को जबकि 20 प्रतिशत-30 प्रतिशत पानी पर भारत को अधिकार मिलता है। इसको लेकर पहले भी प्रश्न उठाए जाते रहे हैं कि इसका सीधा फायदा पाकिस्तान को मिला है और भारत का इससे कोई लाभ नहीं है।बुधवार 23 अप्रैल को भारत सरकार ने सिंधु जल समझौते के निलंबन की घोषणा की। भारत ने बताया कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमले में पाकिस्तान का रोल सामने आया है, ऐसे में समझौते को भारत निलंबित कर रहा है। इस हमले में 27 लोगों की हत्या इस्लामी आतंकियों ने कर दी है। मरने वाले अधिकांश हिंदू हैं, जिन्हें धर्म पूछ कर मारा गया। भारत ने स्पष्ट किया कि यह समझौता तब ही वापस अमल में लाया जाएगा जब पाकिस्तान आतंक पर ठोस कार्रवाई करना शुरू करेगा। सिंधु जल समझौते पर इतना बड़ा एक्शन इससे पहले कभी नहीं लिया गया था। यहां तक कि 1965 युद्ध, 1971 युद्ध और करगिल युद्ध के दौरान भी इसे कूटनीतिक विकल्पों के तहत नहीं लाया गया था। इससे पहले 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते की पुनरसमीक्षा करने की बात कही थी। भारत इससे पहले भी कई बार पाकिस्तान को नोटिस भेज कर समझौते की शर्तों में बदलाव की मांग कर चुका है। हालांकि, उस पर कोई आगे ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।पाकिस्तान की आबादी का एक बड़ा हिस्सा अब भी खेती पर निर्भर है। उसका खेती का इलाका भी पंजाब और सिंध में सिमटा हुआ है। बलूचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वाह जैसे राज्य सूखे मरुस्थल जैसे हैं। पाकिस्तान में होने वाली खेती के लिए 90 प्रतिशत पानी सिंधु नदी तंत्र से आता है। यह पानी भारत से ही बह कर जाता है। सिंधु नदी तंत्र से आने वाला पानी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में 25 प्रतिशत हिस्से के लिए जिम्मेदार है। पाकिस्तान पहले से ही पानी की किल्लत झेल रहा है। ऐसे में भारत का यह समझौता निलंबित करना उसके लिए बड़ा झटका है। यह पानी रुकने से उसकी खेती तो प्रभावित होगी ही, कराची और लाहौर जैसे बड़े शहर भी पानी के लिए तरस जाएंगे।कई विशेषज्ञों का मानना है कि समझौते के निलंबित होने के बाद यह पानी पाकिस्तान जाने से रोकने के लिए भारत को नए बांध बनाने होंगे, इससे ही पूरी तरह यह कार्रवाई अमल में आ पाएगी। हालांकि, भारत तुरंत भी पाकिस्तान को चोट दे सकता है। भारत अपने हिस्से में इन नदियों की धाराएं अस्थायी रूप से सेना और बाकी विभाग को काम पर लगाकर मोड़ सकता है। इसके अलावा भारत इन नदियों में बहने वाले पानी की मात्रा, इनके जलस्तर, बहाव की गति और बाकी डाटा भी अब पाकिस्तान के साथ साझा नहीं करेगा। ऐसे में पाकिस्तान को बाढ़ और पानी में कमी का अंदाजा भी नहीं लगा पाएगा। यह स्थिति उसके लिए आगामी मानसून में और भी विकट होगी।

आधी रात...

और उसे देश को छोड़ने के लिए कहा जाता है। भारत ने तीन पाकिस्तानी राजनयिकों को औपचारिक अवांछित व्यक्ति यानी पीएनजी घोषित किया। अब ये लोग भारत में नहीं रह सकते। इनमें पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा, नौसेना और वायुसेना के सलाहकार शामिल हैं। इन तीन पाकिस्तान के राजनयिकों को एक हफ्ते के भीतर भारत छोड़ना होगा। इधर भारत भी इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा, नौसेना और वायु सेना के सलाहकारों को वापस बुला रहा है।बगैर गोली चलाए भारत ने पाकिस्तान का हुक्का पानी बंद कर बड़ा कूटनीतिक हमला किया है। इन फैसलों से भीख का कटोरा लेकर दुनियाभर में घूम रहा पाकिस्तान अपनी अर्थव्यवस्था को गर्त में जाते हुए देखेगा। भारत ने अपने 5 बड़े फैसलों से साबित कर दिया है कि देश अब आतंकी हमले के खिलाफ जोरदार एक्शन ले रहा है।

पहलगाम परिणाम...

कश्मीर जाने के लिए उनके पास बस, फ्लाइट और होटल की पहले से ही कई परिवारों की बुकिंग थी, लेकिन हमले की खबर फैलते ही उन्हें लगातार बुकिंग रद्द करने के लिए फोन आने लगे। कश्मीर यात्रा कराने वाली एक एजेंसी ने बताया कि उनके पास अप्रैल और मई के महीने के लिए 20 से ज्यादा बुकिंग थीं, जिनमें से लगभग सभी रद्द हो गई हैं। उन्होंने बताया कि लोग अपनी बुकिंग का पैसा वापस भी मांग रहे हैं।

जम्मू कश्मीर में हुए इस हमले के बाद ट्रैवल एजेंसिया भी सांसत में पड़ी हैं। एक एजेंसी ने बताया है कि कि एक बार फ्लाइट और होटल की बुकिंग हो गई तो वे नॉन-रिफंडेबल होती है, लेकिन आतंकी हमले के बाद ट्रैवल एजेंसियों पर पर्यटकों द्वारा कैंसिलेशन और पैसे वापस करने के लिए दबाव है। पर्यटकों को अपनी टिकट कैंसिल करने पर कैंसिलेशन चार्ज न देना पड़े, इसके लिए पर्यटन मंत्रालय ने सभी बुकिंग एजेंसियों से यात्रियों के साथ सहयोग की अपील करते हुए कैंसलेशन शुल्क नहीं लेने की अपील जारी की है।

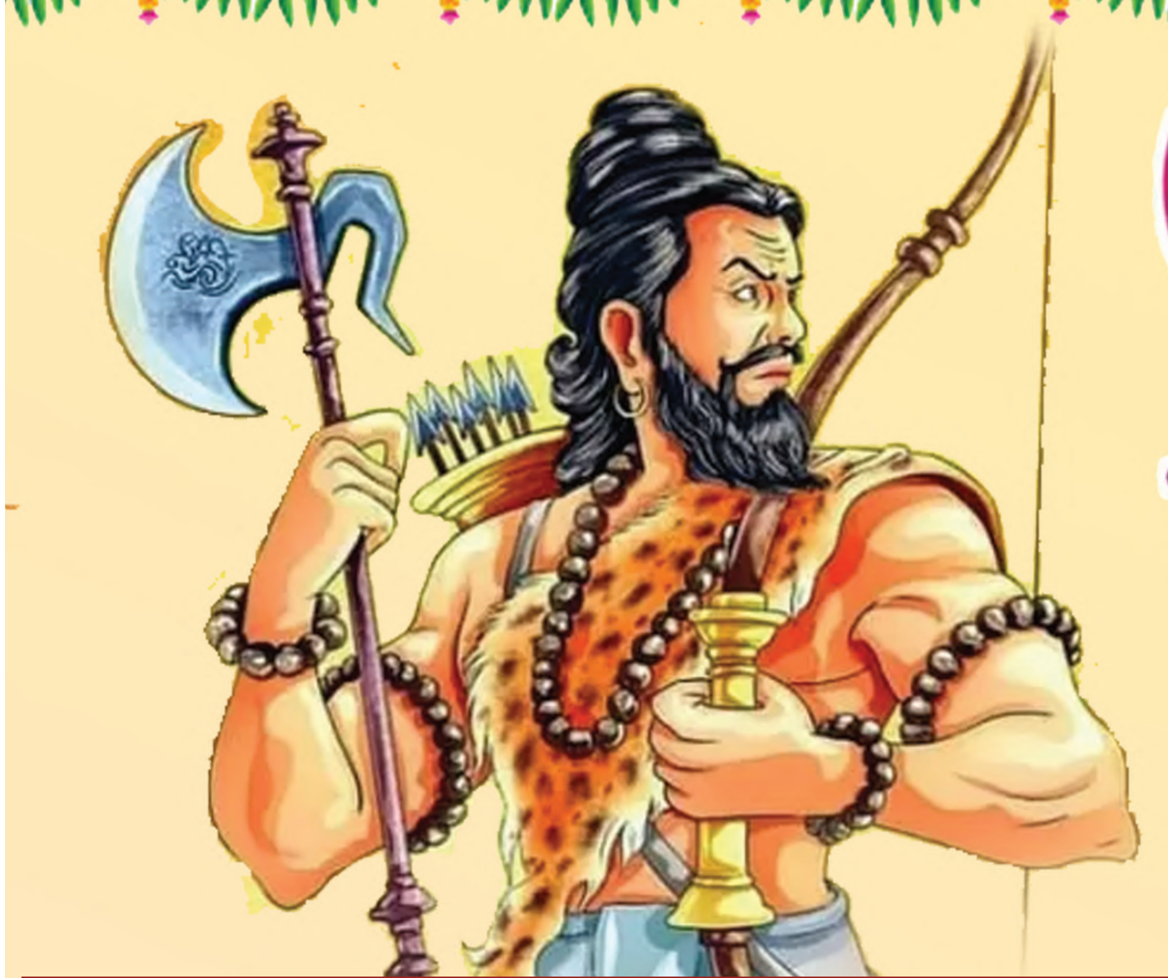

विष्णु भगवान के छठे अवतार

भगवान परशुराम जयंती 29 को मनाई जाएगी

भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। उनका जन्म त्रेतायुग में ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। परशुराम जयंती भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। यह दिन परशुराम जी को समर्पित है, जिन्होंने पृथ्वी को अन्याय और अत्याचार से मुक्त कराने के लिए अनेक बार क्षत्रियों से युद्ध किया था। हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 29 अप्रैल 2025, दिन मंगलवार की शाम 05 बजकर 31 मिनट पर शुरू होगी। इसका समापन अगले दिन 30 अप्रैल 2025, बुधवार को दोपहर 02 बजकर 12 मिनट पर होगा। पंचांग गणना के आधार पर 29 अप्रैल को परशुराम जयंती मनाई जाती है।

परशुराम जयंती पूजा विधि

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें।

मंदिर की साफ-सफाई करें।

एक वेदी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर भगवान परशुराम की प्रतिमा करें।

भगवान परशुराम को जल, अक्षत, चंदन, फूल, फल, मिठाई और नारियल अर्पित करें।

उन्हें फरसा भी अर्पित कर सकते हैं, जो उनका प्रमुख अस्त्र है।

घी का दीपक और धूप जलाएं।

भगवान परशुराम के मंत्रों का जाप करें।

इस दिन भगवान परशुराम की कथा सुनें या पढ़ें।

अंत में भगवान परशुराम की आरती करें और प्रसाद बांटें।

अपनी क्षमतानुसार दान-पुण्य करें।

कुछ भक्त इस दिन व्रत भी रखते हैं। यदि व्रत रखते हैं तो सिर्फ फलाहार करें।

परशुराम जयंती पूजन मंत्र ॐ परशुरामाय नमः।।

ॐ ब्रह्मक्षत्राय विद्महे क्षत्रियान्ताय धीमहि तन्नो रामः प्रचोदयात्।।

ॐ जामदग्न्याय विद्महे महावीराय धीमहि तन्नो परशुराम प्रचोदयात्।।

पहली बार सहस्त्रबाहु फिर 20 बार क्षत्रियों का विनाश किया, क्यों था परशुराम को इतना क्रोध?

परशुराम जयंती भगवान परशुराम के जन्म का प्रतीक है। इन्हें भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में पूजा जाता है, जिसका हिंदू परंपरा में बहुत धार्मिक महत्व है। यह हर साल वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पड़ती है। बता दें कि परशुराम जी का जन्म जमदग्नि ऋषि और रेणुका देवी के पुत्र के रूप में हुआ था। उनके पिता जमदग्नि एक ऋषि थे और भृगु महर्षि के वंशज थे। वे अपने पिता के प्रति अपनी गहन भक्ति और धर्म के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते थे, आखिर उन्होंने 21 बार धरती को क्षत्रियों से विहीन क्यों किया था? सीता स्वयंवर के दौरान जब शिव धनुष टूटने पर परशुराम जनकपुर पहुंचते हैं। वह भगवान राम से कहते हैं- ''सुनहु राम जेहिं सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।। यानी जिसने भी शिव धनुष तोड़ा है वह मेरे लिए सहस्त्रबाहु के जैसा शत्रु है''। आगे की चौपाई में वह यह भी कहते हैं- ''भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।। सहसबाहु भुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।'' यानी अपनी भुजाओं के बल से मैंने पृथ्वी को राजाओं से रहित कर दिया और बहुत बार उसे ब्राह्मणों को दे डाला। हे राजकुमार! सहस्त्रबाहु की भुजाओं को काटनेवाले मेरे इस फरसे को देख!

क्यों परशुराम जी ने 21 बार धरती को क्षत्रियों से विहीन कर दिया था?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सहस्त्रबाहु जिन्हें अर्जुन के नाम से भी जाना जाता है। वह हैहय वंश के राजा कृतवीर्य का पुत्र था। उसने भगवान दत्तात्रेय की घोर तपस्या करके एक हजार भुजाओं का वरदान प्राप्त किया था, जिसके कारण वह सहस्त्रबाहु के नाम से प्रसिद्ध हुआ। सहस्त्रबाहु एक शक्तिशाली और पराक्रमी राजा था, लेकिन बीतते समय के साथ उसे अपने बल का घमंड हो गया था।

सहस्त्रबाहु के मन में आ गया था लालच

एक बार सहस्त्रबाहु अपनी पूरी सेना के साथ ऋषि जमदग्नि के आश्रम में गया। ऋषि जमदग्नि ने कामधेनु गाय की सहायता से सहस्त्रबाहु और उसकी विशाल सेना का स्वागत किया। कामधेनु की अद्भुत शक्ति को देखकर सहस्त्रबाहु के मन में लालच आ गया। उसने ऋषि जमदग्नि से कामधेनु को छीनने का प्रयास किया, लेकिन जब ऋषि ने इंकार कर दिया तो उसने उनका अपमान किया और कामधेनु को बलपूर्वक अपने साथ ले गया।जब परशुराम, जी लौटे तो उन्हें इस घटना की जानकारी हुई। अपने पिता के अपमान से वे बहुत क्रोधित हुए और तभी उन्होंने प्रतिज्ञा ली कि वह इस दुष्ट राजा और उसके वंश का नाश कर देंगे।

परशुराम जी ने ली प्रतिज्ञा

परशुराम जी ने सहस्त्रबाहु का पीछा किया और उसका वध कर दिया। हालांकि, सहस्त्रबाहु के पुत्रों ने प्रतिशोध लेने के लिए ऋषि जमदग्नि को मार दिया। पिता की हत्या से परशुराम का क्रोध और बढ़ गया, जिस वजह से उन्होंने क्षत्रिय वंश के अत्याचारों से पृथ्वी को मुक्त कराने का संकल्प लिया और 21 बार धरती को क्षत्रियों से विहीन कर दिया।

राशि अनुसार दान धन-वैभव में होगी अपार वृद्धि

सनातन धर्म में परशुराम जयंती का खास महत्व है। इसी दिन अक्षय तृतीया भी मनाई जाती है। परशुराम जयंती भगवान परशुराम के जन्म का प्रतीक है, जो श्री हरि विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह जयंती हर साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को आती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन दान और पुण्य करने का भी विधान है। कहते हैं कि इस दिन दान पुण्य करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है, तो चलिए यहां जानते हैं कि इस दिन राशि अनुसार क्या दान करना चाहिए?

परशुराम जयंती पर करें ये दान

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को परशुराम जयंती पर लाल वस्त्र का दान करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातकों को

इस दिन चावल का दान करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर उड़द की दाल का दान करना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को परशुराम जयंती पर चीनी का दान करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस तिथि पर गुड़ का दान करना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर साबुत उड़द का दान करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को परशुराम जयंती पर गुलाबी रंग के कपड़े का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर गुड़ से बनी मिठाई का दान करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस दिन पर शहद का दान करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को परशुराम जयंती पर काले तिल का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस तिथि पर काली उड़द का दान करना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस मौके पर हल्दी या फिर पीले रंगी की चीजों (कपड़े, फल या अन्य कोई वस्तु) का दान करना चाहिए।

विष्णु जी के परशुराम अवतार को राशि अनुसार करें ये चीजें अर्पित, हर इच्छा होगी पूरी!

भगवान विष्णु को जगत का पालनहार माना गया है, जिन्होंने समय-समय पर लोगों के कल्याण के लिए 24 अवतार लिए हैं। 24 अवतारों में से 10 प्रमुख अवतार हैं, जिसमें से एक परशुराम अवतार भी है। ये विष्णु जी का छठा अवतार है, जिन्होंने कई बार अत्याचारी राजाओं का संहार करके पृथ्वी को पाप से मुक्त किया था। इसलिए परशुराम जी को विष्णु जी का उग्र अवतार माना जाता है, जिनकी पूजा से ज्ञान, धन, साहस और शौर्य आदि की प्राप्ति होती है। वैदिक पंचांग की गणना के अनुसार, प्राचीन काल में वैशाख माह में आने वाली शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस तिथि पर परशुराम जयंती मनाई जाती है। इस साल 29 अप्रैल 2025, दिन मंगलवार को परशुराम जयंती का पर्व मनाया जाएगा। ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि परशुराम जयंती के दिन यदि व्यक्ति परशुराम जी को कुछ विशेष चीजें अर्पित करता है तो उसे अपनी हर समस्या से मुक्ति मिल सकती है। चलिए जानते हैं परशुराम जयंती के दिन राशि अनुसार करने वाले अचूक उपायों के बारे में।

मेष राशि -प्रातः काल में भगवान विष्णु और परशुराम जी की पूजा करें। साथ ही परशुराम जी को लाल रंग के फूल और पीला चंदन अर्पित करें। इस उपाय से आपके घर में बरकत होगी।

वृषभ राशि -भगवान परशुराम को प्रसन्न करने के लिए इस शुभ दिन उनकी पूजा करें। साथ ही उन्हें सफेद रंग के फूल और एक लोटा दूध अर्पित करें। इस उपाय से जल्द आपके घर में खुशियों का वास होगा।

मिथुन राशि - लंबे समय से यदि आप किसी कारण परेशान हैं तो परशुराम जयंती के दिन भगवान परशुराम की पूजा करें। साथ ही उन्हें हरे रंग के फूल और शहद अर्पित करें। इस उपाय से जल्द आपको अपनी परेशानी का समाधान मिल जाएगा।

कर्क राशि - यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में हर समय खुशियां रहें तो परशुराम जयंती के दिन विष्णु जी और परशुराम जी की पूजा करें। साथ ही उन्हें सफेद रंग के फूल और पीला चंदन अर्पित करें। इस उपाय से आपको अपनी हर परेशानी का समाधान मिल जाएगा।

सिंह राशि -परशुराम जयंती के शुभ दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार की पूजा करें। साथ ही परशुराम जी को लाल रंग के फूल और शहद अर्पित करें। इस उपाय से आपके घर-परिवार में खुशियों का वास होगा।

कन्या राशि - भगवान परशुराम की पूजा करने के बाद उन्हें हरे रंग के फूल और चंदन अर्पित करना कन्या राशि के लोगों के लिए शुभ रहेगा। इससे आपको देवता की विशेष कृपा प्राप्त होगी और घर-परिवार में खुशियों का आगमन होगा।

तुला राशि-परशुराम जी की पूजा करने के बाद उन्हें सफेद रंग के फूल और दूध अर्पित करें। इस उपाय से आपके घर-परिवार में चल रही परेशानियां काफी कम हो सकती हैं।

वृश्चिक राशि-यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में हर समय खुशियां रहें तो इस शुभ दिन परशुराम जी की पूजा करने के बाद उन्हें लाल रंग के फूल और चंदन अर्पित करें। इससे आपके आपके घर में बरकत होगी और संबंधों में आपसी प्रेम बढ़ेगा।

धनु राशि -परशुराम जयंती के शुभ दिन भगवान परशुराम जी की पूजा करने के बाद उन्हें लाल रंग के फूल और शहद अर्पित करें। इस उपाय से आपको भगवान का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होगा और परिवार में शांति बनी रहेगी।

मकर राशि-परशुराम जयंती के शुभ दिन परशुराम जी की पूजा करें। साथ ही उन्हें हरे रंग के फूल और चंदन अर्पित करें। इस उपाय से आपके घर-परिवार में खुशियां बढ़ेंगी और पैसों की कमी से छुटकारा मिलेगा।

कुंभ राशि-यदि आपकी कोई इच्छा लंबे समय से पूरी नहीं हो रही है तो इस शुभ दिन भगवान परशुराम जी की पूजा करें। साथ ही उन्हें सफेद रंग के फूल और दूध अर्पित करें। इस उपाय से आपकी वो इच्छा जल्द पूरी हो सकती है।

मीन राशि-भगवान परशुराम की पूजा करने के बाद उन्हें हरे रंग के फूल और शहद अर्पित करें। इस उपाय से आपको परशुराम जी की विशेष कृपा प्राप्त होगी और संबंधों में प्यार बढ़ेगा। इसके अलावा घर में चल रहा क्लेश भी दूर होगा।

परशुराम जयंती पर करें इस चालीसा का पाठ, सभी भयों से मिलेगी मुक्ति

हिंदू धर्म में परशुराम जयंती का खास महत्व है। इसी दिन अक्षय तृतीया भी मनाई जाती है। परशुराम जयंती भगवान परशुराम की जयंती का प्रतीक है। वे भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, परशुराम जयंती वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होती है। जो साधक इस दिन परशुराम जी की कृपा पाने की कामना कर रहे हैं, उन्हें इस दिन उनकी विशेष पूजा करनी चाहिए। सबसे पहले सुबह भोर में स्नान करें। इसके बाद एक घी का दीपक जलाएं। फिर, रोली, चंदन, अक्षत और ऋतु फल-मिठाई अर्पित करें। फिर परशुराम चालीसा का पाठ करें। अंत में आरती करें। ऐसा करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होगी।

।।परशुराम चालीसा।।

।। दोहा ।।

श्री गुरु चरण सरोज छवि,निज मन मन्दिर धारि।
सुमरि गजानन शारदा,गहि आशिष त्रिपुरारि।।
बुद्धिहीन जन जानिये,अवगुणों का भण्डार।
बरणों परशुराम सुयश,निज मति के अनुसार।।

।। चौपाई ।।

जय प्रभु परशुराम सुख सागर।
जय मुनीश गुण ज्ञान दिवाकर।।
भृगुकुल मुकुट विकट रणधीरा।
क्षत्रिय तेज मुख संत शरीरा।।
जमदग्नी सुत रेणुका जाया।
तेज प्रताप सकल जग छाया।।
मास बैसाख सित पच्छ उदारा।
तृतीया पुनर्वसु मनुहारा।।
प्रहर प्रथम निशा शीत न घामा।
तिथि प्रदोष व्यापि सुखधामा।।
तब ऋषि कुटीर रूदन शिशु कीन्हा।
रेणुका कोखि जनम हरि लीन्हा।।
निज घर उच्च ग्रह छः ठाढ़े।
मिथुन राशि राहु सुख गाढ़े।।
तेज-ज्ञान मिल नर तनु धारा।
जमदग्नी घर ब्रह्म अवतारा।।
धरा राम शिशु पावन नामा।
नाम जपत जग लह विश्रामा।।
भाल त्रिपुण्ड जटा सिर सुन्दर।
कांधे मुंज जनेऊ मनहर।।
मंजु मेखला कटि मृगछाला।
रूद्र माला बर वक्ष विशाला।।
पीत बसन सुन्दर तनु सोहें।
कंध तुणीर धनुष मन मोहें।।
वेद-पुराण-श्रुति-स्मृति ज्ञाता।
क्रोध रूप तुम जग विख्याता।।
दायें हाथ श्रीपरशु उठावा।
वेद-संहिता बायें सुहावा।।
विद्यावान गुण ज्ञान अपारा।
शास्त्र-शस्त्र दोउ पर अधिकारा।।
भुवन चारिदस अरु नवखंडा।
चहुं दिशि सुयश प्रताप प्रचंडा।।
एक बार गणपति के संगा।
जूझे भृगुकुल कमल पतंगा।।
दांत तोड़ रण कीन्ह विरामा।
एक दंत गणपति भयो नामा।।
कार्तवीर्य अर्जुन भूपाला।
सहस्त्रबाहु दुर्जन विकराला।।
सुरगऊ लखि जमदग्नी पांहीं।
रखिहहुं निज घर ठानि मन मांहीं।।
मिली न मांगि तब कीन्ह लड़ाई।
भयो पराजित जगत हंसाई।।
तन खल हृदय भई रिस गाढ़ी।
रिपुता मुनि सौं अतिसय बाढ़ी।।
ऋषिवर रहे ध्यान लवलीना।
तिन्ह पर शक्तिघात नृप कीन्हा।।
लगत शक्ति जमदग्नी निपाता।
मनहुं क्षत्रिकुल बाम विधाता।।
पितु-बध मातु-रूदन सुनि भारा।
भा अति क्रोध मन शोक अपारा।।
कर गहि तीक्षण परशु कराला।
दुष्ट हनन कीन्हेउ तत्काला।।
क्षत्रिय रुधिर पितु तर्पण कीन्हा।
पितु-बध प्रतिशोध सुत लीन्हा।।
इक्कीस बार भू क्षत्रिय बिहीनी।
छीन धरा बिप्रन्ह कहँ दीनी।।
जुग त्रेता कर चरित सुहाई।
शिव-धनु भंग कीन्ह रघुराई।।
गुरु धनु भंजक रिपु करि जाना।
तब समूल नाश ताहि ठाना।।
कर जोरि तब राम रघुराई।
बिनय कीन्ही पुनि शक्ति दिखाई।।
भीष्म द्रोण कर्ण बलवन्ता।
भये शिष्या द्वापर महँ अनन्ता।।
शास्त्र विद्या देह सुयश कमावा।
गुरु प्रताप दिगन्त फिरावा।।
चारों युग तव महिमा गाई।
सुर मुनि मनुज दनुज समुदाई।।
दे कश्यप सों संपदा भाई।
तप कीन्हा महेन्द्र गिरि जाई।।
अब लौं लीन समाधि नाथा।
सकल लोक नावइ नित माथा।।
चारों वर्ण एक सम जाना।
समदर्शी प्रभु तुम भगवाना।।
ललहिं चारि फल शरण तुम्हारी।
देव दनुज नर भूप भिखारी।।
जो यह पढ़ै श्री परशु चालीसा।
तिन्ह अनुकूल सदा गौरीसा।।
पृर्णेन्दु निसि बासर स्वामी।
बसहु हृदय प्रभु अन्तरयामी।।

।। दोहा ।।

परशुराम को चारू चरित,मेटत सकल अज्ञान।
शरण पड़े को देत प्रभु,सदा सुयश सम्मान।।

सिनेमा के दिग्गजों ने विभाजन के बाद मुंबई को बनाया अपनी कर्मभूमि

दंगों के कारण छोड़ना पड़ा था घर

एक ओर जहां भारतवासियों के चेहरों पर स्वतंत्रता की खुशी थी तो वहीं विभाजन का दंश भी था। लाखों लोगों को अपनी जड़ों को छोड़ना पड़ा था तो वहीं भारतीय सिनेमा पर भी इसका असर पड़ा। गायिका नूर जहां, संगीतकार गुलाम हैदर सहित कई कलाकारों ने पाकिस्तान में बसने का निर्णय लिया जबकि दिलीप कुमार, पृथ्वीराज कपूर जैसे कलाकारों की जड़ें अविभाजित हिंदुस्तान के पेशावर शहर से गहरी जुड़ी थीं, पर भारत को उन्होंने कर्मभूमि के रूप में चुना। संगीतकार साहिर लुधियानवी जैसी कुछ हस्तियां भी रहीं जिन्होंने पाकिस्तान जाने का निर्णय लिया लेकिन वहां के बदतर हालात देखकर उन्हें भारत लौटना पड़ा।

सुनो सुनो ऐ दुनिया वालों बापू की अमर कहानी... मोहम्मद रफी ने जब विभाजन के उपरांत महात्मा गांधी की हत्या को लेकर आहत मन से यह गाना गाया तो वह चर्चा में आ गए। विभाजन की पीड़ा मन में थी तो सांप्रदायिक शांति के लिए बापू की अपील भी मन में भीतर उतर गई। फिल्म 'धूल का फूल' में वह गाते हैं तू हिंदू बनेगा न मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है इंसान बनेगा... कुदरत ने तो हमको बख्शी थी एक ही धरती हमने उसको कहीं भारत कहीं ईरान बनाया...।

मोहम्मद रफी की जड़ें

मोहम्मद रफी की जड़ें पाकिस्तान से जुड़ी थीं, लाहौर में उन्होंने बतौर गायक पहली प्रस्तुति दी थी, पर भारतभूमि में बसने का निर्णय लिया। ये सच है कि सिनेमा और कलाकारों की कला किसी देश की सीमाओं में बंधी नहीं होती, लेकिन विभाजन ने उन्हें निजी जीवन में कुछ निर्णय लेने के लिए बाध्य कर दिया। दिलीप कुमार की जन्मस्थली अविभाजित हिंदुस्तान का पेशावर था तो पृथ्वीराज कपूर की स्नातक शिक्षा वहीं हुई थी।

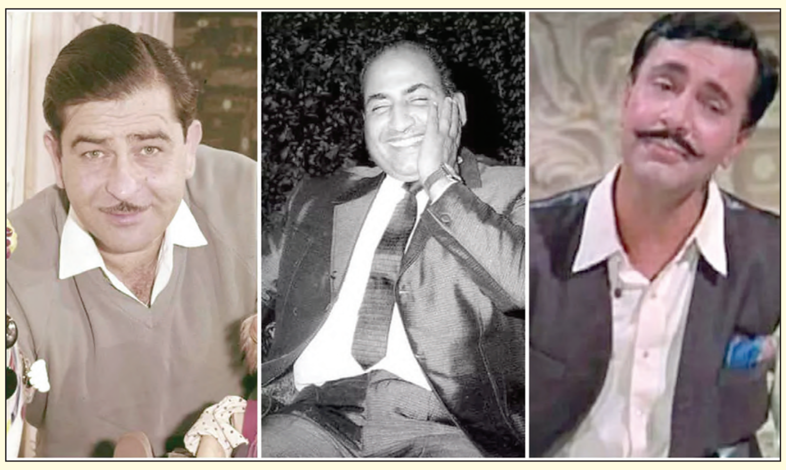

राज कपूर का जन्म भी पेशावर में हुआ था, पर पंथ निरपेक्षता के भारतीय आदर्श, कला के लिए अनुकूल महौल व भारतभूमि से लगाव ने उन्हें भारत में बसने के लिए प्रेरित किया। सिनेमा का वह आरंभिक काल था, पर रचनात्मक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी थी। यही वजह रही कि धार्मिक पहचान से ऊपर उठकर मोहम्मद रफी, दिलीप कुमार, पृथ्वीराज कपूर जैसे कलाकार हर वर्ग के सिनेप्रेमियों के हृदय में बस गए।

लाहौर में पत्रकार थी ये हस्तियां

धर्म, न्याय और कर्म के आदर्शों को सामने रखने वाले धारावाहिकों 'रामायण' और 'महाभारत' बनाने वाले क्रमशः रामानंद सागर और बीआर चोपड़ा लाहौर में बतौर पत्रकार सक्रिय थे, लेकिन विभाजन के बाद जब सांप्रदायिक दंगे भड़के तो उन्हें परिवार सहित भागकर भारत आना पड़ा। अपनी फिल्मों में सामाजिक समस्याओं को उकेरने वाले बीआर चोपड़ा ने जब 'नया दौर' बनाई तो मानव श्रम और मशीन के मध्य संघर्ष को कथानक बनाया।

मोहम्मद रफी के स्वर व ओपी नैयर के संगीत से सजे गाने, ये देश है वीर जवानों का... साथी हाथ बढ़ाना, एक अकेला थक जाएगा मिलकर बोझ उठाना... में मिलकर देश को आगे बढ़ाने का जज्बा दिखता है।

रामानंद सागर ने चुना भारत

रामानंद सागर लाहौर के निकट असल गुरु नामक स्थान पर जन्मे थे, जब वह भारत

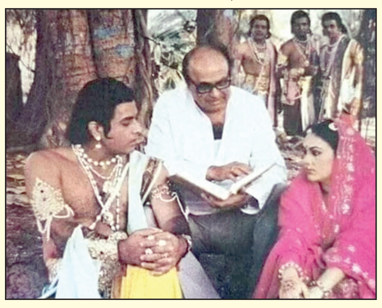

आए तो सारी धन संपत्ति वहीं छूट गई, पर कर्म पर विश्वास के साथ वह आगे बढ़े। बलराज साहनी, ए.के. हंगल भी पाकिस्तान से भारत आए। फिल्में समाज का प्रतिबिंब होती हैं, किंतु विभाजन का दर्द इतना तीक्ष्ण था कि लंबे समय तक फिल्मकार उसे फिल्मों का कथानक बनाने से हिचकते रहे। स्वतंत्रता के करीब 25 वर्ष बाद 1973 में विभाजन के दंश को उकेरती फिल्म बनी 'गर्म हवा' (1973)। बलराज साहनी अभिनीत इस फिल्म का प्रस्तुतिकरण इतना प्रभावशाली था कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के साथ ही कान और ऑस्कर पुरस्कारों के लिए भी नामांकन मिला।

हालात देख लौटना पड़ा भारत

गीतकार साहिर लुधियानवी आत्मकथा मैं साहिर हूं में लिखते हैं कि मैं स्वयं को असुरक्षित और अकेला महसूस कर रहा था। अंततः जून 1948 में मैं लाहौर से भारत आने के लिए निकल पड़ा। लाहौर में जन्मे अब्दुल रशीद कारदार और निर्देशक महबूब खान ने भी पाकिस्तान का रुख किया, पर वहां के हालात देखकर भारत लौट आए। कारदार ने 1940 में 'होली' फिल्म बनाई थी। यह फिल्म श्वेत श्याम थी, पर भेद-भाव मिटाते होली के रंगों के माध्यम से उन्होंने से अमीरी-गरीबी की खाई पाटने का संदेश दिया था। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की सकारात्मकता का ही प्रभाव था कि महबूब खान प्रतिभावान कलाकारों नरगिस, राज कुमार, सुनील दत्त संग मिलकर 'मदर इंडिया' जैसी फिल्म का निर्माण कर सके, जो प्रतिष्ठित आस्कर पुरस्कार में प्रथम भारतीय प्रविष्टि बनी।

विभाजन ने किया मजबूर

देश विभाजन से पूर्व फिल्म निर्माण का केंद्र थे लाहौर और बंबई (अब मुंबई)। यह वह दौर था जब अभिनेत्रियों में गायन के हुनर को महत्व दिया जाता था। नूर जहां की गायकी इतनी लोकप्रिय थी कि उन्हें मलिका ए तरन्नुम संबोधित किया जाता था। वर्ष 1942 में शौकत हुसैन रिजवी निर्देशित 'खानदान' फिल्म में वह नायक प्राण संग मुख्य भूमिका में आईं और दर्शकों के दिलों में बस गईं। वर्ष 1947 में दिलीप कुमार संग उन्होंने हिट फिल्म 'जुगनू' दी। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की वह शीर्ष नायिका थीं, पर उनके पति शौकत रिजवी जिन्ना समर्थक थे, इसलिए दोनों लाहौर चले गए। लेखक मंटो ने 1948 में मुंबई छोड़ दिया।

उनकी कृतियों पर 'काली सलवार' सहित कई फिल्में बनीं। फिल्मकार नजीर और उनकी पत्नी व अभिनेत्री स्वर्णलता, संगीतकार गुलाम हैदर और खुर्शीद अनवर भी पाकिस्तान चले गए। सुरैया का जन्म भी लाहौर में हुआ था। विभाजन के बाद वह और उनकी दादी मुंबई में बस गईं जबकि संबंधी पाकिस्तान जा बसे।

20 मार्च 2026 को रिलीज होगी संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर!

संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर काफी समय से चर्चा में है। जब से इसकी अनाउंसमेंट हुई है फैंस तीन बड़े स्टार्स को साथ में देखने के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल की दमदार तिकड़ी को एक साथ देखना काफी ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है।

वहीं अगर डायरेक्टर संजय लीला भंसाली हों तो खास भव्यता और कहानी कहने की कला के साथ यह फिल्म एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगी। एक तरफ जहां फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह साफ झलक रहा है वहीं काफी समय से ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि फिल्म के प्रोडक्शन में देरी हो सकती है। हालांकि, अब खबर आ रही है कि ऐसी अफवाहें पूरी तरह से निराधार हैं और फिल्म बिना किसी देरी के ट्रैक पर आ रही है।

लव एंड वॉर तय समय पर चल रही है, और फिल्म योजना के अनुसार आगे बढ़ रही है। प्रोडक्शन के पार्ट पर फिल्म में कोई देरी नहीं हो रही है इसलिए इस तरह की अटकलें पूरी तरह से निराधार हैं।

संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म लव एंड वॉर युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रेम की एक महाकाव्य कहानी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह एक ऐसी फिल्म है जो रणबीर कपूर और विक्की कौशल द्वारा निभाए गए दो मजबूत इरादों वाले सेना के जवानों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में दोनों को आलिया भट्ट द्वारा निभाए गए किरदार से प्यार हो जाएगा और इसी के लिए दोनों आमने-सामने होंगे।

निर्देशक ने पहले ही रणबीर और विक्की के बीच कुछ भिड़ंत वाले कुछ सीन्स पहले ही शूट कर लिए हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई में हो रही है और उम्मीद है कि यह अगले साल 20 मार्च को सिनेमाघरों में आएगी।पहले खबर आ रही थी कि भंसाली की पसंदीदा एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण फिल्म में कैमियो कर सकती हैं। हालांकि, कुछ लेटेस्ट रिपोर्ट बताती है कि पद्मावत अभिनेत्री फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी।

छावा ने तोड़ा पुष्पा 2 का रिकॉर्ड

जाट को छूने भी नहीं दे रही सिंहासन

सब्र का फल कितना मीठा होता है, ये अभिनेता विक्की कौशल को बहुत ही अच्छे से पता है। मसान से लेकर कई फिल्मों में छोटे-छोटे किरदार निभाकर विक्की को उनके अभिनय कौशल के लिए तो सराहना मिली, लेकिन वह बैड न्यूज से पहले कमर्शियल सिनेमा के बड़े सितारे बनने के लिए संघर्ष करते रहे। हालांकि, उनकी सोई किस्मत जागी इस साल फरवरी में रिलीज हुई ऐतिहासिक फिल्म 'छावा' से, जिसने उन्हें सिर्फ बॉक्स ऑफिस का किंग ही नहीं बनाया, बल्कि इस साल का सबसे कमाऊ एक्टर भी बना दिया।

आम तौर पर फिल्में अगर 40 दिन भी सिनेमाघरों में टिक जाए, तो बड़ी बात होती है, लेकिन विक्की कौशल की छावा तो थिएटर छोड़ने का नाम ही नहीं ले रही है। 69 दिनों तक खुद को सिनेमाघरों के साथ-साथ बॉक्स ऑफिस पर भी मजबूती से टिकाए रखने वाली छावा ने आखिरकार पुष्पा 2 का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ ही दिया है। अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 को छावा ने किस मामले में पीछे छोड़ा है, ये हम आपको जरूर बताएंगे, लेकिन उससे पहले फिल्म के 69 दिनों के इंडिया और वर्ल्डवाइड कलेक्शन पर डाल लेते हैं। सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक छावा ने रिलीज के 69वें दिन यानी कि बुधवार को सिंगल डे में 6 लाख तक की कमाई कर ली है।

इस फिल्म का हिंदी भाषा में टोटल कलेक्शन 601 करोड़ तक पहुंचा है। दिनेश विजन ने फिल्म के क्रेज को देखते हुए इस मूवी को साउथ ऑडियंस के लिए भी रिलीज किया था, जहां ये फिल्म 15 दिन चली और मूवी ने 15.87 करोड़ तक का कलेक्शन किया।

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'छावा' अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 को कमाई के मामले में भले ही पीछे नहीं छोड़ पाई हो, लेकिन सिनेमाघरों में टिके रहने में इस फिल्म ने पैन इंडिया रिलीज फिल्म को भी पीछे छोड़ दिया है। अल्लू अर्जुन की फिल्म 56 दिनों तक थिएटर में लगी थी, जबकि विक्की कौशल की फिल्म छावा 69 दिनों बाद भी सिनेमाघरों में लगी हुई है, बल्कि कमाई कर रही है।

सनी देओल की जाट और अक्षय कुमार की केसरी 2 के सामने भी ये मूवी हर दिन लाख रुपए कमाते हुए कछुए की रफ्तार से चल रही है। जहां जाट और केसरी 2 का कलेक्शन बढ़ रहा है, वहीं धीमे-धीमे लाख कमाकर भी छावा की कमाई में बढ़ोतरी हो रही है।

हमें सच मालूम है... महेश भट्ट और बहन पूजा के विवादित किस पर बोले राहुल, कहा- फर्क नहीं पड़ता

90 के दशक की शुरुआत में जब अभिनेत्री पूजा भट्ट बॉलीवुड में खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रही थीं, तब एक विवाद ने उनके करियर को लगभग खत्म कर दिया था। पूजा और उनके पिता,निर्देशक-निर्माता महेश भट्ट का एक मैग्जीन कवर पर किस करते हुए फोटो वायरल हुआ था।

महेश और पूजा की फोटो पर हुआ था विवाद

इस फोटो को लेकर काफी ज्यादा विवाद हुआ था और भट्ट परिवार में आपसी रिश्ते को लेकर काफी ज्यादा बातें उड़ीं। अब, पूजा के भाई राहुल भट्ट ने उस विवाद के बारे में बात की है जो थमने का नाम नहीं ले रहा है।

हमें फिल्मी परिवार के बच्चे हैं – राहुल

राहुल ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए कहा,'कुछ फर्क नहीं पड़ता। यह तो पानी की तरह है। हमको मालूम है सच क्या है, हमने बचपन से देखा है यार।'उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में जन्म लेने और पले-बढ़े होने के कारण फिल्मी परिवारों के बच्चे इस तरह की कॉन्ट्रोवर्सी को लेकर काफी हद तक इम्यून हो जाते हैं और यही उनके और उनकी बहन के मामले में भी हुआ। राहुल ने आगे कहा,'फिल्मी परिवार के बच्चे या तो बहुत गड़बड़ होते हैं या बहुत मजबूत होते हैं। लोगों को लगता है हमें फर्क पड़ता है, मगर नहीं। हमें इससे फर्क पड़ता।'

खुद पूजा भट्ट ने भी बताई थी सच्चाई

यह पहली बार नहीं है कि भट्ट परिवार ने किस कांड के बारे में बात की। साल 2023 में सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में पूजा ने उस मोमेंट को बिल्कुल मासूम बताया और कहा लोग उसे गलत नजर से देखते हैं। अगर लोग बाप और बेटी के रिश्ते को अलग नजरिए से देख सकते हैं तो वह कुछ भी कर सकते हैं। फिर हम बात करते हैं फैमिली वैल्यूज की। बहुत कमाल का मजाक है।

फिल्म इवेंट कैंसिल करने के सपोर्ट में आए आर माधवन

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने फिल्मी दुनिया से लेकर आम नागरिकों को हैरान कर दिया है। सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए दुआएं कर रहे हैं। इस बीच सिनेमा दुनिया से जुड़े लोगों ने फिल्मी कार्यक्रमों को कैंसिल करने की घोषणा की। अब इसके समर्थन में आर माधवन आ गए हैं। आइए जानते हैं कि उनका क्या कहना है।

फिल्मी दुनिया से जुड़े तमाम लोगों ने इस दुखद घटना पर संवेदनाएं व्यक्त की है। आर माधवन ने सिनेमा से जुड़े कार्यक्रमों को टालने पर अपनी प्रतिक्रिया इंस्टाग्राम के जरिए दी। उन्होंने हाथ जोड़ने वाली इमोजी के साथ एक पोस्ट शेयर की। दरअसल, यह एक लंबे नोट की पोस्ट है, जो इस आतंकी हमले के बॉलीवुड पर प्रभाव के बारे में है। इसमें ट्रेलर लॉन्च और फिल्मों से जुड़े कार्यक्रमों को पोस्टपोन करने का जिक्र भी है।

फिल्मों से जुड़े कार्यक्रम हुए रद्द

आर मावधन ने जो पोस्ट साझा की है कि उसमें लिखा हुआ है कि 'मौजूदा हालात को देखते हुए मूवी टीजर, ट्रेलर लॉन्च जैसे इवेंट को रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा, कई ब्रांड लॉन्च के साथ-

साथ एक बड़ा अवॉर्ड शो भी कैंसिल कर दिया गया है। अन्य सभी इंडस्ट्री की तरह, हमारी फिल्म इंडस्ट्री भी इस मुश्किल समय के दौरान दुख और शोक प्रकट करती है।'

आर माधवन ने स्टोरी में क्या लिखा?

आर माधवन ने इस पोस्ट को स्टोरी पर शेयर करते हुए फिल्मी दुनिया से जुड़े लोगों के फैसले का समर्थन किया है और हाथ जोड़ने वाली इमोजी भी पोस्ट की है। टेस्ट एक्टर ने एक पोस्ट के जरिए इस क्रूर हमले की निंदा भी की है। उन्होंने लिखा 'भयभीत, निराश, स्तब्ध, गहरा सदमा और दुख, दिल दहला देने वाला पहलगाम का हमला। गुस्सा, क्रोध, बदला और प्रतिशोध, बदला, नाश, विनाश, एक उदाहरण स्थापित करो, कायर अपराधी।' सोशल मीडिया पर एक्टर की पोस्ट आते ही चर्चा में आ गई है।

अभिनेता अन्ना सालुंके ने निभाया था फिल्म में राम और सीता का किरदार

107 साल पहले आया डबल रोल का कंसेप्ट

फिल्मों में डबल रोल का कंसेप्ट काफी समय से चला आ रहा है। हेमा मालिनी की सीता और गीता से लेकर, शाह रुख खान की डुप्लीकेट, दिलीप कुमार की राम और श्याम और सलमान खान की जुड़वा दर्शकों ने थिएटर में बैठकर एक टिकट पर डबल मजे लिए।

उन्हें अपने पसंदीदा सितारे को एक ही स्क्रीन पर अलग-अलग रोल में देखने का मौका हमेशा से मिलता रहा है। बीते साल जहां शाह रुख खान ने फिल्म जवान में बाप और बेटे का रोल अदा किया था, तो वहीं डबल रोल निभाने की लीग में अब कृति सेनन का नाम भी शामिल हो चुका है। वह अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती में डबल रोल अदा करती हुई दिखाई देंगी।

क्या आपको पता है कि भारत में डबल रोल का कंसेप्ट कौन लेकर आया। कौन था वह अभिनेता जिसने सबसे पहले एक पौराणिक फिल्म में डबल रोल निभाया। अगर नहीं, तो चलिए जानते हैं 107 साल पुरानी सुपरहिट फिल्म का इतिहास, जिसमें एक ही अभिनेता बना था राम और सीता।

अभिनेता ने 1917 में बनी फिल्म में निभाया था डबल रोल

पहली फिल्म में डबल रोल की भूमिका अदा करने वाले अभिनेता कोई और नहीं, बल्कि अन्ना सालुंके थे, जिन्होंने भारत की पहली फिल्म राजा हरिश्चंद्र में भी काम किया था। अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने हीरो के साथ-साथ नायिका की भूमिका भी अदा की। दादा साहब फाल्के की फिल्म राजा हरिश्चंद्र में रानी तारामती बनने के बाद, वह पर्दे पर माता सीता और भगवान श्रीराम भी बने।

क्यों अन्ना सालुंके को निभानी पड़ी थी सीता की भूमिका?

भारत को आजादी मिलने से पहले महिलाओं का कमर्शियल फिल्मों में काम करना, या इस तरह से अपनी कला का प्रदर्शन पर्दे पर करना गलत माना जाता था। यही वजह थी कि उस वक्त जो भी फीमेल किरदार आते थे, उसे फिल्म के अभिनेता ही निभाते थे। उन्होंने लंका दहन में श्रीराम का किरदार निभाने के बाद उनकी पत्नी माता सीता का किरदार भी अदा किया था। वह भारतीय सिनेमा के पहले अभिनेता थे, जिन्होंने अधिकतर फिल्मों में अभिनेता और अभिनेत्री दोनों का किरदार निभाया।

क्यों अभिनेता को ही दादा साहब फाल्के ने बनाया हीरोइन?

अन्ना सालुंके को फिल्मों में हीरोइन का रोल करवाना दादा साहब फाल्के की च्वाइस नहीं, बल्कि मजबूरी थी। दरअसल, दादा साहब फाल्के और अन्ना सालुंके की पहली मुलाकात एक रेस्टोरेंट में हुई थी, जहां अभिनेता कथित तौर पर एक वेटर के रूप में काम करते थे। दादा साहेब फाल्के उस दौरान एक लड़की की तलाश में थे, जिसे वह अपनी फिल्म में कास्ट कर सके। लेकिन फिल्मों से जुड़ना उस समय पर किसी भी महिला को मंजूर नहीं था।

ऐसे में दादा साहब फाल्के की नजर अन्ना सालुंके पर पड़ी, जिनका कद-काठी और फीचर ऐसे थे, जिसकी वजह से नायिका की भूमिका के लिए वह निर्देशक को एकदम परफेक्ट लगे। जैसे-तैसे दादा साहब फाल्के 10 रुपए में काम करने वाले सालुंके को 15 रुपए की फीस देकर फिल्मों में आने के लिए मना लिया और बतौर अभिनेता उनकी जर्नी की शुरुआत हो गई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली–भांति अध्ययन कर लें। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के ग़ुस्से का शिकार बना सकता है। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। अपना नज़रिया दोस्तों और रिश्तेदारों पर थोपने की कोशिश न करें। क्योंकि न सिर्फ़ यह आपके लिए कुछ ख़ास फ़ायदेमंद साबित नहीं होगा अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए, नहीं तो दुर्घटना हो सकती है इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मुश्किल घड़ी में रिश्तेदार भी काम आएंगे। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। आप और आपका महबूब आज प्यार के समुन्दर में गोते लगाएंगे और प्यार की मदहोशी को महसूस करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये–पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। समय, कामक–ाज, पैसा, यार–दोस्त, नाते–रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ़, दोनों आपस में खोए हुए – कुछ ऐसा मिज़ाज रहेगा आपका आज। आज आपकी कल–ात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। आपके नज़दीकी लोग निजी जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं। आप अपने प्रिय की बांहों में आराम महसूस करेंगे। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत–काल की तरह है ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे। अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ और मीठी यादों को फिर से ताज़ा करें, ताकि पुराने दिनों को फिर से वापस लाया जा सके। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। दफ़्तर में अपनी ग़लती स्वीकार करना आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन आपको इसे सुधारने के लिए विश्लेषण की ज़रूरत है। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत–काल की तरह है – रोमानी व प्यार से भरा; जहाँ सिर्फ़ आप और आपका जीवनसाथी साथ हों।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। बेहतर कामकाज के चलते आपको तारीफ़ मिल सकती है। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 अप्रैल 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रात: 11:47 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा प्रात: 08:54 तक
योग : ऐन्द्र दोपहर 12:30 तक
करण : तैतिल प्रात: 11:47 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , श्रीसेन जयंती , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ : भजनलाल

जयपुर,24 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट 2025-26 में राजस्थान को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकासोन्मुखी बनाने का रोडमेप तैयार किया गया है। बजट में राज्य की सभी 200 विधानसभाओं के विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण पूर्ण जिम्मेदारी से काम करते हुए तय समय में बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति सुनिश्चित करें जिससे आपणो अग्रणी राजस्थान की संकल्पना को गति मिल सके।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की प्रगति की। शर्मा ने विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पहली बार प्रस्तुत ग्रीन बजट से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश को हरित राजस्थान बनाए रखने के लिए सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों के माध्यम से ग्रीन ऑडिट करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत राज्य में करोड़ों की संख्या में पौधारोपण किया गया। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में पारिस्थितिकी संतुलन के लिए जन जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राजीविका मिशन के तहत 20 लाख महिलाओं को लखपति दीदी योजना से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने सहकारिता विभाग एवं राजीविका को आपसी समन्वय बनाते हुए काम करने के निर्देश दिए जिससे सहकारी बैंक भी मजबूत होंगे तथा महिलाओं को भी आर्थिक संबल मिलेगा। शर्मा ने कहा कि आयुष्मान राजस्थान की संकल्पना को पूरा करने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने समस्त जिला चिकित्सालयों में डे–केयर सेंटर बनाने एवं डायबिटिक क्लिनिक स्थापित करने सहित स्वास्थ्य विभाग की अन्य बजटीय घोषणाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा इन्हें समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 5 हजार उचित मूल्य की दुकानों पर अन्नपूर्णा भंडार खोलने के लिए तेज गति से काम करें।

राजस्थान में ईडी की कार्रवाई

जल जीवन मिशन घोटाले में महेश जोशी को किया गिरफ्तार

जयपुर,24 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री महेश जोशी को जल जीवन मिशन घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया। ईडी कार्यालय में दिनभर की पूछताछ के बाद यह कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने घोटाले से संबंधित दस्तावेज उन्हें दिखाए और विस्तृत जवाब मांगे गए।

जानकारी के अनुसार, महेश जोशी को ईडी ने कई बार समन जारी किया था, लेकिन वह व्यक्तिगत कारणों से पूछताछ में शामिल नहीं हो सके थे। गुरुवार को दोपहर करीब 1 बजे जोशी अपने निजी सहायक के साथ ईडी मुख्यालय पहुंचे थे, जहां अधिकारियों ने उनसे जल जीवन मिशन से जुड़े कथित घोटाले के विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की।

यह मामला केंद्र सरकार की 'हर घर जल' योजना के तहत चल रहे जल जीवन मिशन से जुड़ा है। साल 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदारों ने कथित रूप से फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों के आधार पर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के टेंडर हासिल किए थे।

जांच में सामने आया कि श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी ने 68 निविदाओं में भाग लिया, जिनमें से 31 टेंडर जीतकर कंपनी ने 859.2 करोड़ रुपए के अनुबंध हासिल किए। वहीं, श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी ने 169 निविदाओं में हिस्सा लिया और 73 में एल–1 बोलीदाता के रूप में चयनित होकर 120.25 करोड़ रुपए के टेंडर प्राप्त किए।इस मामले में पहले एसीबी ने जांच शुरू की थी, जिसमें कई भ्रष्ट अधिकारियों की भूमिका सामने आई। बाद में ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और महेश जोशी व उनके सहयोगी संजय बड़ाया सहित अन्य लोगों के ठिकानों पर दबिश दी।

सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा

18 जोड़ों का सामूहिक विवाह, ऋषि श्रृंग शांता माता और भगवान रामचंद्र जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा आज

भीलवाड़ा (राजस्थान), 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऋषि श्रृंग सिखवाल ब्राह्मण सेवा समिति, त्रिवेणी संगम माण्डलगढ, भीलवाड़ा (राजस्थान) के तत्वावधान में शुक्रवार, दि. 25 अप्रैल, 2025 को सिखवाल समाज द्वारा तुलसी शालीग्राम सहित 18 जोड़े परिणय सूत्र में बंधने जा रहे हैं। साथ ही साथ त्रिवेणी संगम के पास भव्य ऋषि श्रृंग मंदिर में ऋषि श्रृंग शांता माता एवं भगवान राजचंद्र जी की मूर्ति स्थापना का आयोजन किया जा रहा है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कार्यक्रम के प्रधान संयोजक एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री शिवराज शर्मा ने बताया कि शुक्रवार दि. 25 अप्रैल को प्रातः 7.21 बजे से विधिवत रूप से सभी कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। उक्त कार्यक्रमों की अध्यक्षता स्थानीय विधायक गोपाल खंडेलवाल करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद के हीरालाल उपाध्याय नौलंकीवाले एवं विशेष अतिथि के रूप में अनिरुद्ध प्रसाद उपाध्याय (रायपुर), निर्मल जोशी (चित्तौड़गढ), एस.एन. तिवाडी (मुंबई) होंगे। कार्यक्रम में संपूर्ण भारतवर्ष से स्वजातिय बंधुओं का आगमन होगा। श्री शर्मा ने आगे बताया कि उक्त भव्य कार्यक्रम दि. 17 अप्रैल, 2025 से ही प्रारंभ हो चुका है और इसी क्रम में 11 कुंडीय व प्राण प्रतिष्ठा सविधिवत रूप से चल रही है।

शुक्रवार दि. 25 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रमों में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, सामूहिक विवाह, समाज के भाषाशाहों का स्वागत एवं सम्मान आदि होगा। कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने में सभी क्षेत्रों से धुओं को जोड़ा गया। जिसमें हैदराबाद से नन्दकिशोर व्यास बिलाल, जिेश तिवारी, रामदेव उपाध्याय जैतारण, सोहनलाल जोशी, मोलीलाल तिवारी, भगवान व्यास बिलाल, विष्णु गोपाल तिवारी, सुरेश व्यास जानम व रामदेव नागला, नेमीचंद उपाध्याय प्रमुख व्यक्तियों में शामिल हैं।आयोजन समिति के सभी सदस्य पिछले तीन वर्षों से संपूर्ण भारतवर्ष में मंदिर निर्माण कायृ के लिए अपना अमुल्य समय देकर सेवा दे रहे हैं। साथ ही उक्त प्राण प्रतिष्ठा पर सामूहिक विवाह का लक्ष्य रखा गया जो साकार हुआ। सिखवाल ब्राह्मण समाज हैदराबाद द्वारा आयोजन समिति के शिवराज शर्मा, मोडीराम व्यास, सत्यनारायण उपाध्याय, कैलाश माणमीया, छितरमल ओझा, रामेश्वर पांडिया, भंवरलाल माणमीया, कैलाश माणमीया, जगन्नाथ माणमीया, जगदीशचंद्र जोशी, मिश्रीलाल तिवाडी, भंवारलाल माणमीया, हिरालाल जोशी, हरिशंकर पांडिया, उदयलाल ओझा व आयोजन से जुड़े सभी को उनके द्वारा सामजिक हित में किये गये प्रयासों की भूरि–भूरि सराहना की गई।

पहलगाम आतंकी हमला: छह दिन पहले लिए थे सात फेरे

अब तिरंगे में लिपटे लेफ्टिनेंट को पत्नी ने कहा अलविदा

चंडीगढ़,,24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को बुधवार शाम हरियाणा के करनाल शहर में उनकी पत्नी हिमांशी ने तिरंगे में लिपटे उनके ताबूत को गले लगाकर भावभीनी विदाई दी। उनकी शादी मात्र छह दिन पहले हुई थी। युवा अधिकारी को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। 26 वर्षीय नौसेना अधिकारी की शादी 16 अप्रैल को हुई थी। वह कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए 26 लोगों में शामिल थे।

जब यह हादसा हुआ, तब वे पहलगाम में हनीमून पर थे। उनकी पत्नी हिमांशी गुरुग्राम की रहने वाली हैं। लेफ्टिनेंट नरवाल का पार्थिव शरीर दिल्ली पहुंचने पर उनकी पत्नी ने उनके ताबूत को पकड़ लिया और फूट–फूट कर रो पड़ीं। उन्होंने कहा, हमें हर दिन उन पर गर्व होगा... हमें उन पर गर्व होना चाहिए। मैं प्रार्थना करती हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले। हम उन्हें हर तरह से गौरवान्वित करेंगे। उनकी वजह से ही हम अभी भी जीवित हैं। 19 अप्रैल को उनकी शादी का रिसेप्शन हुआ। करनाल जिले के भुसली गांव के रहने वाले लेफ्टिनेंट नरवाल फिलहाल करनाल शहर के सेक्टर 7 में रह रहे थे। देर शाम को पार्थिव शरीर को उनके गृहनगर लाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

लेफ्टिनेंट नरवाल तीन साल पहले नौसेना में शामिल हुए थे। उनके परिवार में, पिता राजेश नरवाल, जो आबकारी विभाग में कर्मचारी हैं, उनकी मां आशा नरवाल, उनकी बहन सृष्टि और उनके दादा हवा सिंह, जो सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लेफ्टिनेंट नरवाल के दादा से वीडियो कॉल के जरिए बात की और परिवार को आश्वासन दिया कि दुख की इस घड़ी में राज्य उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, करनाल विधायक जगमोहन आनंद और मेयर रेणु बाला गुप्ता भी परिवार को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हमले के दोषियों के खिलाफ एक मजबूत और निर्णायक जवाबी हमले की जरूरत है।

पहलगाम आतंकी हमला मानवता के खिलाफ सबसे जघन्य अपराध : बंडारू

चंडीगढ़,24 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुवार को नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से बात की। विनय देश के वीर सपूत थे, जिन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में अपनी जान गंवा दी। राज्यपाल ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और एक साहसी युवा अधिकारी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

बंडारू दत्तात्रेय ने पहलगाम आतंकी हमले को मानवता के खिलाफ सबसे जघन्य अपराध बताते हुए इस क्रूर कृत्य की कड़ी निंदा की और कहा कि इस तरह के कायरतापूर्ण हमले कभी भी भारतीय नागरिकों, सशस्त्र बलों या राष्ट्र की भावना के संकल्प को हिला नहीं पाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि एक बहादुर और युवा नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की

क्षति को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। उन्होंने परिवार के सदस्यों से कहा कि हरियाणा और पूरा देश इस दुख की घड़ी में आपके साथ खड़ा है।घृणित आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए दत्तात्रेय ने बताया कि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से अपनी आत्मकथा 'जनता की कहानी मेरी आत्मकथा' के विमोचन समारोह को स्थगित करने का अनुरोध किया था, जो मूल रूप से 24 अप्रैल को उपराष्ट्रपति भवन में होना था। जिसे देर रात स्थगित कर दिया गया।

शहरों में सौंदर्यीकरण कार्यों को सीएसआर के माध्यम से करवाने की संभावनाओं का पता लगाएं : सैनी

चंडीगढ़,24 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नगर निकायों में कचरा संग्रहण कार्य में आमजन का फीडबैक लेने के लिए विभाग द्वारा फीडबैक सेल की स्थापना की जाये। इस सेल को सीएम डैशबोर्ड के साथ लिंक किया जाये ताकि इस सम्बन्ध में लोगों से फीडबैक लेकर इस कार्य में निरंतर सुधार करते हुए शहरों को और अधिक स्वच्छ और सुन्दर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों के फीडबैक के आधार पर अच्छा कार्य करने वाले निकायों को सम्मानित किया जाएगा तथा कोताही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। मुख्यमंत्री आज यहां शहरी स्थानीय निकाय विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी उपस्थित थे। प्रदेश के सभी शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में एडवांस टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण का कार्य किया जाना चाहिए ताकि लाइव लोकेशन के आधार पर इस कार्य में लगी गाड़ियां और मैनपावर की सटीक जानकारी उपलब्ध हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जहां पर इस विषय में टेंडर की समय सीमा समाप्त हो रही हो, वहां पर 15 दिन पहले ही टेंडर संबंधी सभी प्रक्रियाएं पूरी की जानी चाहिए ताकि किसी प्रकार का कोई विलंब ना हो।

स्वच्छ सर्वेक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत सभी कार्यों को गति से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर प्रदेश को स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में आगे बढ़ाना है, इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि धर्मक्षेत्र–कुरुक्षेत्र को भी स्वच्छता के मामले में नंबर एक पर लाने के लिए विशेष अभियान की शुरुआत की गई थी जिसमे सामाजिक संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों आदि ने बढ़चढ़ कर भागीदारी की थी। इस गति को बरक़रार रखने के लिए संबंधित अधिकारी योजना बनाकर कार्य करें ताकि गीता की भूमि कुरुक्षेत्र को और अधिक स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि पिपली गेट पर स्थापित गीता द्वार को और भव्य रूप देने के लिए भी योजना बनाई जाए।बेसहारा गोवंश प्रबंधन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे गोवंश को पकड़ने के बाद उन्हें गौशाला या नंदीशाला में छोड़ते हुए उनकी क्यूआर कोड के माध्यम से टैगिंग करने संबंधी संभावनाओं को तलाशा जाए ताकि सम्बंधित गोवंश की समस्त जानकारी विभाग के पास उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि सभी शहरों को बेसहारा पशुओं से पूरी तरह से मुक्त करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में म्युनिसिपल एरिया में अगर कहीं भी अवैध कॉलोनी पनप रही है तो सम्बंधित के खिलाफ तुरंत कार्रवाई अमल में लाई जाए। अवैध कॉलोनी काटने वालों पर भारी पेनल्टी लगाने के साथ–साथ उसे तुरंत नोटिस देकर एफआईआर दर्ज करवाने की दिशा में भी कार्य किया जाए। इसके अतिरिक्त, अधिकारी अपने–अपने एरिया में स्लम कॉलोनियों को भी चिन्हित करें ताकि वहां रह रहे लोगों को फ्लैट बनाकर दिए जा सकें।

मुख्यमंत्री सैनी ने 'जागृत ग्राम पुरस्कार योजना' और 'मेरा गांव–मेरी धरोहर' का किया शुभारंभ

चंडीगढ़,24 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में पंचायतों को 368 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। जिला पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय ग्राम उत्थान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने 233 करोड़ रुपये की लागत के 923 विकास कार्यों का उद्घाटन तथा 135 करोड़ रुपये की लागत के 413 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त करने की दिशा में 22 जिला परिषदों, 142 पंचायत समितियों और 5388 ग्राम पंचायतों को स्टाम्प ड्यूटी के अंश के रूप में 573 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने 511 ग्राम पंचायतों को महिला चौपालों के निर्माण के लिए 18.28 करोड़ रुपये की राशि भी जारी की। साथ ही, 411 जिला परिषद सदस्यों तथा 3081 पंचायत समिति सदस्यों को 1.45 करोड़ रुपये की मानदेय राशि भी जारी की।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

बिहार में मेरठ जैसी घटना: प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने ली पति की जान, गड्ढे में दफनाया था शव

नालंदा (एजेंसियां)। नालंदा के राजगीर थाना क्षेत्र के महादेवपुर गांव में एक पति की हत्या के मामले में ऐसा चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है।

यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की हत्या कर दी और शव को गांव के पास ही झाड़ियों में बने गड्ढे में दफना दिया। मामला तब खुला जब 29 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली कि कुत्ते झाड़ियों में किसी शव को नोच रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही राजगीर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जमीन से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान महादेवपुर निवासी राजीव सिंह उर्फ नागा सिंह (पिता सुरेन्द्र सिंह) के रूप में हुई। पहले यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा बताया जा रहा था, लेकिन जब पुलिस ने गहराई से जांच शुरू की, तो मामला कुछ और ही निकला।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की निगरानी में गठित विशेष जांच टीम ने जब तकनीकी पहलुओं की जांच की, तो संध्या देवी के मोबाइल की कॉल डिटेल्स और लोकेशन से अहम सुराग मिले। पुलिस को यह स्पष्ट हुआ कि पति की मौत के बाद भी वह अपने पड़ोसी दीपक कुमार उर्फ छोटू के लगातार संपर्क में थी। जब संदेह गहराया, तो पुलिस उसके घर पहुंची, लेकिन वह वहां नहीं मिली। बाद में उसे नौरंगा गांव से हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में संध्या देवी ने पूरे मामले का खुलासा किया और बताया कि उसके दीपक कुमार उर्फ छोटू के साथ अवैध संबंध थे। उसका पति राजीव सिंह शराब पीने का आदी था और आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। कुछ दिन पहले भी उसने उसके साथ मारपीट की थी और उसका मोबाइल भी तोड़ दिया था। उसी घटना से आहत होकर उसने दीपक और नीतीश कुमार के साथ मिलकर हत्या की योजना बना डाली।

संध्या देवी ने पुलिस को बताया कि पांच जनवरी को दीपक और नीतीश ने राजीव को शराब पिलाने के बहाने घर से बाहर बुलाया।

रात में दोनों ने मिलकर राजीव का गला दबा दिया और उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को गांव के पास झाड़ियों में एक गड्ढे में दफना दिया गया। जब आसपास के लोग राजीव के बारे में पूछते, तो संध्या उन्हें बताती कि वह कुंभ मेले में गया है।

राजगीर पुलिस ने संध्या देवी (25) को गिरफ्तार कर लिया है और उसके दोनों सहयोगियों की तलाश में छापामारी कर रही है। इस जघन्य वारदात ने पूरे गांव को हिला कर रख दिया है। जहां एक ओर अवैध संबंधों और घरेलू हिंसा का खतरनाक मेल सामने आया है, वहीं पुलिस की सक्रियता से एक बड़ी साजिश बेनकाब हो गई है।

इस मामले की जांच और छापामारी में डीएसपी सुनील कुमार सिंह, राजगीर थानाध्यक्ष रमन कुमार, डीआईयू प्रभारी आलोक कुमार, दरोगा संजीव कुमार सिंह, काजल कुमारी, भानु प्रताप सिंह समेत राजगीर थाना की महिला व पुरुष सशस्त्र बल की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। पुलिस अब फरार आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास में जुटी हुई है।

पीएम मोदी के सामने सीएम नीतीश कुमार का खुलासा

मंत्री की ओर इशारा कर बोले- इनके कारण एनडीए से निकले

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर पलटने का आरोप लगता रहा है। जब वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से निकले तो भारतीय जनता पार्टी यह आरोप लगा रही थी और जब-जब वह महागठबंधन से निकले तो राष्ट्रीय जनता दल ने यह आरोप लगाया। लेकिन, अब सीएम नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने खुले मंच से केंद्रीय मंत्री की ओर इशारा करते हुए साफ-साफ बता दिया कि इनके कारण एनडीए से निकले थे और जब इन्हें समझ में आया तो वापस एनडीए में आ गए।

मधुबनी में पीएम मोदी की सभा में मंच पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी थे और चिराग पासवान भी। भाजपा के तमाम मंत्री तो थे ही, जनता दल यूनाइटेड कोटे के कद्दावर मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह भी थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत-अभिवादन करने के बाद सीएम नीतीश कुमार ने अपनी बात रखनी शुरू की। सारी बातों पर तालियां बज रही थीं, लेकिन एक बात सुनकर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह हतप्रभ रह गए। सीएम नीतीश कुमार ने उनकी ओर इशारा करते हुए साफ-साफ बता दिया कि इन्हीं की वजह से एनडीए से निकले थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रौ में थे। उन्होंने केंद्र और राज्य में एनडीए सरकार की चर्चा करते हुए कहा- 'हम लोग एक ही साथ रहे हैं। बीच में हम गड़बड़ कर दिये... हमारे पार्टिया वाला... (ललन सिंह की ओर इशारा करते हुए) यहीं तो बैठे हुए हैं। इन्हीं से पूछिए। वह तो बाद में इन्हीं (ललन सिंह) को लगा कि वह गड़बड़ है, इसलिए उसको (लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल) छोड़ दीजिए। अब हम लोग कभी उसके साथ नहीं जा सकते हैं। सब गड़बड़ किया है। उनके खिलाफ ही हम लोग लड़े थे पहली बार 2005 में। इतना बढ़िया से लड़े थे! यह तो अध्यक्ष (ललन सिंह, जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष) थे हमारे पार्टी के।

नेशनल हाइवे पर ब्लास्ट हो गई स्कूटी गंभीर रूप से झुलसे बाप और बेटी की मौत

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले में ऊंचकागाव थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव के समीप तेज धमाका हुआ। अचानक हुए एक शक्तिशाली पटाखा विस्फोट के कारण स्कूटी पर सवार एक मासूम बच्ची और एक युवक की झुलसने से मौत हो गई। ब्लास्ट इतना धमाकेदार था कि इससे निकली चिंगारियों ने पास के दो झोपड़ीनुमा घर को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे आग लग गई। आग लगने के कारण लाखों रुपये के सामान जलकर खाक हो गए। मृतकों की पहचान जिले के मीरगंज नगर निवासी लक्ष्मण सोनार के 32 वर्षीय पुत्र मिथुन सोनार और अमित सोनी की तीन वर्षीय बेटी आरोही कुमारी के रूप में की है।

बताया जाता है कि मृतक मिथुन पटाखा लेकर स्कूटी से अपनी भतीजी आरोही के साथ मीरगंज से गोपालगंज जा रहा था। जैसे ही वह एनएच-531 पर वृंदावन गांव के पास पहुंचा कि तभी एक तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी पहुंच गए।

स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। लेकिन दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। गोरखपुर जाने के दौरान रास्ते में ही दोनों की मौत हो गई। उसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया।

उधर, इस ब्लास्ट के कारण पटाखे से निकली चिंगारी ने वृंदावन गांव निवासी बादशाह महतो के घर को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते झोपड़ीनुमा घर जलकर राख हो गया, जिस वक्त चिंगारी घर में गिरी, उस वक्त बादशाह महतो घर में अपने परिवार साथ खाना खा रहे थे। जब तक वह कुछ समझ पाते, तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया। सभी लोग जान बचाने के लिए घर से निकलकर भागने लगे। वहीं, घर में रखे रुपये और सामान जलकर राख हो गए।

ढाई करोड़ की हेरोइन के साथ उत्तर प्रदेश के दो तस्कर गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। कैमूर जिले में नुआंव थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। ढाई करोड़ की हेरोइन के साथ दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

तस्करी के लिए यूपी से लेकर भोजपुर जिले के बिहिया जा रहे तस्करों को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक, ये लोग पहले भी हेरोइन की डिलीवरी कर चुके हैं। जहां डिलीवरी देने और लेने के लिए नई मोबाइल और सिम दिया जाता था। गिरफ्तार दोनों तस्कर उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के दिलदारनगर के निवासी हैं।

प्रेस वार्ता करते हुए मोहनिया एसडीपीओ प्रदीप कुमार ने बताया, कैमूर एसपी हरिमोहन शुक्ला के निर्देश पर नुआंव थानाध्यक्ष के द्वारा सशस्त्र बल के साथ अकोल्ही फील्ड के पास आने जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान अकोल्ही की तरफ से एक बाइक आते दिखाई दी, जिस पर दो व्यक्ति सवार थे। इन्हें पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो बाइक को तेजी से लेकर भागने लगे,जिसे पुलिस के द्वारा पीछा किया गया तो जैतपुरा पंप कैनाल नहर में पलट गए।

वहीं, दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए और गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। उसके बाद दोनों को पुलिस द्वारा स्थानीय पीएचसी में इलाज के लिए ले जाया गया। जहां पुलिसिया पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि बाइक की डिक्की में हेरोइन है। उसके बाद पुलिस ने डिक्की से पांच प्लास्टिक के डिब्बे से 2.511 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुआ। इसकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत दो करोड़ 50 लाख रुपये बताया जाता है। वहीं, पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार दोनों युवक उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिला, दिलदार नगर थाना क्षेत्र के कुसी गांव निवासी मंगल सिंह कुशवाहा का पुत्र प्रमोद कुमार, रूपेश कुमार उर्फ रितेश कुमार बताया जाता है।एसडीपीओ ने बताया कि इन्हें हेरोइन लेकर डिलीवरी करने के लिए पांच हजार रुपये दिया गया था और इन्हें हेरोइन की डिलीवरी के लिए मैसेज किया जाता है कि माल कहां से कहां पहुंचाना है और इसके साथ ही इन्हें नया मोबाइल फोन और नया सिम दिया जाता है।

ये लोग पहले भी हेरोइन की डिलीवरी कर चुके हैं और जहां करते हैं, उसका पहले भी हेरोइन बेचने का इतिहास रहा है। फिलहाल, पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

27 साल से फरार नक्सली की गिरफ्तारी से बड़ा खुलासा

नक्सल पाठशाला में दी जाती हैं एक साल की ट्रेनिंग

औरंगाबाद (एजेंसियां)। बिहार में नक्सली पाठशाला का खुलासा हुआ है। खुलासे के मुताबिक, पाठशाला में नक्सलियों को पूरे एक साल की ट्रेनिंग दी मिलती है। इसके तहत तरह-तरह के हथियारों को चलाने, संगठन का नेटवर्क बनाने, माओवादी विचारधारा को पल्लवित-पुष्पित करने समेत अन्य प्रकार का जरूरी प्रशिक्षण दिया जाता है।

दरअसल, यह खुलासा पुलिस की नजरों में 27 साल से फरार चल रहे हार्डकोर नक्सली के गिरफ्तारी के बाद पुलिस के समक्ष किया है। इसके अलावा पुलिसिया दबिश के कारण 11 साल से फरार हार्डकोर नक्सली ने कोर्ट में सरेंडर किया है। जबकि पुलिस ने टॉप-10 में शामिल अपराधियों में एक ट्रक लूटेरे को भी गिरफ्तार किया है। औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने गुरुवार को यहां बताया कि गोह प्रखंड में बंदेया थाना क्षेत्र के गंगटी गांव निवासी हार्डकोर नक्सली सुरेंद्र रविदास उर्फ ब्रजेश जी नक्सली घटना को अंजाम देने के बाद वर्ष 1998 से फरार चल रहा था। पुलिस उसके पीछे हाथ धोकर पड़ी थी, लेकिन वह पुलिस की नजरों से खुद को बचता-बचाता भागा फिर रहा था।

इस बीच बंदेया थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि विभिन्न मामलों में 27 साल से फरार चल रहे हार्डकोर नक्सली सुरेंद्र रविदास उर्फ ब्रजेश को गया जिले के गुरारू थाना क्षेत्र में जंगलडीहा गांव के निकट स्थित एफसीआई गोदाम के पास देखा गया है। बंदेया थानाध्यक्ष ने इसकी सूचना उन्हें दी। सूचना मिलते ही उन्होंने सूचना के सत्यापन के लिए दाउदनगर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) कुमार ऋषिराज के नेतृत्व में एक पुलिस की एक विशेष टीम गठित की। साथ ही टीम को गया जाकर उस इलाके में छापेमारी करने का निर्देश दिया। निर्देश के बाद पुलिस की विशेष टीम गया गई। टीम ने जंगलडीहा और एफसीआई गोदाम के पूरे इलाके में जाल बिछाया। जगह-जगह छापेमारी की और फरार नक्सली को धर दबोचा।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद हार्डकोर नक्सली सुरेंद्र रविदास उर्फ ब्रजेश ने पुलिस के समक्ष बड़ा खुलासा किया है। उसने पुलिस को बताया कि नक्सलियों को ट्रेनिंग देने के लिए अघोषित नक्सली पाठशाला चलती है।

इस पाठशाला में तरह-तरह के हथियारों को चलाने से लेकर माओवादी विचारधारा की बौद्धिक स्तर की ट्रेनिंग एवं अन्य प्रकार का जरूरी प्रशिक्षण दिया जाता है। उसने कहा गया जिले के अति नक्सल प्रभावित गुरपा के इलाके में ऐसी ही नक्सली पाठशाला में एक साल का माओवादी प्रशिक्षण 2003 में लिया था। इस प्रशिक्षण के बाद उसकी कार्य कुशलता बढ़ी और उसने कई नक्सली घटनाओं को सफलतापूर्वक अंजाम दिया तथा संगठन को आगे बढ़ाने का काम किया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार हार्डकोर नक्सली का अच्छा-खासा आपराधिक इतिहास रहा है। वह औरंगाबाद जिले में गया जिले की सीमा से सटे गोह के इलाके और गया जिले में बेहद सक्रिय था। उस पर गया जिले के परैया थाना में प्राथमिकी कांड संख्या-40/2003, गुरारू थाना में कांड संख्या-23/2009, कोंच थाना में कांड संख्या-46/2010 एवं आमस थाना में कांड संख्या-88/2011 दर्ज है। इन मामलों में पुलिस उसे सरगर्मी से तलाश रही थी।

उन्होंने बताया कि औरंगाबाद जिले में नक्सलियों के खिलाफ लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नक्सलियों के विभिन्न संदिग्ध ठिकानों पर दबिश और छापेमारी की जा रही है। पुलिसियां दबिश और छापेमारी के कारण एक हार्डकोर नक्सली ने औरंगाबाद के न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। सरेंडर करने वाला नक्सली मुजाहिद हुसैन मदनपुर थाना क्षेत्र के जुड़ाही गांव का निवासी है। उस पर मदनपुर थाना में कांड संख्या-137/2014 तथा पांच और मामले दर्ज हैं। इन मामलों में पुलिस उसे पिछले 11 साल से सरगर्मी से तलाश रही थी और आखिरकार उसने पुलिसियां दबिश के कारण कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

एसपी ने बताया कि पुलिस ने हसपुरा थाना क्षेत्र में 2016 में हल्दी लदे ट्रक की हुई लूट के मामले में ट्रक लूटेरा गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार ट्रक लूटेरा रोहित तिवारी उर्फ रोहित पांडेय रोहतास जिले का निवासी है। गिरफ्तार ट्रक लूटेरा औरंगाबाद के टॉप-10 अपराधियों में शामिल है। इसे लेकर टॉप-10 में शामिल तीन अपराधियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। शेष सात अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिसया प्रयास जारी है।

आतंकी हमले पर गरजे गिरिराज

आज भी कई लोगों की जुबान हैं बंद

दरभंगा (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री के मधुबनी आगमन को देखते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बिहार के दरभंगा पहुंचे। दरभंगा में बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि इस विपरीत परिस्थिति में पहलगाम में हुए आतंकवदी घटना पर भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए दुःख जताया। वही मुख्य विपक्षी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकी घटना के बाद भी यहाँ कई लोगो की जुबान बंद है जो बड़े ऊँचे शब्दों में देश को ज्ञान बांटा करते थे। इस देश के टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग चुप बैठे हैं। वही प्रधानमंत्री के मधुबनी आगमन पर कहा कि देश का विकास तभी होगा जब पूर्वांचल का विकास होगा और पूर्वांचल में भी मिथिला का विकास होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकास की रेखा खींची है और यह नरेंद्र मोदी का सपना नहीं बल्कि उनका विजन है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुरू से मानना है कि देश के विकास और विकसित राष्ट्र को बनाने के लिए बिहार का विकास जरुरी है और बिहार का विकास बिना पूर्वांचल के विकास नहीं हो सकता। पूर्वांचल के विकास के लिए मिथिला का विकास जरुरी है। पीएम ने कहा कि पूर्वांचल का गेटवे है बिहार, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के मधुबनी आ रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने बिहार में एक विकास की रेखा खींची है, चाहे वह मेडिकल कालेज की बात हो, चाहे फोरलेन सड़क की बात हो, चाहे एम्स के नाम पर हो, चाहे हर जिले में केन्द्र के नाम पर हो, चाहे नदियों में पुल देने की बात हो, यह नरेंद्र मोदी का सपना नहीं बल्कि उनका एक विजन है इसलिए कल प्रधानमंत्री का आना तय है अभी तक जब हम बोल रहे है आगे क्या होगा पता नहीं।

पहलगाम आतंकी हमले पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विशेष परिस्थिति में अपना विदेश यात्रा स्थगित कर देश लौट आये हैं। अभी दिल्ली में बैठक चल रही है जैसा निर्णय होगा देश के सामने आएगा। आतंकी हमले पर मै ज्यादा अभी न बोलू वह अच्छा होगा। चूंकि देश के गृह मंत्री तुरंत उस घटनास्थल पहुंच गये, जहां घटना हुई और आकर प्रधनमंत्री को बताये कि क्या हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा को स्थगित कर वापस भारत आ गये, यह बताता है कि गंभीरता क्या है। यह बात जरूर है जो लोग कहते है यहाँ कई लोगो की अभी जुबान बंद है। जो लोग उंचे उंचे शब्दों में देश को ज्ञान बाँटते थे, देश के टुकड़े-टुकड़े गैंग वह सभी अभी चुप हैं। मै तो बस यही कहूंगा कि देखिये आगे-आगे अब होता क्या है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com